नई दिल्ली । शुक्रवार, 29 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :143/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

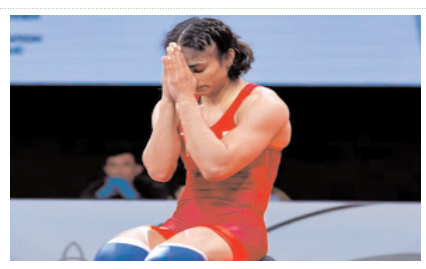

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल विनेस फोगाट पर दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को ...
@ विचार दिल्ली जनजातीय सम्मेलन-अस्मिता, अधिकार का...
@ व्यापार कच्चे तेल में तेजी और वैश्विक अस्थिरता से सोना...

संक्षिप्त खबर

आरजी कर कांड को दबाने में लगा था पूरा तंत्र' : सांसद सुखेंदु शेखर

एजेंसी ■ कोलकाता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल मामले को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। सुखेंदु शेखर रॉय ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस जनता ने टीएमसी को 29 सीटों पर जीत दिलाई थी, वही जनता कुछ ही महीनों बाद आरजी कर मामले के बाद सड़कों पर उतर आई। उन्होंने कहा कि लाखों की संख्या में लोग रातभर जागकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और हमें उस संदेश को समझना चाहिए था जो जनता दे रही थी।

रातभर चला था लाखों लोगों का प्रदर्शन

एशियाई चैंपियनशिप में भारतीय पहलवानों का दबदबा

खिलाड़ियों के मुरीद हुए पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वियतनाम के दा नांग में आयोजित अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को बधाई दी और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। पीएम ने लिखा, 'हमारे पहलवानों का शानदार प्रदर्शन। हमारी पुरुषों की फ्रीस्टाइल और महिलाओं की कुश्ती टीमों ने वियतनाम के दा नांग में आयोजित अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में टीम खिताब जीते। पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती टीम ने नौ पदक हासिल किए, जिनमें चार स्वर्ण पदक शामिल थे। इस तरह उन्होंने अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप के इतिहास में भारत के अब तक के सबसे ज्यादा कुल पदकों का रिकॉर्ड बनाया। महिलाओं की कुश्ती टीम ने 10 पदक जीते, जिनमें छह स्वर्ण पदक शामिल थे। ग्रीको-रोमन टीम ने भी आठ पदकों के साथ अपने अब तक के सबसे ज्यादा कुल पदकों का रिकॉर्ड बनाया। हमारे पहलवानों को बधाई। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।'

डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष ने भी दी बधाई

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने भी भारतीय पहलवानों को बधाई देते हुए कहा था, 'अंडर-23 एशियन चैंपियनशिप की ट्रॉफी उठाना भारतीय कुश्ती के लिए एक बड़ी कामयाबी है और पूरे देश के लिए बहुत गर्व की बात है। हमारे फ्रीस्टाइल पहलवानों ने किर्गिस्तान और कजाकिस्तान जैसे शीर्ष कुश्ती देशों से आगे रहने के लिए जबरदस्त इरादा और तकनीकी बेहतरी दिखाई है। तीनों स्टाइल में, हमारे एथलीटों ने साबित कर दिया है कि भारतीय कुश्ती का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। मैं इस ऐतिहासिक जीत को संभव बनाने के लिए हमारे सभी मेडल विजेताओं, कोचों और सपोर्ट स्टाफ को दिल से बधाई देता हूं।'

भारतीय टीम का यादगार प्रदर्शन

अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रदर्शन यादगार रहा था। टीम ने फ्रीस्टाइल कुश्ती के क्षेत्र में किर्गिस्तान और कजाकिस्तान जैसे देशों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया।

किर्गिस्तान दूसरे, जबकि कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रही थी। भारतीय टीम ने फ्रीस्टाइल में ऐतिहासिक जीत के साथ अपने कॉन्टिनेंटल कैंपेन का शानदार अंत किया। टीम ने फ्रीस्टाइल, महिला कुश्ती (रेसलिंग) और ग्रीको-रोमन कैटेगरी में 11 स्वर्ण, सात रजत और नौ कांस्य सहित कुल 27 पदक जीते।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का इस्तीफा

बोले- आलाकमान ने जो कहा, मैंने किया

एजेंसी ■ बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- मैंने पहले ही कहा था कि हाईकमान जब कहेगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। कल हाईकमान ने कहा और आज मैंने इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने बताया कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत के सचिव को इस्तीफा सौंपा है। गहलोत फिलहाल पारिवारिक कारणों से बेंगलुरु से बाहर हैं। इसके बाद डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना तय माना जा रहा है। शुक्रवार को विधायक दल की बैठक में इसका ऐलान किया जा सकता है।

सिद्धारमैया का हटना रोटेशनल सीएम फॉर्मूला के तहत माना जा रहा है। इससे पहले सिद्धारमैया ने अपने घर पर मंत्रियों के साथ बैठक की और फैसले की जानकारी दी। बैठक के दौरान डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए, जिसके बाद दोनों गले मिले।

सिद्धारमैया 3 साल पहले रोटेशनल फॉर्मूला से बने थे सीएम

कर्नाटक विधानसभा के रिजल्ट 13 मई, 2023 को आए थे। कांग्रेस ने एएचआईएनडीए फॉर्मूले के दम पर चुनाव जीता था।

एएचआईएनडीए का मतलब है, ए - अल्पसंख्यक, एचआई - हिंदुलिदा (पिछड़े वर्ग), डीए - दलित। सिद्धारमैया खुद ओबीसी की कुरुबा जाति से आते हैं, इसलिए पिछड़े वर्ग का बड़ा समर्थन कांग्रेस के साथ रहा।

सिद्धारमैया ने 135 विधायकों में से 90 का समर्थन का दावा किया था। वहीं, डीके शिवकुमार का दावा था कि उसने पार्टी को मुश्किल दौर से बाहर निकाला। इसके लिए उन्होंने मेहनत की। इसमें लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय ने साथ दिया।

दोनों के अड़े रहने की वजह से कांग्रेस आलाकमान को मुख्यमंत्री तय करने में 7 दिन लग गए थे। शपथ 20 मई को हो पाई। इस बीच खबरें आईं कि दिल्ली में कई दौर की बैठकों के बाद दोनों के बीच 'ढाई-ढाई साल के सीएम' फॉर्मूले पर सहमति बनी। हालांकि कांग्रेस ने इसे आधिकारिक रूप से कभी नहीं माना।

नवंबर 2025 में सिद्धारमैया सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद फिर से शिवकुमार को रोटेशन फॉर्मूला के तहत सीएम बनाने की मांग उठने लगीं। फिर दिल्ली में आलाकमान के साथ कई दौर की बैठकें हुईं। हालांकि दोनों ही नेताओं ने खुलकर इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोले। 21 नवंबर 2025 को शिवकुमार ने सार्वजनिक रूप से यह बात मान ली थी कि सिद्धारमैया पूरे 5 साल के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे।

पुलिस को नागरिकों का सहयोगी और मार्गदर्शक बनना चाहिए : राष्ट्रपति मुर्मु

एजेंसी ■ गंगटोक

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को गंगटोक में सिक्किम पुलिस को 'राष्ट्रपति का निशान' प्रदान किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने इस सम्मान के लिए सिक्किम पुलिस से पूर्व में और वर्तमान में जुड़े सभी अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को बधाई दी। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि वर्ष 1897 में अपनी स्थापना के बाद से, इस पुलिस बल ने सिक्किम में शांति, सुरक्षा, और न्याय सुनिश्चित करने के लिए कार्य किया है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत की पुलिस व्यवस्था में लंबे समय तक चले औपनिवेशिक शासन का प्रभाव रहा है। गुलामी के दौर में, पुलिस का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना नहीं, बल्कि उन पर नियंत्रण रखना और शासन के आदेशों को कठोरता से लागू करना था। इसी कारण, पुलिस व्यवस्था में गुलामी की मानसिकता विकसित हो गई। इस मानसिकता के अनुसार पुलिस में जनता का सहयोग करने की सोच के बदले उन पर शासन करने की सोच होती थी। अब इस सोच में बदलाव आ रहा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि देशवासियों को सशक्त बनाने के लिए गुलामी की इस सोच से पूरी तरह से मुक्ति अत्यंत आवश्यक है।

ट्विशा शर्मा केस : सास गिरिबाला सिंह गिरफ्तार

सीबीआई ने दहेज हत्या मामले में की गिरफ्तारी, प्रताड़ित करने का आरोप

एजेंसी ■ भोपाल

हाई प्रोफाइल ट्विशा शर्मा मामले में गुरुवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को भोपाल स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरिबाला सिंह पर अपनी बहू ट्विशा शर्मा को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और कथित रूप से आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप हैं।

सीबीआई की टीम भारी पुलिस बल के साथ सुबह भोपाल के कटारा हिल्स इलाके स्थित गिरिबाला सिंह के घर पहुंची। कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस ने पूरे इलाके में बैरिकेडिंग कर दी और लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी।

जानकारी के मुताबिक, सीबीआई टीम सुबह करीब 10:30 बजे गिरिबाला सिंह के घर पहुंची और उनसे पांच घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एजेंसी अब उनका मेडिकल परीक्षण कराने की तैयारी कर रही है। मौके पर मौजूद बाग सेवनिया थाना प्रभारी अमित सोनी ने बताया कि गिरिबाला सिंह को गुरुवार को ही अदालत में पेश किया जाएगा। यह गिरफ्तारी मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द किए जाने के एक दिन बाद हुई है। द्विशा शर्मा की शादी 9 दिसंबर 2025 को गिरिबाला सिंह के बेटे समर्थ

सिंह से हुई थी। शादी के महज पांच महीने बाद, 12 मई को द्विशा अपने ससुराल में मृत पाई गई थीं। इसके बाद मामला दहेज उत्पीड़न और संदिग्ध आत्महत्या के आरोपों के चलते सुर्खियों में आ गया था। घटना के दो दिन बाद गिरिबाला सिंह ने भोपाल की सत्र अदालत में अग्रिम जमानत की याचिका दायर की थी। 10वें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 15 मई को उनकी उम्र और मृतका को पैसे ट्रांसफर किए जाने का हवाला देते हुए उन्हें अग्रिम जमानत दे दी थी। हालांकि, बुधवार को अवकाशकालीन न्यायाधीश जस्टिस देव नारायण मिश्रा ने 17 पन्नों के आदेश में इस जमानत को रद्द कर दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत ने कई महत्वपूर्ण तथ्यों और सबूतों की ठीक से जांच नहीं की थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि व्हाट्सऐप चैट और द्विशा के परिवार के बयानों से यह साफ होता है कि आरोप केवल पति समर्थ सिंह तक सीमित नहीं हैं। कोर्ट ने कहा, 'व्हाट्सऐप चैट से भी यह नहीं कहा जा सकता कि आरोप सिर्फ समर्थ सिंह के खिलाफ हैं।'

हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 80(2), 85 और 3(5) के साथ-साथ दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत गंभीरता से जांच की जरूरत है।

परिवार का आरोप है कि गिरिबाला सिंह और उनके बेटे ने मिलकर ट्विशा को प्रताड़ित किया और उन पर गर्भपात कराने का दबाव बनाया। अदालत ने भी माना कि यह स्वीकार किया गया तथ्य है कि ट्विशा ने गर्भपात कराया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह फांसी बताई गई, लेकिन हाई कोर्ट ने यह भी नोट किया कि ट्विशा के शरीर पर छह से सात अतिरिक्त चोटों के निशान थे। इनमें बाएं हाथ, उंगली और सिर पर चोटें शामिल थीं। बाद की रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि ये चोटें शव को उतारने या अस्पताल ले जाने के दौरान नहीं लगी थीं।

प्रश्नपत्रों को भेजने के लिए विमानों का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही सरकार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकार इस पर विचार कर रही है कि नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा के प्रश्नपत्रों को सुरक्षित तरीके से पहुंचाने के लिए भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के विमानों का इस्तेमाल किया जाए, ताकि पेपर लीक या किसी तरह की गड़बड़ी न हो सके। 21 जून को दोबारा परीक्षा होनी है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

एक उच्च स्तरीय बैठक में यह विकल्प सामने आया। इस बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की और इसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तथा संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी शामिल हुए। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि क्या परीक्षा के प्रश्नपत्रों के परिवहन में वायुसेना के विमानों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

सूत्रों ने बताया कि फिलहाल इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है और यह प्रस्ताव अंतिम निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने रखा जाएगा। प्रधानमंत्री कथित तौर पर 21 जून को दोबारा परीक्षा की तैयारियों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहे हैं और उन्हें परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी हर जानकारी दी जा रही है।

गुरुवार की बैठक में प्रश्नपत्र तैयार करने, छपाई, परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था सहित पूरी परीक्षा प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) तीन मई को देश के 551 शहरों और विदेश में 14 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 23 लाख छात्रों ने भाग लिया था।

बंगाल सरकार ने बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को 600 हेक्टेयर जमीन सौंपी

बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ पहले से हुई कम : अमित शाह

एजेंसी ■ गांधीनगर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी के काम को मजबूत करने के लिए सात दिनों के भीतर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 600 हेक्टेयर भूमि सौंप दी है।

गांधीनगर जिले के सोनीपुर गांव में 340 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने राज्य में सीमा पर बाड़ लगाने के काम में तेजी लाने के अपने चुनावी वादे को पूरा किया है।

अमित शाह ने कहा, 'हमने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया था कि यदि आप हमें सत्ता सौंपते हैं तो हम कुछ ही दिनों के भीतर बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू कर देंगे।' उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को बधाई देते हुए कहा, 'मैं पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी को महज सात दिनों के भीतर बीएसएफ को 600 हेक्टेयर भूमि सौंपने के लिए बधाई देना

चाहता हूं। चिकन नेक क्षेत्र में 121 हेक्टेयर भूमि भी केंद्र सरकार को सौंप दी गई है।'

अमित शाह ने इस कदम को भाजपा के व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडे से जोड़ा और दावा किया कि बंगाल में सरकार परिवर्तन के बाद बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ पहले ही कम हो गई है।

उन्होंने कहा, 'पहले ममता के शासनकाल में हर दिन घुसपैठ होती थी, लेकिन अब घुसपैठिए खुद ही वापस लौटने लगे हैं।'

केंद्रीय गृह मंत्री ने ये टिप्पणियां भाजपा के देश भर में बढ़ते राजनीतिक प्रभाव को उजागर करते हुए कीं। उन्होंने हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार को निर्णायक रूप से हराया था। उन्होंने कहा, 'आज भाजपा देश के 80 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र में शासन कर रही है। हाल ही में बंगाल में चुनाव हुए, जहां दीदी की सरकार पूरी तरह से साफ हो गई।'

गृह मंत्री अमित शाह ने यह भी कहा कि भाजपा का 'भगवा झंडा' अब पूरे गंगा क्षेत्र में 'उत्तराखंड से गंगासागर तक लहरा रहा है।

यह भाषण अमित शाह के गांधीनगर दौरे के दौरान दिया गया, जहां वे कई विकास कार्यक्रमों में भाग लेने आए थे, जिनमें कलोल और गांधीनगर उत्तर विधानसभा क्षेत्रों में पेयजल सुविधाओं का उद्घाटन, सौंदर्याकृती आंगनबाड़ी केंद्र और ग्राम विकास परियोजनाएं शामिल थीं।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों के भीतर दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में 1,200 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का उद्घाटन या शुभारंभ किया गया है। उन्होंने इन परियोजनाओं का श्रेय राज्य सरकार, केंद्र सरकार और निजी औद्योगिक समूहों से प्राप्त कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी निधि को दिया।

कनाडा में गुजरात की छात्रा की हत्या

परिवार को 12 दिन बाद मिली जानकारी, लगाई न्याय की गुहार

एजेंसी ■ अहमदाबाद

कनाडा के नियाग्रा क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां गुजरात के अहमदाबाद की एक छात्रा की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। यह इलाका अमेरिका की सीमा के पास है।

मृतक छात्रा की पहचान आणंद जिले के बोरसद कस्बे की रहने वाली विधि कल्पेशभाई मेधा (22 वर्षीय) के रूप में हुई है। वह पिछले चार साल से उच्च शिक्षा के लिए कनाडा में रह रही थीं। पढ़ाई के साथ-साथ वह पार्ट टाइम काम भी करती थी और वहां स्थायी निवास पाने की तैयारी कर रही थी।

परिवार के अनुसार, विधि ने आखिरी बार अपने पिता से 14 मई को बात की थी। 15 मई को वह अपने घर से निकली, जिसके बाद वह लापता हो गई। बाद में उसका शव नियाग्रा क्षेत्र में मिला। इसके बाद कनाडाई अधिकारियों ने पुष्टि की कि उसकी चाकू मारकर हत्या की गई है।

12 दिन बाद मिली परिजनों को सूचना

परिजनों को यह जानकारी घटना

के लगभग 12 दिन बाद बुधवार को मिली। सूचना में देरी से परिवार का दुख और बढ़ गया है। रिश्तेदारों ने बताया कि उन्हें यह जानकारी नई दिल्ली के अधिकारियों के जरिये मिली। कनाडा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश जारी है।

चाचा से डेढ़ साल से अलग रह रहीं थीं विधि मेधा

बताया जा रहा है कि विधि के एक चाचा कनाडा में रहते हैं। लेकिन वह पिछले डेढ़ साल से अलग रह रही थीं। उनका छोटा भाई रुद्र परिवार के साथ बोरसद में रहता है।

घटना के बाद बोरसद में शोक की लहर

इस घटना की खबर से बोरसद में लोग शोक में हैं। परिजन और पड़ोसी परिवार को सांत्वना देने उनके घर पहुंचे। मां वैशालीबेन मेघा सदमे में हैं और बोल नहीं पा रही हैं। जबकि अन्य परिजन बार-बार रोते नजर आए। उनकी बुआ स्नेहल मेघा लगातार रो रही थीं।

परिजनों ने की आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

परिजनों ने कहा कि 14 मई के बाद से वह अपनी बेटी का चेहरा भी नहीं देख पाए हैं। उन्होंने सरकार से अपील की है कि शव को जल्द भारत लाया जाए और आरोपी को गिरफ्तार किया जाए, ताकि किसी और परिवार को ऐसा दर्द न झेलना पड़े।

मेहनती छात्रा थी विधि

दोस्तों और रिश्तेदारों ने विधि को एक मेहनती छात्रा बताया, जो विदेश में पढ़ाई और काम दोनों संभालते हुए अपने भविष्य की तैयारी कर रही थी। इस घटना से कनाडा में भारतीय समुदाय और गुजरात के लोग गहरे दुख में हैं।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की शुक्रवार से कर्नाटक, गोवा और केरल की तीन-दिवसीय यात्रा

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार से कर्नाटक, गोवा और केरल के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे।

29 मई से 31 मई तक चलने वाले इस दौरे के दौरान वे कई सरकारी कार्यक्रमों, धार्मिक आयोजनों और सांस्कृतिक समारोहों में शामिल होंगे।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, 29 मई को उपराष्ट्रपति कर्नाटक के बेंगलुरु में 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' के 45 वर्ष पूरे होने पर आयोजित वैश्विक समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद वे दावणगेरे स्थित यूनिवर्सिटी बीडीटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्लेटिनम जुबली समारोह में भी भाग लेंगे।

30 मई को उपराष्ट्रपति गोवा के पणजी में आयोजित राज्य स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद वे गोवा स्थित सीएसआईआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी का दौरा भी करेंगे।

31 मई को सीपी राधाकृष्णन कर्नाटक के प्रसिद्ध श्री क्षेत्र धर्मस्थल मंजूनाथ स्वामी मंदिर जाएंगे। इसी दिन वे बेल्थांगडी में सिरी इंडस्ट्रियल पार्क का उद्घाटन भी करेंगे। इसके बाद उपराष्ट्रपति केरल के कोट्टायम पहुंचेंगे, जहां वे 'दीपिका मलयालम डेली' के 140वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करेंगे। बाद में वे कन्नूर में राज्यसभा सांसद सी. सदानंदन मास्टर द्वारा आयोजित एक निजी कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

इस बीच, हाल ही में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा के सभापति के रूप में भाजपा सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया था। इस समिति का पुनर्गठन 20 मई को किया गया था।

राघव चड्ढा को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में मिली है, जब उन्होंने हाल ही में छह अन्य राज्यसभा सांसदों के साथ आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा था।

अप्रैल महीने में राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, विक्रम साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता ने आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी जॉइन कर ली थी। इससे राज्यसभा में आम आदमी पार्टी की संख्या 10 से घटकर केवल 3 रह गई थी।

मोदी सरकार में ग्राम पंचायतें मजबूत होकर ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बनी : अमित शाह

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि मोदी सरकार में ग्राम पंचायतें मजबूत होकर ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बनी हैं। उन्होंने कलोल (गांधीनगर) में नए ग्राम पंचायत कार्यालय का उद्घाटन किया।

उन्होंने एक अन्य 'एक्स' पोस्ट में बताया कि गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में तालाबों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया है। इसके अलावा शाह ने कलोल में सर्व शिक्षा अभियान के तहत बने नए मोतीभोयन प्राथमिक विद्यालय का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय किसी भी समाज के भविष्य की मजबूत नींव होते हैं और बच्चों को बेहतर शिक्षा सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के गांधीनगर दौरे के दौरान कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास, शिक्षा, पेयजल सुविधाओं और सीमा सुरक्षा जैसे मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। गांधीनगर जिले के सोनीपुर गांव में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने 340 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया तथा एक जनसभा को भी संबोधित किया।

अपने संबोधन में अमित शाह ने भाजपा सरकार की सीमा सुरक्षा नीति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने वादा किया था कि सत्ता में आने के बाद बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेजी से शुरू किया जाएगा, और सरकार ने अपना वादा पूरा किया है।

अमित शाह ने कहा, 'हमने चुनाव के दौरान कहा था कि सरकार बनने के कुछ ही दिनों के भीतर बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग का काम शुरू कर देंगे और हमने वह कर दिखाया।

अंतर्राष्ट्रीय एवरेस्ट दिवसः साहस, संघर्ष और दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर जीत का उत्सव

नई दिल्ली। 29 मई... कैलेंडर में दर्ज सिर्फ एक तारीख नहीं है। यह दिन उन दो महान पर्वतारोहियों, सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे, को समर्पित है, जिन्होंने 1953 में पहली बार दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक कदम रखा था। यह सिर्फ एक पर्वत पर चढ़ाई की कहानी नहीं है, बल्कि हिम्मत, धैर्य और जुनून की ऐसी मिसाल है, जो आज भी पर्वतारोहियों को प्रेरित करती है।

माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई करीब 8,848 मीटर है। इतनी ऊंचाई पर पहुंचना आज भी आसान नहीं माना जाता, जबकि 1953 में तो तकनीक और सुविधाएं भी बहुत सीमित थीं। उस दौर में एवरेस्ट पर चढ़ना लगभग असंभव माना जाता था। कई लोगों ने कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। ऐसे समय में न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी और नेपाल के शेरपा तेनजिंग नोर्गे ने दक्षिणी नेपाल के रास्ते से एवरेस्ट फतह कर इतिहास रच दिया। 29 मई 1953 का वह दिन आज भी दुनिया के पर्वतारोहण इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के सम्मान में नेपाल सरकार ने 2008 में, एडमंड हिलेरी के निधन के बाद, 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस घोषित किया। हिलेरी उस समय 88 वर्ष के थे। वहीं तेनजिंग नोर्गे का निधन 1986 में हुआ था, लेकिन उनकी विरासत आज भी लोगों को प्रेरित करती है।

यह दिन केवल एवरेस्ट विजय का जश्न नहीं है, बल्कि उन शेरपाओं और पर्वतीय गाइडों को सम्मान देने का अवसर भी है, जो हर अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तेनजिंग नोर्गे खुद एक शेरपा थे और उन्होंने दुनिया को दिखाया कि ऊंचे पहाड़ों में शेरपा समुदाय की भूमिका कितनी अहम होती है। एडमंड हिलेरी सिर्फ एक सफल पर्वतारोही ही नहीं थे, बल्कि नेपाल और वहां के लोगों के लिए उन्होंने बहुत काम किया। उन्होंने 1960 में हिमालयन ट्रस्ट की स्थापना की, जिसके जरिए नेपाल के सुदूर इलाकों में स्कूल, अस्पताल और सड़कें बनवाई गईं। उनके प्रयासों से हजारों शेरपा परिवारों की जिंदगी बेहतर हुई। यही वजह है कि नेपाल में उन्हें बहुत सम्मान से याद किया जाता है।

स्वेच्छा से दिया इस्तीफा, नया सीएम हाईकमान करेगा तयः सिद्धारमैया

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को राज्यपाल के सचिव को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद कहा कि राज्य के अगले मुख्यमंत्री का फैसला कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) और पार्टी हाईकमान करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका इस्तीफा पूरी तरह स्वैच्छिक है और उन पर किसी तरह का दबाव नहीं था।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके साथ उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार तथा गृह मंत्री जी. परमेश्वर भी मौजूद थे। इस दौरान जब पत्रकारों ने अगले मुख्यमंत्री के बारे में सवाल किया तो शिवकुमार ने कोई टिप्पणी करने से इनकार करते हुए हाथ जोड़कर मीडिया का अभिवादन किया।

सिद्धारमैया ने बताया कि दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान के साथ हुई चर्चा के दौरान उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका निभाने और राज्यसभा जाने का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे विनम्रतापूर्वक ठुकरा दिया।

उन्होंने कहा, 'मैंने हाईकमान से कहा कि मुझे राष्ट्रीय राजनीति में कोई रुचि नहीं है। मैं कर्नाटक की राजनीति में ही सक्रिय रहना चाहता हूं। जनता ने मुझे पांच साल के लिए चुना है और मेरे कार्यकाल के अभी दो वर्ष बाकी हैं। तब तक मैं राज्य की जनता की सेवा करता रहूंगा।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर नहीं किया। उन्होंने कहा, 'मैं सक्रिय राजनीति में बना रहूंगा। मैंने स्वेच्छा से इस्तीफा दिया है। विधायक दल की बैठक में जिसे चुना जाएगा और जिसे हाईकमान की मंजूरी मिलेगी, वही अगला मुख्यमंत्री बनेगा।'

सिद्धारमैया ने अपने दोनों कार्यकालों के दौरान सहयोग देने के लिए मंत्रिमंडल के सहयोगियों और पार्टी नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी धन या संपत्ति अर्जित करने के लिए राजनीति नहीं की और उनका सार्वजनिक जीवन एक खुली किताब की तरह है।

उन्होंने कहा, 'करीब 50 साल पहले मैं राजनीति में आया था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री या विपक्ष का नेता बनूंगा। मेरा परिवार राजनीति से दूर था और मैं संयोगवश राजनीति में आया। सिद्धारमैया ने कहा कि गौतम बुद्ध, बसवन्ना, डॉ. भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी के विचारों ने उनकी राजनीतिक सोच को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि वह संविधान और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों में गहरी आस्था रखते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सामाजिक सशक्तिकरण और कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए गंभीर प्रयास किए।

राहुल गांधी पॉलिटिकल एम्नेशिया से ग्रस्त हैं: पीयूष गोयल

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पॉलिटिकल एम्नेशिया से ग्रस्त हैं और तथ्यों की बजाय प्रचार को तरजीह देते हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में पीयूष गोयल ने कहा कि जिस कोएम्प्ट एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड को राहुल गांधी आज विवादित बता रहे हैं, उसी कंपनी को कांग्रेस शासित तेलंगाना और कर्नाटक की संस्थाओं द्वारा कई परियोजनाएं सौंपी गई थीं।

ोयल ने दावा किया कि कंपनी के साथ बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी (कर्नाटक) ने नवंबर 2025 में, कालोजी नारायण राव यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (तेलंगाना) ने सितंबर 2024 में, आदिकवि श्री महर्षि वाल्मीकि यूनिवर्सिटी, रायचूर ने मार्च 2024 में तथा कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़ ने जून 2023 में समझौते या कार्यादेश जारी किए थे। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना स्टेट हेल्थ यूनिवर्सिटी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर कंपनी के कार्यों की सराहना की है।

केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी से दो सवाल पूछते हुए कहा कि यदि यह कंपनी वास्तव में संदिग्ध है, तो क्या वह तेलंगाना और कर्नाटक के कांग्रेस मुख्यमंत्रियों पर भी मिलीभगत का आरोप लगाएंगे और उनके इस्तीफे की मांग करेंगे? उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या कांग्रेस सरकारों ने इन समझौतों पर बिना जांच-पड़ताल के हस्ताक्षर किए थे या फिर वर्तमान विरोध केवल केंद्र सरकार को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है।

पीयूष गोयल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का एक पुराना पैटर्न रहा है, जिसमें बिना सबूत आरोप लगाए जाते हैं और तथ्यों के सामने आने पर साजिश के सिद्धांतों का सहारा लिया जाता है। उन्होंने कहा कि देश अब इस तरह के 'चयनात्मक आक्रोश' से आगे बढ़ चुका है।

बता दें कि इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा था, जिस पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी को घेरा है।

महायुति मजबूत है, विधान परिषद की सभी सीटें जीतेगी: एकनाथ शिंदे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को पूरा भरोसा जताया कि महायुति गठबंधन आने वाले विधान परिषद चुनावों में पूरी एकता के साथ चुनाव लड़ेगा और सभी 17 सीटों पर जीत हासिल करेगा।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए गठबंधन के भीतर किसी भी अंदरूनी कलह की अफवाहों को खारिज कर दिया और कहा कि सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला आपसी सम्मान के साथ तय किया जाएगा।

जहां विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सभी 17 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है, वहीं उन्होंने दावा किया कि वे एक भी सीट नहीं जीत पाएंगे।

शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले ही सीटों के बंटवारे के ढांचे को स्पष्ट कर चुके हैं।

उन्होंने कहा, 'महायुति गठबंधन मजबूत है। हम मिलकर काम कर रहे हैं और महाराष्ट्र के विकास को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। विपक्ष महायुति गठबंधन की एकता को पचा नहीं पा रहा है।'

उन्होंने मीडिया की जल्दबाजी पर हल्के-फुल्के अंदाज में सवाल उठाते हुए पूछा, 'मीडिया को इतनी जल्दबाजी क्यों है?'

शिंदे ने शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत के उस बयान पर तंज किया, जिसमें राउत ने दावा किया था कि उन्हें मौजूदा राज्य सरकार में 'घुटन' महसूस हो रही है। शिंदे ने इस बयान को जनता को गुमराह करने की कोशिश बताते हुए खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष बस महायुति गठबंधन की ताकत को पचा नहीं पा रहा है। उन्होंने उद्धव ठाकरे पर भी निशाना साधा और उन लोगों की 'दयनीय स्थिति' की ओर इशारा किया, जो कभी बेहद तीखी भाषा का इस्तेमाल करते थे।

उन्होंने दावा किया, 'महायुति गठबंधन मजबूत है। हम मिलकर काम कर रहे हैं। भाजपा, शिवसेना और एनसीपी मिलकर महाराष्ट्र के विकास को आगे बढ़ा रहे हैं।

कर्नाटक के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद सिद्दारमैया का बयान, 'मैं अपनी आखिरी सांस तक राजनीति में रहूंगा'

बेंगलुरु । कर्नाटक कांग्रेस के दिग्गज नेता सिद्दारमैया ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री पद से हटने के बावजूद वह सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे। वह अपनी बाकी की जिंदगी में संविधान की रक्षा के लिए काम करेंगे।

सिद्दारमैया ने बेंगलुरु के लोक भवन में राज्यपाल के सचिव को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

सिद्दारमैया ने भावुक होते हुए कहा, 'मैं अपनी आखिरी सांस तक राजनीति में रहूंगा। मैं सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ता रहूंगा, क्योंकि वे संविधान के खिलाफ हैं। अगर संविधान न होता, तो मुझे शिक्षा न मिलती और न ही मैं मंत्री या मुख्यमंत्री बन पाता। मैं एक चरवाहा ही बना रहता।'

उन्होंने कहा, 'अपनी आखिरी सांस तक, मैं उन ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रखूंगा, जो संविधान को खतरा पहुंचाती हैं, और सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ भी। मैं समानता और सामाजिक न्याय के लिए अपना संघर्ष जारी रखूंगा।'

इस्तीफे की प्रक्रिया के बारे में बात करते हुए सिद्दारमैया ने कहा, 'मैंने मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा राज्यपाल के सचिव को सौंप दिया है। राज्यपाल बेंगलुरु में नहीं थे और अधिकारियों ने मुझे बताया कि वह आज रात लौटेंगे। इसी वजह से, मैंने अपना इस्तीफा पत्र राज्यपाल के सचिव को सौंप दिया। मैंने विधानसभा के अंदर-बाहर, दोनों जगह हमेशा यह बात कही है कि जब भी हाईकमान मुझे निर्देश देगा, मैं अपना इस्तीफा दे दूंगा। दो दिन पहले, हाईकमान ने मुझसे पद छोड़ने को कहा था, और अपने वादे को निभाते हुए, मैंने अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान साफ ??तौर पर भावुक दिख रहे सिद्दारमैया ने विश्वास जताया कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत बेंगलुरु लौटने पर औपचारिक रूप से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लेंगे।

उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि राज्यपाल आज रात लौटने पर मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लेंगे, क्योंकि संविधान के अनुसार, ऐसा करना उनकी जिम्मेदारी है।

केंद्र सरकार ने पीएमएवाई-जी योजना के तहत 12 राज्यों को 10,021 करोड़ रुपए जारी किए

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत 12 राज्यों को 10,021.42 करोड़ रुपए की 'मूल स्वीकृति' जारी की, जो मार्च 2029 तक 'सभी के लिए आवास' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यह मंजूरी जारी की गई।

शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि योजना के तहत 4.95 करोड़ घरों के लक्ष्य के मुकाबले 3.91 करोड़ घरों के लिए पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है और 3.05 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण पूरा हो चुका है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव रोहित कंसल ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 11,121 करोड़ रुपए की मंजूरी पहले ही जारी की जा चुकी है और अब 10,021 करोड़ रुपए से अधिक की अतिरिक्त मंजूरी भी जारी कर दी गई है।

उन्होंने आगे कहा कि चालू वर्ष के लिए आवास लक्ष्य पिछले वर्ष की तुलना में तीन गुना अधिक है और केंद्र एवं राज्यों के समन्वित प्रयासों से इसे समयबद्ध तरीकों से हासिल कर लिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि देश में कोई भी गरीब व्यक्ति कच्चे मकान में न रहे। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण 2016 में शुरू की गई थी। उन्होंने कहा, 'जब घर अच्छा होता है तो जीवन आसान हो जाता है। हम केवल घर नहीं बना रहे हैं, बल्कि बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़कें, बिजली, पीने का पानी, एलपीजी कनेक्शन और शौचालय आदि से सुसज्जित घर बना रहे हैं।'

संक्षिप्त खबरें

सड़क पर मिला 15 लाख का सोना नगदी पत्रकार लौटाया

बेमेतरा। ईमानदारी और मानवता की अनोखी मिसाल देखने को मिली है। वरिष्ठ पत्रकार आनंद साहू ने सड़क पर लावारिस हालत में मिले लाखों रुपये कीमत के सोने के जेवर और नगदी से भरे बैग को पूरी जिम्मेदारी के साथ पुलिस के हवाले कर दिया। इस सराहनीय कदम की पूरे जिले में चर्चा हो रही है। जानकारी के अनुसार आनंद साहू रोजाना की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान शहर के सिग्नल चौक स्थित एक दुकान के पास उन्हें एक काला बैग संदिग्ध हालत में पड़ा मिला। बैग खोलकर देखने पर उसमें सोने के आभूषण और करीब 40 हजार रुपये नकद रखे हुए थे। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए आनंद साहू ने बिना किसी देर के बैग को बेमेतरा सिटी कोतवाली थाना पहुंचाकर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने तत्काल मामले की जांच शुरू की और बैग के असली मालिक की तलाश में जुट गई। जांच के दौरान पता चला कि बैग ग्राम अमोरा निवासी ज्वेलरी निर्माता विजय कुमार सोनी का था। बताया गया कि वह रात में दुकान बंद कर अपने भाई के पास गए थे, इसी दौरान रास्ते में उनका बैग गिर गया था। बैग में करीब 20 तोला सोना और 40 हजार रुपये नकद मौजूद थे।

धनसुली में अवैध खनन पर कार्रवाई, दो क्रेशर सील

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार एवं उप संचालक राजेश मालवे के नेतृत्व में जिला खनिज विभाग की टीम ने सुशासन तिहार में मिली शिकायत पर ग्राम धनसुली में जांच की। जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए दो क्रेशरों को मौके पर ही सील कर दिया गया। जांच में पाया गया कि मेसर्स महामाया मिनरल्स के पार्टनर भूपेंद्र बंसल तथा सन्नी अरोरा की खदान और क्रेशर में बिना रॉयल्टी पर्ची के खनिज का उत्खनन और भंडारण किया जा रहा था। यह काम नियमों के खिलाफ था। इस पर जिला खनिज टीम रायपुर ने तत्काल प्रभाव से दोनों क्रेशरों को सील कर दिया और अवैध काम को बंद करा दिया। इसके साथ ही बस्ती के आसपास स्थित आमिर अली खदान, महामाया मिनरल्स एवं सतिंदर कौर की खदान को नोटिस जारी किया गया है। इन तीनों को पर्यावरण नियम, खनिज नियम तथा खान सुरक्षा अधिनियम की शर्तों के अनुसार ही खनन करने के निर्देश दिए गए हैं।

मूक प्राणियों और साध्वियों को श्रद्धांजलि, जैन समाज ने किया सामूहिक मंत्र जाप

रायपुर । मालवीय रोड स्थित दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) में एक विशेष प्रार्थना एवं शोक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में विश्व में हो रही हिंसा के शिकार मूक प्राणियों और दिवंगत जैन साध्वियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका दिगंबर जैन मंदिर पंचायत ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में वर्तमान समय में पूरे विश्व में हो रही भयंकर हिंसा पर गहरी चिंता और संवेदनशीलता व्यक्त की गई। हिंसा के शिकार हुए बेजुबान प्राणियों की आत्म-शांति और विश्व में दया-करुणा की भावना के प्रसार के लिए समाजजनों ने एकजुट होकर एक घंटे तक सामूहिक णमोकार मंत्र का श्रद्धापूर्वक पाठ किया। इस अवसर पर जैन समाज के लिए अपूरणीय क्षति पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका उपशम मति माताजी की पावन आत्मा की शांति हेतु मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित जनसमूह ने माताजियों के त्याग, तपस्या और ज्ञान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन में दिगंबर जैन मंदिर पंचायत ट्रस्ट की कार्यसमिति, आदिनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल (मालवीय रोड, रायपुर) के सदस्यों सहित रायपुर जैन समाज के प्रबुद्ध नागरिक, बड़ी संख्या में महिलाएँ, पुरुष और युवा वर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने अत्यंत अनुशासित और भक्तिमय माहौल में जीवों के प्रति दया और पूजनीय संतों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

पति को धोखा देकर महिला जेवरात और नगदी लेकर भागी

दीनदयाल उपाध्याय नगर क्षेत्र की घटना, तलाश में जुटा पति

रायपुर। रायपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। लव मैरिज के दो महीने बाद ही दुल्हन सोने-चांदी के जेवर और 50 हजार कैश लेकर फरार हो गई। पति का आरोप है कि वह अपने बॉयफ्रेंड के साफ भाग गई है। अब पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत को लेकर पहुंचा है।

जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। 6 महीने के रिलेशनशीप के बाद युवती और युवक 20 मार्च को शादी के बंधन में बंधे। सात जन्मों तक साथ निभाने का वादा किया गया। लेकिन दो महीने बाद अचानक नवविवाहिता लापता हो गई। जिसके बाद पति गगन साहू ने पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराने पहुंचा। पति गगन साहू ने आरोप है कि उसकी पत्नी अपने साथ घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण और 50 हजार नकदी भी ले गई। उसने आशंका जताई है कि उसकी पत्नी अपने पुराने प्रेमी के साथ भागी है। घटना के बाद से वह लगातार पत्नी की तलाश कर रहा है, लेकिन अब तक उसका कुछ पता नहीं चल सका है।

थाने के 3 दिनों से काट रहा चक्कर

पीड़ित पति का कहना है कि वह पिछले तीन दिनों से थाने के चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। वहीं मामले में पुलिस से मिली जानकारी अनुसार, नवविवाहिता रायपुर जिले से लगे अमलेश्वर की रहने वाली है। शिकायत आवेदन में बताया गया कि वह कुछ समय पहले अपने मायके गई, जहां से वह कहीं निकल गई है। चूंकि दूसरे थाना क्षेत्र का मामला है, इसलिए फिलहाल एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

6 पार्षदों ने जोन अध्यक्ष के खिलाफ खोला मोर्चा

रायपुर। रायपुर नगर निगम ज़ोन-10 के 6 भाजपा पार्षदों ने अपनी ही पार्टी के ज़ोन अध्यक्ष सचिन मेघानी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्षदों ने एकजुट होकर महापौर मीनल चौबे समेत पार्टी नेताओं को एक लिखित शिकायत सौंपी है, जिसमें सचिन मेघानी को पद से तत्काल हटाने की मांग की गई है। पार्षदों ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो वे ज़ोन कार्यालय में तालाबंदी कर उग्र धरना-प्रदर्शन करेंगे।

पार्षदों का ज़ोन अध्यक्ष पर गंभीर आरोप

शिकायतकर्ता पार्षदों ने ज़ोन अध्यक्ष सचिन मेघानी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्षदों का कहना है कि मेघानी लगातार दूसरे वार्डों के मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं। इसके अलावा, उन पर अवैध निर्माण को संरक्षण देने और निगम के अधिकारियों पर कार्रवाई न करने का दबाव बनाने के भी आरोप हैं।

पार्षदों की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह बोरियाकला में एक अवैध अस्पताल पर होने वाली निगम की कार्रवाई को रुकवाना बताया जा रहा है। इस मुद्दे पर भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों के बीच करीब 2 घंटे तक एक बंद कमरे में बैठक हुई। चूंकि सचिन मेघानी को रायपुर के दिग्गज भाजपा नेता और सांसद बृजमोहन अग्रवाल का बेहद करीबी माना जाता है, इसलिए इस पूरे मामले ने शहर की सियासत में भारी गरमाहट ला दी है।

माहवारी पर अब होने लगा खुलकर संवाद

रायपुर। समाज में लंबे समय से चुप्पी और संकोच के दायरे में रही माहवारी जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अब खुलकर संवाद होने लगा है। बलरामपुर जिले में आयोजित माहवारी स्वच्छता एवं प्रबंधन जागरूकता गोष्ठी ने न केवल छात्र-छात्राओं को वैज्ञानिक जानकारी दी, बल्कि संवेदनशील और सकारात्मक सामाजिक सोच को भी नई दिशा प्रदान की।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा भारत स्काउट्स एंड गाइड जिला शाखा के संयुक्त प्रयास से युवाओं को माहवारी से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम की सबसे विशेष बात यह रही कि छात्र-छात्राओं ने बिना झिझक माहवारी जैसे विषय पर खुलकर चर्चा की।

विशेषज्ञों ने सहज और सरल भाषा में बताया कि माहवारी एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे लेकर शर्म या डर नहीं बल्कि जागरूकता और समझ की आवश्यकता है। इस दौरान किशोरियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया और युवाओं को यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ समाज के निर्माण में संवेदनशील सोच और पारस्परिक सम्मान बेहद जरूरी है। गोष्ठी में 'जागरूक बेटी, स्वस्थ बेटी, सशक्त समाज, समृद्ध भारत' का संदेश देते हुए माहवारी शिक्षा, पीरियड्स-फ्रेंडली वातावरण, स्वच्छता उत्पादों तक पहुंच और सम्मानजनक सुविधाओं की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि माहवारी पर खुलकर चर्चा करना केवल महिलाओं का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में किशोरी स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही लड़कों और लड़कियों दोनों से समान भागीदारी और सहयोग की अपील करते हुए सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करने का संदेश दिया गया।यह जागरूकता गोष्ठी केवल स्वास्थ्य शिक्षा का कार्यक्रम नहीं रही, बल्कि बदलती सामाजिक सोच, जागरूक युवा शक्ति और सम्मानजनक संवाद की एक प्रेरणादायी पहल बनकर सामने आई।

पेंड्रा हत्याकांड पर सराफा व्यापारियों में आक्रोश

रायपुर। जीपीएम जिले के कोटमी बाजार में सराफा व्यापारी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या और लाखों के जेवरात लूट की घटना से पूरे प्रदेश के व्यापारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना की जानकारी मिलते ही सराफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी आईजी के साथ घटनास्थल पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली।

प्रदेश अध्यक्ष श्री सोनी ने इस दर्दनाक घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि खुले बाजार में इस प्रकार की जघन्य वारदात कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

घटना के बाद श्री सोनी मृतक सराफा कारोबारी प्रदीप सोनी उर्फ पप्पू के परिजनों से भी मिले और उन्हें ढांढस बंधाते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा सरकार और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सराफा व्यापारियों को पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

गौरतलब है कि मंगलवार शाम पेंड्रा-मरवाही मुख्य मार्ग स्थित कोटमी साप्ताहिक बाजार में हथियारबंद तीन नकाबपोश बदमाश बाइक से पहुंचे और सराफा कारोबारी प्रदीप सोनी की दुकान पर धावा बोल दिया। बदमाशों ने जेवरातों से भरी पेटी लूटने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने व्यापारी की छाती में गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी सोने-चांदी के जेवरों से भरी पेटी लेकर फरार हो गए।

प्रदेश में दो तरह का कानून : दीपक बैज

रायपुर। दीपक बैज ने विश्रामपुर मामले को लेकर भाजपा सरकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व संसदीय सचिव विकास उपाध्याय और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र तिवारी भी मौजूद रहे।

दीपक बैज ने कहा कि 25, 26 और 27 मई को सूरजपुर जिले के विश्रामपुर थाने के सामने कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन किया। जनता को यह जानना जरूरी है कि आखिर कांग्रेस को धरने पर क्यों बैठना पड़ा। बैज ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर शिवनंदनपुर नगर पंचायत का चुनाव रोककर रखी थी, क्योंकि यह क्षेत्र कांग्रेस का गढ़ रहा है। नगर पंचायत उपचुनाव में भाजपा बैकफुट पर है और इसी वजह से राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बैज ने आरोप लगाया कि पार्टी के जिला उपाध्यक्ष और उनकी पत्नी के साथ भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने घर पहुंचकर दुर्व्यवहार किया। साथ ही भाजपा जिलाध्यक्ष के कहने पर कांग्रेस के ही उपाध्यक्ष के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर दी गई। पुलिस के पास इस मामले में कोई ठोस सबूत नहीं है और पूरी कार्रवाई एकतरफा की गई। जब कांग्रेस ने इसका विरोध किया तो पहले दिन कोई अधिकारी चर्चा करने नहीं आया, दूसरे दिन भी प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं हुई। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने आमरण अनशन शुरू किया।

हनुमान चालीसा पाठ के जरिए बच्चों को मिला नशामुक्ति और संस्कार का संदेश

रायपुर। पुरुषोत्तम मास और ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार के पावन अवसर पर कलेक्टर गार्डन स्थित बापू की कुटिया में भव्य हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। यह आयोजन संस्था शकुंतला फाउंडेशन और सनातन हिंदू वाहिनी के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, बच्चों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान संस्था के सदस्यों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर भक्तिमय वातावरण बनाया। साथ ही हनुमान चालीसा के आध्यात्मिक, सामाजिक और नैतिक महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन की विशेष बात यह रही कि पुरानी बस्ती क्षेत्र के स्लम एरिया से बच्चों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को अध्यात्म और संस्कारों के माध्यम से नशामुक्त जीवन अपनाने की प्रेरणा दी गई। संस्था की सदस्य स्मिता सिंह ने बच्चों को जीवन में सकारात्मक सोच और अच्छे संस्कार अपनाने का संदेश दिया।

वहीं साधना वेलफेयर फाउंडेशन सोसाइटी के अध्यक्ष एवं सनातन हिंदू वाहिनी रायपुर जिला अध्यक्ष अनादि पांडेय ने बच्चों को प्रतिदिन हनुमान चालीसा पाठ करने और अनुशासित जीवन जीने का आह्वान किया।

बलौदाबाजार हिंसा- भीड़ को उकसाकर 14 करोड़ का नुकसान कराया

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस एनके व्यास ने बलौदाबाजार हिंसा केस पर सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने 7-8 हजार लोगों की भीड़ को भड़काकर 13 से 14 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।

साथ ही पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला भी कराया गया। कोर्ट ने कहा कि समाज में शांति और कानून व्यवस्था को पूरी तरह बिगाड़ने वाले ऐसे गंभीर अपराध में आरोपियों को जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

इसी के साथ हाईकोर्ट ने बवाल, पथराव और कलेक्ट्रेट परिसर में आगजनी के मामले में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के संस्थापक अमित बघेल समेत 3 आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी है।

अमित बघेल, नोविल कुमार नवरंग और दिनेश कुमार वर्मा, इन 3 की जमानत खारिज हुई है। अमित बघेल, नोविल कुमार नवरंग और दिनेश कुमार वर्मा, इन 3 की जमानत खारिज हुई है। बलौदाबाजार के दशहरा मैदान में 10 जून 2024 को एक सामाजिक मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था, जिसमें हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। आरोप है कि वहां छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के पदाधिकारियों ने मंच से भड़काऊ भाषण देकर भीड़ को उग्र कर दिया।

इसके बाद हिंसक हुई भीड़ ने बैरिकेड्स तोड़ते हुए कलेक्टोरेट और एसपी कार्यालय परिसर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। सैकड़ों वाहनों में आग लगा दी गई और कलेक्टोरेट भवन को भी आग के हवाले कर दिया गया।

आगजनी से 13-14 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। आगजनी से 13-14 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा था।

पुलिस जवानों और अफसरों पर किया पथराव

इस दौरान बीच-बचाव कर रहे और ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और जवानों पर लाठियों, पत्थरों और लोहे की रॉड से हमला किया गया, जिसमें कई कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

धीरेंद्र से फ्यूल सस्ता कराने पर्ची निकलवाएं - भूपेश बघेल

कांग्रेस ने पहले बागेश्वर बाबा, अब रामभद्राचार्य को भाजपा का एंजेट बताया

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेताओं और धर्म संतों के बीच बयानबाजी चल रही है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री किरन रिजीजू गौमांस खाते हैं, फिर भी मोदी ने उन्हें मंत्रिमंडल में रखा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या रामभद्राचार्य इसे उचित मानते हैं।

इसके साथ ही उन्होंने धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री पर तंज कसते हुए कहा कि, अपने चेले धीरेन्द्र शास्त्री से बोलकर पेट्रोल-डीजल कम करने की पर्ची निकलवा लें।

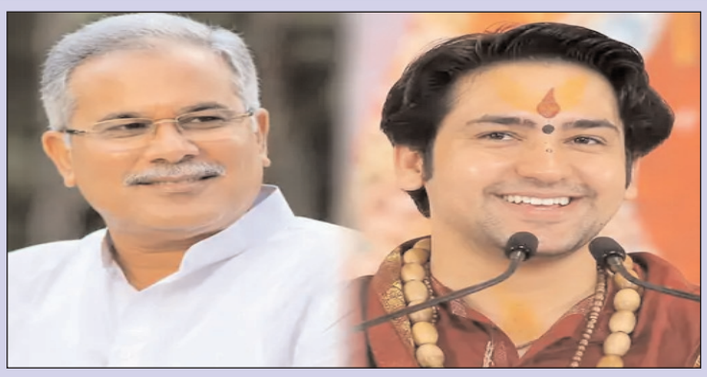

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य के छत्तीसगढ़ दौरे पर कहा था कि 'मैं रामभद्राचार्य को जगद्गुरु नहीं मानता, वे भाजपा के प्रचारक हैं।' इससे पहले भूपेश बघेल पं. धीरेंद्र शास्त्री को भाजपा का एजेंट कह चुके हैं।

वहीं, जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने चिरमिरी में रामकथा सुनाने के दौरान पलटवार किया था कि, 'कोई मेरे जगद्गुरुत्व को चुनौती देगा, तो मैं स्वीकार नहीं करूंगा।'

साल 2025 में भिलाई में आयोजित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा के दौरान बड़ा विवाद सामने आया था। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने धीरेंद्र शास्त्री पर अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में धीरेंद्र शास्त्री ने मंच से कहा था कि 'अगर हिंदू समाज को जोड़ना अंधविश्वास है, तो ऐसे लोग देश छोड़ दें।'

वहीं, भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा था कि 'जब धीरेंद्र शास्त्री पैदा भी नहीं हुए थे, तब से मैं हनुमान चालीसा पढ़ रहा हूं।' उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री को भाजपा का एजेंट तक बता दिया था। इसके बाद भाजपा ने कांग्रेस पर हिंदू विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया था।

25 मई 2026 को नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और सांसद ज्योत्सना महंत मनेंद्रगढ़ पहुंचे थे। मीडिया से बातचीत के दौरान चरणदास महंत ने कहा कि रामभद्राचार्य धर्म के नाम पर राजनीति करने आए हैं और वे भाजपा के प्रचारक हैं। मैं उनको न जगतगुरु मानता हूं और न गांव का गुरु मानता हूं।

इसी मुद्दे पर कोरबा सांसद ज्योत्स्ना महंत ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धर्म की आड़ में राजनीति नहीं होनी चाहिए। मैं काम को ही धर्म मानती हूं।

राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा के लिए 'डायल 1033' का विस्तार

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बिलासपुर ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा और आपातकालीन चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत एनएचएआई द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-49 (ह॥-49) पर बिलासपुर से रायगढ़ के बीच यात्रा करने वाले नागरिकों की तत्काल सहायता के लिए अत्याधुनिक आपातकालीन चिकित्सा एम्बुलेंस सेवाओं की शुरुआत की गई है। इन अत्याधुनिक एम्बुलेंसों को रणनीतिक रूप से पाराघाट टोल प्लाजा और केसला टोल प्लाजा पर तैनात किया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना या चिकित्सा आपातकाल की स्थिति में प्रतिक्रिया समय (रिस्पॉन्स टाइम) को न्यूनतम किया जा सके।

परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बिलासपुर के परियोजना निदेशक मुकेश कुमार ने इस पहल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले प्रत्येक यात्री की जान और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना एनएचएआई की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस सेवा का मुख्य उद्देश्य राजमार्गों पर किसी भी आकस्मिक संकट या आपात स्थिति में राहगीरों को बिना किसी देरी के तत्काल जीवन रक्षक सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि राजमार्गों पर लंबी यात्रा पर निकलने से पहले वाहनों की तकनीकी जांच करने के साथ-साथ अपने मोबाइल की स्पीड डायल सूची में टोल-फ्री नंबर '1033' को अनिवार्य रूप से सहेजें (सेव करें), क्योंकि संकट के समय ये चार अंक यात्रियों के लिए संजीवनी साबित होते हैं।

संपादकीय

निराला-नेहरू प्रसंग: शब्द और सत्ता का संवाद

गोलेन्द्र पटेल

भारतीय आधुनिकता का इतिहास केवल राजनेताओं, आंदोलनों और सत्ता-परिवर्तनों का इतिहास नहीं है; वह उन बेचैन आत्माओं का भी इतिहास है, जिन्होंने शब्दों के भीतर एक नए मनुष्य का स्वप्न सँजोया। हिंदी साहित्य में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ऐसी ही विराट चेतना के कवि हैं, जिनके भीतर विद्रोह भी था, करुणा भी थी और मनुष्य की गरिमा के लिए जलती हुई अग्नि भी। दूसरी ओर जवाहरलाल नेहरू आधुनिक भारत के उस राजनीतिक स्वप्न के निर्माता थे, जो लोकतंत्र, वैज्ञानिक दृष्टि और बहुलतावादी संस्कृति पर आधारित था। इन दोनों व्यक्तित्वों का संबंध केवल परिचय या पारस्परिक सम्मान का संबंध नहीं था; यह भारतीय लोकतांत्रिक आत्मा के भीतर चल रहे उस ऐतिहासिक संवाद का प्रतीक था, जिसमें सत्ता और सृजन, राजनीति और कविता, राष्ट्र और मनुष्य, एक-दूसरे से प्रश्न भी करते हैं और एक-दूसरे

को समृद्ध भी करते हैं। निराला अपने समय के सबसे असुविधाजनक कवि थे। वे उन कवियों में नहीं थे जो राजमहलों की सीढ़ियों पर खड़े होकर प्रशस्तियाँ लिखते हैं। वे सड़क की धूल, किसान की थकान, विधवा की नमी, भिखारी की आँखों और श्रमिक के पसीने से कविता रचते थे। उनके भीतर का कवि किसी विचारधारात्मक अनुशासन का सेवक नहीं था। वह मुक्त मनुष्य की आवाज़ था। उन्होंने हिंदी कविता को केवल सौंदर्य का माध्यम नहीं रहने दिया; उसे संघर्ष, प्रतिरोध और सामाजिक न्याय का औजार बना दिया। उनकी भाषा में संस्कृत का वैभव भी था और लोकजीवन की मिट्टी की गंध भी। वे जितने बड़े कवि थे, उतने ही बड़े आत्मसम्मानी मनुष्य भी थे। उनका फक्कड़पन दरअसल भीतर की वैचारिक स्वतंत्रता का रूप था।

नेहरू और निराला दोनों इलाहाबाद की सांस्कृतिक भूमि से जुड़े थे, लेकिन दोनों की यात्राएँ भिन्न थीं। नेहरू आनंद भवन की राजनीतिक विरासत से निकले आधुनिक राष्ट्र-निर्माता थे, जबकि निराला दारागंज की गलियों में भटकता हुआ वह कवि था, जिसके पास धन नहीं था, पर विचारों का अपार वैभव था। एक सत्ता के केंद्र में था, दूसरा समाज के हाशिए पर खड़े मनुष्यों का प्रतिनिधि। लेकिन इन दोनों के बीच एक साझा तत्व था, मनुष्य और उसकी गरिमा के प्रति गहरी आस्था। नेहरू आधुनिक भारत को वैज्ञानिक चेतना और लोकतांत्रिक संस्थाओं से मजबूत करना चाहते थे; निराला मनुष्य को भीतर से मुक्त करना चाहते थे। इसीलिए दोनों का संवाद भारतीय सभ्यता के दो बड़े आयामों, राजनीतिक आधुनिकता और सांस्कृतिक मुक्ति का संवाद बन जाता है। निराला का स्वभाव किसी भी प्रकार की चापलूसी या सत्ता-समर्पण को स्वीकार नहीं करता था। वे उन साहित्यकारों में नहीं थे जो सत्ता के इर्द-गिर्द घूमकर प्रतिष्ठा अर्जित करते हैं। उनका कवि व्यक्तित्व अपने भीतर एक स्वतंत्र गणराज्य की तरह था। कहा जाता है कि जब नेहरू ने उन्हें मिलने के लिए बुलाया, तब उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वे 'जवाहर' से मिल सकते हैं, लेकिन 'प्रधानमंत्री' से नहीं। इस कथन में केवल अक्खड़पन नहीं था; यह लोकतांत्रिक चेतना का एक गहरा उद्घोष था। निराला व्यक्ति को पद से ऊपर रखते थे। वे सत्ता की चमक से प्रभावित नहीं होते थे। यही कारण है कि वे महात्मा गांधी से भी असहमति जता सकते थे और नेहरू से भी प्रश्न कर सकते थे। उनकी दृष्टि में साहित्यकार का धर्म सत्ता का अनुगामी होना नहीं, बल्कि समाज का सजग प्रहरी होना था। नेहरू की महानता इस बात में थी कि उन्होंने इस असहमति को कभी अपमान की तरह नहीं लिया। वे जानते थे कि सच्चा कवि दरबारी नहीं हो सकता। इसलिए वे निराला के भीतर की उस उग्र स्वतंत्रता का सम्मान करते थे। यही कारण है कि जब इलाहाबाद की एक सभा में उन्होंने अपनी मालाएँ उतारकर निराला के चरणों में रखीं, तब वह दृश्य केवल एक कवि का सम्मान नहीं था; वह भारतीय लोकतंत्र की सांस्कृतिक परिपक्वता का दृश्य था। वह इस बात की घोषणा थी कि राष्ट्र केवल राजनेताओं से नहीं बनता; उसे कवि, कलाकार, विचारक और स्वप्नद्रष्टा भी गढ़ते हैं।

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन- अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

भील और भारिया की दो कहावतें हैं - भील कहते हैं, 'होने नी रेत, ने खोने नो डर' और भारिया कहते हैं 'डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।' इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है - 'जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?' जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है - 'बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए'। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा - 'हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे।

लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है - 'अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं'।

रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी।

यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला

हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड (FCRA) का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं।

यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि 'जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।

कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि 'तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।' लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं; और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है।

दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया।

असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है।

चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है।

निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है।

झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताज़ा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा कानून (PESA Act, 1996) का कार्य भली भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल माँग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणापत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता, और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को 'धर्मनिरपेक्षता' के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी 'अस्मिता' की रक्षा करने में विफल रहे, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में एक नए 'उलगुलान' (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय की मुहर

महेन्द्र तिवारी

भारतीय लोकतंत्र केवल मतदान की प्रक्रिया का नाम नहीं है, बल्कि यह उस विश्वास का आधार है जिसके अनुसार हर पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार मिले और अपात्र व्यक्ति चुनावी व्यवस्था का हिस्सा न बने। इसी मूल भावना को केंद्र में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई 2026 को एक अत्यंत महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। यह फैसला मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर था। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि निर्वाचन आयोग को संविधान और कानून के अंतर्गत मतदाता सूची की गहन समीक्षा करने का पूरा अधिकार है और यह प्रक्रिया स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव की संवैधानिक आवश्यकता को मजबूत करती है। इस फैसले को केवल एक कानूनी निर्णय मानना पर्याप्त नहीं होगा, क्योंकि इसका प्रभाव देश की चुनावी राजनीति, लोकतांत्रिक ढांचे और भविष्य की चुनाव प्रक्रिया पर दूरगामी रूप से पड़ने वाला है।

इस मामले की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने की। अदालत के सामने मुख्य प्रश्न यह था कि क्या निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार सहित विभिन्न राज्यों में चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण संविधान के अनुरूप है या नहीं। विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया था कि इस प्रक्रिया के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं और इससे लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित होंगे। अदालत ने इन सभी तर्कों पर विस्तार से विचार करने के बाद निर्वाचन आयोग के पक्ष में निर्णय दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चुनाव केवल मतदान मशीनों और मतदान केंद्रों तक सीमित नहीं हैं। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि मतदाता सूची कितनी शुद्ध, विश्वसनीय और त्रुटिरहित है। यदि मतदाता सूची में मृत व्यक्तियों, स्थायी रूप से स्थानांतरित लोगों, दोहरी प्रविष्टियों या अपात्र व्यक्तियों के नाम बने रहते हैं, तो चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। अदालत ने माना कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची की सटीकता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करना है और यह संविधान के अनुच्छेद 324 की भावना के अनुरूप है।

निर्णय में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21(3) का विशेष उल्लेख किया गया। अदालत ने कहा कि यह धारा निर्वाचन आयोग को किसी भी समय विशेष पुनरीक्षण कराने की शक्ति देती है। कानून आयोग को यह अधिकार भी देता है कि वह पुनरीक्षण की प्रक्रिया, समय और तरीके का निर्धारण स्वयं करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि स्क्रूक कोई अवैध या मनमानी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह कानून के भीतर रहकर की जाने वाली संवैधानिक कार्रवाई है।

इस पूरे विवाद की शुरुआत बिहार विधानसभा चुनाव से पहले हुई थी। निर्वाचन आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की थी। आयोग का कहना था कि पिछले कई वर्षों से केवल सामान्य संशोधन हो रहे थे जबकि जनसंख्या परिवर्तन, पलायन, शहरीकरण और दोहरी प्रविष्टियों जैसी समस्याओं के कारण मतदाता सूची में व्यापक गड़बड़ियां पैदा हो चुकी थीं। आयोग ने तर्क दिया कि लगभग दो दशकों से व्यापक गहन पुनरीक्षण नहीं हुआ था और इसलिए मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने के लिए यह कदम आवश्यक हो गया था।

विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से बड़ी संख्या में गरीब, प्रवासी और दस्तावेजों से वंचित लोगों के नाम हटाए जा सकते हैं।

बोध कथा

परमात्मा की आवाज

एक व्यक्ति को रास्ते में यमराज मिल गए वो व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका। यमराज ने पीने के लिए पानी मांगा उस व्यक्ति ने उन्हें पानी पिलाया। पानी पीने के बाद यमराज ने बताया कि वो उसके प्राण लेने आए हैं लेकिन चूँकि तुमने मेरी प्यास बुझाई है इसलिए मैं तुम्हें अपनी किस्मत बदलने का एक मौका देता हूं। यह कहकर यमराज ने उसे एक डायरी देकर कहा तुम्हारे पास 5 मिनट का समय है। इसमें तुम जो भी लिखोगे वही होगा, लेकिन ध्यान रहे केवल 5 मिनट। उस व्यक्ति ने डायरी खोलकर देखा तो पहले पेज पर लिखा था कि उसके पड़ोसी की लॉटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला है। उसने वहां लिख दिया कि पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पेज पर लिखा था उसका एक दोस्त चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है उसने लिख दिया कि वह चुनाव हार जाए। इसी तरह वह पेज पलटता रहा और अंत में उसे अपना पेज दिखाई दिया। जैसे ही उसने कुछ लिखने के लिए अपना पैन उठाया यमराज ने उसके हाथों से डायरी ले ली और कहा वत्स! तुम्हारा 5 मिनट का समय पूरा हुआ, अब कुछ नहीं हो सकता। तुमने अपना पूरा समय दूसरों का बुरा करने में निकाल दिया और अपना जीवन खतरे में डाल दिया। अत: तुम्हारा अन्त निश्चित है। यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत पछताया लेकिन सुनहरा समय निकल चुका था। अब उसके पास सिवाए पछतावे के अलावा कुछ नहीं था। यही स्थिति आज समाज में ज्यादातर लोगों की है। आज दुख का कारण यही है कि व्यक्ति अपने अवगुणों, बुराइयों, कमी-कमजोरियों को देखने के बजाय दूसरों के अवगुणों को देखने में ही लगा रहता है। ऐसा व्यक्ति अपने जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता है। इसलिए जितना हो सके अपना समय परमात्मा के ध्यान, परमात्म ज्ञान को जीवन में उतारने और खुद को महान, श्रेष्ठ बनाने में लगाएं।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

कॉकरोच पार्टी का गठबंधन!

अशोक मतवाला

भारत में इस समय सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि महंगाई कब कम होगी, सड़कें कब बनेंगी या बेरोज़गारी कब जाएगी। असली राष्ट्रीय चिंता यह है कि 'कॉकरोच पार्टी' आखिर किसके साथ गठबंधन करेगी! जी हाँ, वही कॉकरोच... जो रात को रसोई में ऐसे निकलते हैं जैसे संसद का विशेष सत्र बुला लिया गया हो। दिन भर गायब रहते हैं और रात को लोकतंत्र बचाने निकल पड़ते हैं।

कहते हैं कि देश की तमाम पार्टियों से दुखी होकर कुछ अनुभवी कॉकरोचों ने अपनी अलग पार्टी बना ली। पार्टी का चुनाव चिन्ह रखा गया — 'चप्पल से बचता हुआ कॉकरोच'।

उनका नारा है: 'हर रसोई से न्याय मिलेगा, हर नाली में विकास होगा!'

कॉकरोच पार्टी का घोषणा पत्र भी बड़ा क्रांतिकारी है। उन्होंने वादा किया है कि अगर उनकी सरकार बनी तो— हर घर में अंधेरा सुनिश्चित किया जाएगा ताकि कॉकरोच सम्मानपूर्वक घूम सकें।

'हिट' और 'लाल दवाई' पर प्रतिबंध लगेगा।

रसोई में बचे हुए खाने को 'राष्ट्रीय संपत्ति' घोषित किया जाएगा और सबसे महत्वपूर्ण — इंसानों को रात में अचानक लाइट जलाने से पहले अनुमति लेनी होगी।

पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन एक पुराने गोदाम में हुआ। हजारों कॉकरोच दीवारों पर चढ़कर भाषण सुन रहे थे।

मुख्य नेता 'कॉमरेड काकरोचनंद' मंच पर आए और बोले— 'साथियो! सदियों से हम पर अत्याचार हुआ है। हमें देखते ही लोग चप्पल उठा लेते हैं। क्या हम इस देश के नागरिक नहीं? क्या हमें नाली में जीने का अधिकार नहीं?'

पूरा हाल तालियों से गूंज उठा।

कुछ बुजुर्ग कॉकरोच तो भावुक होकर आटे की बोरी के पीछे छिपकर रोने लगे। उधर विपक्ष ने आरोप लगाया कि कॉकरोच पार्टी विदेशी ताकतों से मिली हुई है। क्योंकि जितने भी कॉकरोच पकड़े गए, सब फ्रिज के पीछे से निकले थे, और फ्रिज विदेशी कंपनी का था।

टीवी चैनलों को नया मुद्दा मिल गया। प्राइम टाइम पर बहस शुरू हो गई— 'क्या कॉकरोचों को भी आरक्षण मिलना चाहिए?'

'क्या इंसानों ने कॉकरोचों के संवैधानिक अधिकार छीने?'

'देश पहले या रसोई पहले?'

एंकर ऐसे चिल्ला रहे थे जैसे सीमा पर युद्ध हो गया हो और उधर कॉकरोच आराम से बिस्कुट का चूरा खाकर लोकतंत्र मजबूत कर रहे थे। सोशल मीडिया पर भी तूफान आ गया। कुछ लोग लिख रहे थे— 'कॉकरोच पार्टी ही असली गरीबों की पार्टी है।'

दूसरे बोले— 'कम से कम ये नेता चुनाव जीतकर विदेश तो नहीं भागेंगे... दीवार के पीछे ही मिल जाएंगे!'

सबसे मज़ेदार बात तब हुई जब कुछ नेताओं ने चुनाव से पहले कॉकरोच पार्टी से गठबंधन कर लिया। कारण साफ था — कॉकरोच कभी खत्म नहीं होते। सरकारें गिर सकती हैं, नेता बदल सकते हैं, विचारधाराएँ मिट सकती हैं... पर कॉकरोच हर युग में जीवित रहते हैं। शायद इसी अमरता से प्रेरित होकर हमारे नेता भी राजनीति में टिके रहना चाहते हैं। अब हालत यह है कि देश का आम आदमी रात को रसोई में कॉकरोच देखकर डरता कम है, सोचता ज़्यादा है— 'कहीं ये अगला सांसद तो नहीं?

इतिहास

आज (28 मई) के दिन इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएँ दर्ज हैं। इनमें से प्रमुख हैं: 1937 में स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) अंडमान की सेलुलर जेल से रिहा हुए थे, और 1964 में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का निधन हुआ था।प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाएँ।1937: भारत के महान क्रांतिकारी और विचारक विनायक दामोदर सावरकर को अंडमान की सेलुलर जेल से रिहा किया गया।1964: भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का नई दिल्ली में निधन हुआ।1987: 19 साल के वेस्ट जर्मन पायलट माथियास रुस्ट ने मॉस्को के रेड स्क्वायर पर अपना छोटा विमान अवैध रूप से उतारकर पूरी दुनिया को चौंका दिया था।1998: पाकिस्तान ने चगाई पहाड़ियों पर पांच परमाणु परीक्षण करके अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त खबरें

जशपुर काजू की बढ़ती मांग से बदली हजारों किसानों की तकदीर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिला खेती और बागवानी के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। पारंपरिक खेती के साथ अब किसान नगदी एवं फल फसलों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। सेब, नाशपाती, स्ट्रॉबेरी और काजू जैसी फसलें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दे रही हैं। इनमें काजू उत्पादन किसानों के लिए आय का मजबूत और भरोसेमंद साधन बनकर उभरा है। जिला प्रशासन, उद्यान विभाग, रीड्स और नाबार्ड के संयुक्त प्रयासों से जिले में काजू उत्पादन का दायरा तेजी से बढ़ा है। वर्तमान में जिले के लगभग 7800 किसान करीब 7800 एकड़ भूमि पर काजू की खेती कर रहे हैं। अधिकांश किसान अपने एक-एक एकड़ खेत में काजू की खेती कर बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं। काजू उत्पादन ने न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाई है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी पैदा किए हैं।

जशपुर काजू की देशभर में बढ़ रही मांग

जशपुर में उत्पादित काजू अपनी मिठास, गुणवत्ता और बेहतरीन स्वाद के कारण खास पहचान बना चुका है। यही वजह है कि इसकी मांग छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों के साथ-साथ झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में लगातार बढ़ रही है। व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच जशपुर काजू की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

अवैध रेत उत्खनन पर बलरामपुर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

बलरामपुर। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा जिलेभर में विशेष अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत धौली लिबरा स्थित रेत खदान का औचक निरीक्षण किया गया, जहां कन्हर नदी किनारे नियम विरुद्ध रेत उत्खनन में संलिप्त एक चौन माउंटेड मशीन को जब्त किया गया। खनिज अधिकारी राहुल गुलाटी ने बताया कि रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पचावल स्थित पांगन नदी में वर्तमान में तीन रेत खदानें स्वीकृत एवं संचालित हैं। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर निरीक्षण के दौरान नदी किनारे पोकलेन मशीन से अवैध उत्खनन किए जाने की पुष्टि हुई, जिसके बाद मशीन को तत्काल जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी ग्राम पचावल क्षेत्र में अवैध खनन एवं परिवहन के मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। पांगन नदी में अवैध रूप से रैम्प और रास्ता निर्माण करते पाए जाने पर एक जेसीबी वाहन जब्त किया गया था तथा एक लाख रुपये की शास्ति राशि शासकीय कोष में जमा कराई गई।

महिला महामंत्री ने छोड़ा 'हाथ', भाजपा में शामिल हुईं 14 महिला कार्यकर्ता

जगदलपुर। कांग्रेस की महिला महामंत्री कमल झज ने हाल ही में अपने पद से इस्तीफा देने के बाद भाजपा का दामन थाम लिया, वहीं पूर्व महामंत्री अम्मा राव भी अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुईं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में करीब 14 महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान सभी का भाजपा गमछा और फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा की नीतियों और सरकार की योजनाओं - सबका साथ सबका विकास - से प्रभावित होकर लोग लगातार पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने इसे संगठन की मजबूती और भाजपा के बढ़ते जनाधार का संकेत बताया।

तेंदूपत्ता गोदाम में लगी आग : 1 हजार बोरे जले, आग लगने का कारण अज्ञात

घटना में लगभग 18 हजार बोरे जलकर खाक

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सरकारी तेंदूपत्ता गोदाम में आग लग गई। बुधवार को सरगीपाल स्थित गोदाम में लगी आग से करीब 1 हजार बोरा तेंदूपत्ता जलकर राख हो गया। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद वन अमले और दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। फिलहाल, नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

इससे पहले सोमवार को बीजापुर के निजी तेंदूपत्ता गोदाम में आग लगी थी। इस घटना में लगभग 18 हजार बोरे जलकर खाक हो गए थे। अनुमान के मुताबिक 10 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। इस घटना के बाद राज्य सरकार ने कार्रवाई करते हुए छ्स्न्रह रमेश जांगड़े को हटा दिया है। उनकी जगह सागर जाधव को जिम्मेदारी दी गई है।

जानकारी के मुताबिक सरगीपाल स्थित तेंदूपत्ता गोदाम में बुधवार शाम अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम में बड़ी मात्रा में तेंदूपत्ता रखा हुआ था।

आग लगने की सूचना मिलते ही वन विभाग और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक करीब 1 हजार बोरा तेंदूपत्ता जलकर खाक हो चुका था। गोदाम में रखा तेंदूपत्ता सुकमा जिले का सालभर पुराना स्टॉक था, जिसे यहां सुरक्षित रखा गया था। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वन विभाग मामले की जांच में जुट गया है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। उधर, बीजापुर में हाल ही में हुए 10 करोड़ रुपए से ज्यादा के तेंदूपत्ता नुकसान मामले में सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। वन मंत्री केदार कश्यप ने उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली, जिसके बाद बीजापुर छ्स्न्रह रमेश कुमार जांगड़े को हटा दिया गया। उनकी जगह सागर जाधव की नियुक्ति की गई है। मामले की निष्पक्ष जांच के निर्देश भी दिए गए हैं।

जशपुर में बिजली गिरने से टोल सिस्टम ठप

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में मौसम ने अचानक खतरनाक रूप ले लिया। लोदाम क्षेत्र में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। वज्रपात की चपेट में आने से टोल प्लाजा के 7 कंप्यूटर सिस्टम जलकर खराब हो गए, जबकि 5 मवेशियों की मौत हो गई।

तेज गरज और बिजली गिरने का सबसे अधिक असर लोदाम टोल प्लाजा पर देखने को मिला। अचानक हुई वज्रपात की घटना से टोल प्लाजा के कई कंप्यूटर सिस्टम बंद हो गए, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

आंधी के तेज झोंकों से कई पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। इसके चलते कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और देर रात तक अंधेरे की स्थिति बनी रही। ग्रामीणों ने बताया कि तेज हवाओं और बारिश के कारण लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ा।

वहीं कृषि उपज मंडी जांच केंद्र में आम के पेड़ की भारी डाल गिरने से भवन और उपकरणों को नुकसान पहुंचा है। कर्मचारियों ने बताया कि तेज आंधी के कारण परिसर में काफी क्षति हुई है।

इसी दौरान वज्रपात की चपेट में आने से 5 मवेशियों की मौत हो गई, जिससे पशुपालकों को बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में टीमों को भेजकर नुकसान का आंकलन शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की जा रही है और प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने की प्रक्रिया जल्द होगी।

गंगालूर रिमोट एरिया में कुपोषण मुक्त अभियान को बड़ी सफलता

बीजापुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को बीजापुर जिले में लगातार जमीन पर उतारा जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से अब दूरस्थ अंचलों में भी बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी का प्रेरणादायी उदाहरण है बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र कोटिया पारा का ढाई वर्षीय बालक अरुण हेमला, जिसने सतत देखभाल, सही पोषण और सामुदायिक सहयोग से कुपोषण को मात देकर सामान्य श्रेणी में वापसी की है।

यह कहानी केवल एक बच्चे के स्वस्थ होने की नहीं, बल्कि शासन की योजनाओं, विभागीय प्रतिबद्धता और सामुदायिक सहभागिता की जीवंत मिसाल है। अरुण हेमला, पिता मंगू हेमला एवं माता शर्मीला हेमला का जन्म 21 दिसंबर 2023 को हुआ था। जन्म के समय उसका वजन 2.500 किलोग्राम था। बार-बार बीमार पडऩे तथा घर में पर्याप्त भोजन नहीं कर पाने के कारण उसका वजन लगातार कम बना रहा। अप्रैल 2025 में स्थिति गंभीर होने पर उसे पोषण पुनर्वास केंद्र बीजापुर में भर्ती कराया गया, जहां भर्ती के समय उसका वजन मात्र 8.600 किलोग्राम था, जो उसकी उम्र के अनुसार अत्यंत कम माना गया।

एलपीजी गैस : कालाबाजारी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। एलपीजी गैस से भरे करोड़ों रुपए की कैप्सूल ट्रकों के गबन और कालाबाजारी के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी संतोष सिंह ठाकुर और उसके पुत्र सार्थक सिंह ठाकुर को महासमुंद पुलिस ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर के न्यू चालुक्य होटल से गिरफ्तार कर लिया है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में पुलिस इससे पहले चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें जिला खाद्य अधिकारी अजय यादव, पंकज चंद्राकर, मनीष चौधरी और निखिल वैष्णव शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक मामले की विवेचना अभी जारी है और गैस हेराफेरी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

गुरुवार पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में पत्रकारों के समक्ष मामले का खुलासा करते हुए बताया कि दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए महाराष्ट्र के एक होटल में छिपकर रह रहे थे। उनकी तलाश में महासमुंद पुलिस ने रायपुर, कवर्धा, छुईखदान, कान्हा-किसली, कोलकाता, पुणे, मुंबई और कोल्हापुर तक अलग-अलग टीमें रवाना की थीं। सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज, टोल प्लाजा डेटा और तकनीकी विश्लेषण के बाद पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी महाराष्ट्र के कोल्हापुर स्थित न्यू चालुक्य होटल में छिपे हुए हैं। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से दबिश देकर शांति बिहार कालोनी डगनिया थाना डीडी नगर रायपुर निवासी संतोष सिंह ठाकुर (57) और उसके पुत्र सार्थक सिंह ठाकुर (27) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने संतोष ठाकुर के कब्जे से 20 हजार रुपये नकद भी जब्त किया है। एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि सिंघोड़ा में दर्ज अपराध क्रमांक 96/25 के तहत 24 दिसंबर 2025 को 6 एलपीजी गैस से भरे कैप्सूल ट्रकों को जब्त किया गया था। भीषण गर्मी और सुरक्षा कारणों को देखते हुए इन वाहनों को सुरक्षित स्थान पर रखने के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर खाद्य विभाग की मौजूदगी में 30 मार्च 2026 को इन्हें ठाकुर पेट्रो कैमिकल्स, उरला रायपुर के संचालक संतोष सिंह ठाकुर के सुपुर्द किया गया था। जांच में खुलासा हुआ कि सुपुर्द किए गए ट्रकों में से 5 कैप्सूल ट्रकों में भरी करीब 87 टन एलपीजी गैस (कीमत लगभग 77 लाख रुपए) का आपराधिक षड्यंत्र के तहत गबन कर लिया गया। पुलिस ने इसे आपराधिक न्यास भंग, कूट रचना और कालाबाजारी का गंभीर मामला मानते हुए संतोष ठाकुर सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ बीएनएसे और आवश्यक वस्तु अधिनियम की विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया था।

भिलाई स्टील प्लांट से 1 करोड़ का लोहा चोरी

दुर्ग-भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में स्थित भिलाई स्टील प्लांट से 250 टन लोहे की चोरी हुई है, जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपए है। पुलिस ने हथखोज और अकलोरडीह इलाके के एक गोदाम से चोरी का लोहा जब्त किया है। मामला भिलाई-3 थाना क्षेत्र का है।

बताया जा रहा है, फ्लाई ऐश के नीचे लोहा छिपाकर प्लांट से बाहर निकाला जा रहा था, लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगी। प्लांट की सुरक्षा में ष्टढ्ढस्स्न के जवान तैनात रहते हैं। इसके अलावा पूरे परिसर में सैकड़ों कैमरे लगे हुए हैं। पुलिस को शक है कि, अंदरूनी मिलीभगत के यह संभव नहीं है।

इस मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पिछले चार-पांच महीनों से लोहे की चोरी कर रहे थे।

आरोपियों के कब्जे से करीब 250 टन लोहे का प्लेट और बीम कटिंग जब्त की गई है, जिसकी कीमत लगभग 90 लाख रुपए है। वहीं वाहनों समेत कुल करीब 3 करोड़ 22 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई है।

दरअसल, पुलिस को पिछले कुछ समय से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि भिलाई स्टील प्लांट से लोहे की प्लेटें और स्क्रैप चोरी कर बाहर सप्लाई किया जा रहा है। ऐसे में रोजाना कई ट्रक और हाईवा प्लांट से बाहर निकलते थे। 27 मई को पुलिस टीम ने संदिग्ध वाहनों पर नजर रखी और उनका पीछा करते हुए हथखोज स्थित एक गोदाम तक पहुंची। जैसे ही ट्रक गोदाम के अंदर पहुंचे, पुलिस ने चारों ओर से घेराबंदी कर दी।

छावनी सीएसपी प्रशांत कुमार पैकरा और भिलाई-3 थाना पुलिस की टीम ने मौके पर मौजूद लोगों से दस्तावेज मांगे, लेकिन जब्त लोहे से संबंधित कोई लीगल डॉक्यूमेंट दिखा नहीं सके।

अघनपुर जात्रा में अतिथि सिरहा के साथ कांटों के झूले पर बैठे

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय के निगम क्षेत्र अंर्तगत लोकमान्य तिलक वार्ड स्थित अघनपुर के प्रसिद्ध जलनी माता मंदिर और झाड़ेश्वर मंदिर में आयोजित वार्षिक माता मेला मंडई और जात्रा में सुकमा जमींदार परिवार के कुमार जयदेव शामिल हुए, जहां उन्होंने माता जलनी और भगवान झाड़ेश्वर की विधिवत पूजा-अर्चना कर बस्तर और प्रदेश की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। पारंपरिक अनुष्ठान के दौरान पहली बार किसी अतिथि कुमार जयदेव को मुख्य सिरहा के साथ माता के आशीर्वाद स्वरूप नुकीली कीलों और कांटों वाले झूले पर बैठने का अवसर मिला। जैसे ही वे मुख्य सिरहा के साथ झूले पर सवार हुए। लोगों ने इसे माता की विशेष कृपा का प्रतीक बताया। पहली बार किसी अतिथि को मिला कांटों के झूले पर बैठने का अवसर जलनी माता मंदिर के पुजारी पीतांबर बघेल ने बताया कि प्रतिवर्ष यहां माता मेला और जात्रा आयोजित की जाती है, लेकिन इस बार का आयोजन विशेष रहा। पहली बार किसी अतिथि को मुख्य सिरहा के साथ नुकीली कीलों और कांटों वाले पारंपरिक झूले पर बैठने का अवसर मिला। पुजारियों और सिरहा समाज ने इसे माता का विशेष आशीर्वाद बताया। कुमार जयदेव ने कहा कि जब वे झूले पर बैठे तो उन्हें किसी प्रकार का भय महसूस नहीं हुआ, बल्कि ऐसा लगा जैसे माता स्वयं शक्ति और साहस प्रदान कर रही हों। जयदेव ने आयोजन समिति और ग्रामीणों की तारीफ करते हुए कहा कि बस्तर की परंपराएं केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक एकता और संस्कृति की पहचान हैं। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोडऩे का काम करते हैं।

कार्यक्रम में बस्तर धाकड़ क्षत्रीय समाज के संभागीय अध्यक्ष योगेश ठाकुर, दंतेश्वरी मंदिर के प्रधान पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी, मावली मंदिर के पुजारी अनिल ठाकुर, प्रकाश रावल, मनोज जंगम, सिकंदर सिंह, मुरली सिंह, पीतांबर सिंह, बिक्रम सिंह, मुकुंद सिंह पंडा, अरुणा चौहान, मंजु ठाकुर, गीता ठाकुर, किरण ठाकुर आदि मौजूद थे।

भंडारण अनुमति की अवधि समाप्त बाद डिपो का संचालन, कोल डिपो सील

बिलासपुर। अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लिम्हा क्षेत्र स्थित एमएस कश्यप कोल डिपो को सील कर दिया है क्योंकि डिपो संचालक ने भंडारण अनुमति की अवधि समाप्त होने के बाद भी डिपो का संचालन कर रहा था। कार्रवाई के दौरान करीब 1500 मीट्रिक टन कोयला के साथ दो जेसीबी मशीन, एक लोडर मशीन और पांच हाईवा ट्रक को जप्त किया गया।

खनिज विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 26 मई को लिम्हा क्षेत्र स्थित एमएस कश्यप कोल डिपो का निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि भंडारण अनुमति की अवधि समाप्त होने के बाद भी डिपो संचालित किया जा रहा था। इसके बाद विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रेलर वाहन सहित बड़े पैमाने पर रखे कोयले को जब्त कर डिपो को सील कर दिया। वहां मौजूद लोडर मशीन को भी सील कर दिया गया। इसी दौरान एक अन्य क्षेत्र में बिना अनुमति शासकीय भूमि पर खनिज उत्खनन करते हुए दो जेसीबी मशीनें पकड़ी गई। वहीं दो हाईवा वाहनों के चालक कार्रवाई के दौरान वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए, जिसके बाद विभाग ने वाहनों को मौके पर ही सील कर दिया। जब्त ट्रेलर और दोनों जेसीबी मशीनों को रतनपुर थाने की सुपुर्दगी में रखा गया है, जबकि लोडर मशीन और हाईवा वाहनों को उनके स्थान पर ही सील किया गया है।

इसके अलावा 27 मई को पचपेड़ी, लावर और मस्तूरी क्षेत्रों में संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। पचपेड़ी क्षेत्र में अवैध रूप से चूना पत्थर परिवहन करते एक हाईवा को जब्त किया गया, जबकि लावर क्षेत्र में रेत परिवहन करते दो हाईवा वाहनों पर कार्रवाई की गई। खनिज विभाग ने बताया कि सभी मामलों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

चमगादड़ों की मौत से सरोना में फैली बदबू

कांकेर। जिले में नौतपा और लगातार बढ़ते तापमान का असर वन्य जीवों और पक्षियों पर तेज गर्मी के कारण जीवित रहना मुश्किल हो गया है। जिले के सरोना क्षेत्र में बड़ी संख्या में चमगादड़ों की मौत से ग्रामीणों में दहशत और चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि ये चमगादड़ गर्मी और हीट स्ट्रोक की वजह से गिरकर मर रहे हैं। कई चमगादड़ उड़ते-उड़ते घरों में आकर गिर रहे हैं। पेड़ों के नीचे बड़ी संख्या में मृत चमगादड़ पड़े हुए हैं। इन्हें कुत्ते भी नोच रहे हैं, जिससे पूरे इलाके में बदबू फैल गई है। ग्रामीणों में अब संक्रमण और बीमारी फैलने का डर बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मृत चमगादड़ों के सुरक्षित निपटान और इलाके में दवा छिड़काव की मांग की है। साथ ही वन विभाग से वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की गई है। लगातार बढ़ती गर्मी और सूखते जल स्त्रोतों के कारण वन्य जीवों और पक्षियों का जीवन संकट में है। ऐसे में समय रहते कदम उठाना जरूरी हो गया है, ताकि बेजुबान जीवों को बचाया जा सके। सरोना की ग्रामीण महिला खेमेश्वरी सिन्हा ने बताया कि विगत चार दिनों से लगातार चमगादड़ों की मौत हो रही है। हर दिन बड़ी संख्या में मृत चमगादड़ मिल रहे हैं, जिससे लोग परेशान हैं।

आईबीसी के 10 साल पूरे, वित्त मंत्री ने कहा- देश के फाइनेंशियल सिस्टम को मजबूत करने में मिली मदद

नई दिल्ली । दिवाला एवं शोधन अक्षमता कोड (आईबीसी), 2016 को गुरुवार को 10 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि इससे देश के फाइनेंशियल सिस्टम को मजबूत करने में मदद मिली है और संकटग्रस्त कंपनियों का तेज पुनरुद्धार संभव हो पाया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निर्मला सीतारमण ऑफिस की ओर से एक पोस्ट में कहा गया, 'दिवाला एवं शोधन अक्षमता कोड (आईबीसी), 2016 ने खंडित, देनदार-नियंत्रित प्रक्रिया से एक एकीकृत, लेनदार-संचालित और समयबद्ध समाधान ढांचे की ओर निर्णायक बदलाव को संभव बनाया है।'

साथ ही कहा, 'इससे इससे देश के फाइनेंशियल सिस्टम को मजबूत करने में मदद मिली है और संकटग्रस्त कंपनियों का तेज पुनरुद्धार संभव हो पाया है।'

इसके साथ ही एक पोस्टर भी शेयर किया गया, जिसमें आईबीसी के बार में विस्तृत जानकारी दी गई।

पोस्टर में बताया गया कि आईबीसी ने एक संरचनात्मक समाधान पेश किया गया है। इसके अंतर्गत कई दिवालिया कानूनों को एकल और समन्वित प्रक्रिया में एकीकृत किया है।

साथ ही कहा कि आईबीसी दिवालियापन समाधान को देनदार-नियंत्रित दृष्टिकोण से लेनदार-नेतृत्व वाले दृष्टिकोण में बदल दिया गया। वहीं, इसने समाधान प्रक्रिया में देरी और मूल्य में कमी को रोकने के लिए संरचित समयसीमाएं लागू की हैं।

इसके अतिरिक्त, आईबीसी ने वित्तीय तनाव को दूर करने और रिकवरी परिणामों में सुधार लाने के लिए एक मजबूत ढांचा भी तैयार किया है।

दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के लागू होने से पहले, भारत में दिवाला समाधान कई कानूनी ढांचों के जरिये संचालित होता था। वित्तीय संकट का सामना कर रही कंपनियों से विभिन्न कानूनों के अंतर्गत निपटा जाता था, जैसे कंपनी कानून, सिक इंडस्ट्रियल कंपनीज एक?ट (एसआईसीए), ऋण वसूली तंत्र तथा एसएआरएफएईएसआई सहित सुरक्षित ऋणदाता ढांचे आदि। ये प्रक्रियाएं अलग-अलग संस्थानों और मंचों के माध्यम से संचालित होती थीं, जिसके कारण कार्यवाहियां बिखरी हुई और अधिकार-क्षेत्रों में ओवरलैप की स्थिति उत्पन्न होती थी।

इसके परिणामस्वरूप, समाधान प्रक्रियाएं अकसर लंबी और अनिश्चित हो जाती थीं। मामले वर्षों तक लंबित रहते थे, जबकि संकटग्रस्त परिसंपत्तियों का मूल्य लगातार घटता जाता था। देरी के कारण ऋणदाताओं की बकाया राशि वसूलने की क्षमता कमजोर पड़ती थी और व्यवहार्य व्यवसायों के पुनर्जीवन की संभावना भी कम हो जाती थी। एकीकृत और समयबद्ध तंत्र के अभाव ने समग्र ऋण अनुशासन और निवेशकों के विश्वास को भी प्रभावित किया।

कच्चे तेल में तेजी और वैश्विक अस्थिरता से सोना और चांदी फिसले

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को बड़ी गिरावट देखी गई। इसकी वजह अमेरिका की ओर से ईरान पर ताजा हमले के बाद वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बढ़ना और कच्चे तेल में फिर से तेजी आना है।

दोपहर 12 बजे अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर में सोने का दाम 1.74 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,379 डॉलर प्रति औंस पर था, जबकि कॉमेक्स पर जून फ्यूचर्स के सोने का कॉन्ट्रैक्ट 1.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,376 डॉलर पर था।

सोने की अपेक्षा चांदी में अधिक गिरावट देखी गई। हाजिर में चांदी का दाम 2.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.92 डॉलर प्रति औंस पर था। कॉमेक्स पर चांदी का जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72.93 डॉलर प्रति औंस पर था।

भारतीय बाजार बकरीद ईद की छुट्टी के चलते बंद है। कमोडिटी बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर जारी अनिश्चितता के कारण निवेशकों के सतर्क रहने से सोने पर दबाव बना रहा। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बना हुआ है और दोनों देशों के बीच प्रमुख विवाद के मुद्दों में ईरान का होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण बनाए रखने और अपने परमाणु कार्यक्रम को संरक्षित करने की मांग शामिल है, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन ईरान की इन दोनों मांगों को नहीं मानेगा। जानकारों का मुताबिक, 'ऊर्जा की बढ़ती कीमतें वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ा रही हैं, जिससे प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता, तेल की ऊंची कीमतें और डॉलर की मजबूती के कारण कीमती धातुओं की कीमतों में निकट भविष्य में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरों की उम्मीदों का असर सोने की कीमतों पर पड़ रहा है, और वर्तमान में सोना संघर्ष शुरू होने के समय के स्तर से 15 प्रतिशत से अधिक नीचे कारोबार कर रहा है।

एल्केम लैब्स का मुनाफा वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 27.7 प्रतिशत घटकर 236 करोड़ रुपए रहा

मुंबई। एल्केम लेबोरेटरीज लिमिटेड ने गुरुवार को वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी के मुनाफे में सालाना आधार पर 27.7 प्रतिशत की कमजोरी देखने को मिली है। इसकी वजह कंपनी को तिमाही के दौरान एकमुश्त घाटा होना है।

एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा, 'वित्त वर्ष 26 की मार्च तिमाही में कंपनी को 236 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 306 करोड़ रुपए था।'

एल्केम लैब्स ने बताया कि कंपनी का मुनाफा घटने की वजह तिमाही के दौरान हुआ 135 करोड़ रुपए का वन-टाइम नुकसान है।

मुनाफे में गिरावट के बावजूद, कंपनी की आय में अच्छी वृद्धि दर्ज की। मार्च तिमाही में परिचालन से कंसोलिडेटेड आय पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज किए गए 3,144 करोड़ रुपए से 14.6 प्रतिशत बढ़कर 3,603 करोड़ रुपए हो गई है।

कंपनी का एबिटा सालाना आधार पर 32.2 प्रतिशत बढ़कर 517 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 391 करोड़ रुपए था।

मार्च तिमाही में कंपनी का एबिटा बढ़कर 14.4 प्रतिशत हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 25 की समान तिमाही में 12.4 प्रतिशत था।

एल्केम लैब्स ने वित्त वर्ष 2026 के लिए प्रति शेयर 10 रुपए का फाइनल डिविडेंड घोषित किया है। शेयरधारकों को कुल अनुमानित डिविडेंड लगभग 119.57 करोड़ रुपए होगा।

कंपनी ने बताया कि अंतिम डिविडेंड के पात्र शेयरधारकों का निर्धारण करने के लिए 7 अगस्त को रिकॉर्ड डेट निर्धारित की गई है।

डिविडेंड का भुगतान आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन है और इसका भुगतान 1 सितंबर से शुरू होगा।

इस वर्ष की शुरुआत में, कंपनी ने फरवरी 2026 में प्रति शेयर 43 रुपए का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया था।

पिछले वित्तीय वर्षों में, एल्केम लैब्स ने अगस्त 2025 में प्रति शेयर 8 रुपए, फरवरी 2025 में प्रति शेयर 37 रुपए और अगस्त 2024 में प्रति शेयर 5 रुपए का डिविडेंड दिया था।

बीटी में हिस्सेदारी बढ़ाने के सुनिल मित्तल के कदम का ब्रिटिश सरकार कर सकती है विरोध : रिपोर्ट

नई दिल्ली । यूके के टेलीकॉम ग्रुप बीटी में सुनिल मित्तल के नेतृत्व वाले भारती एटरप्राइजेज की ओर से हिस्सेदारी बढ़ाने के फैसले का ब्रिटिश सरकार विरोध कर सकती है। इसकी वजह महत्वपूर्ण राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे पर संप्रभु नियंत्रण बनाए रखने से संबंधित चिंताएं सामने आना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में मामले से जुड़े लोगों का हवाला देते हुए कहा गया है कि ब्रिटिश सरकार भारती द्वारा ब्रिटिश दूरसंचार ऑपरेटर में अपनी हिस्सेदारी को मौजूदा स्तर से आगे बढ़ाने के किसी भी कदम का विरोध करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले पर मित्तल के प्रवक्ता और बीटी ने फिलहाल को बयान जारी नहीं किया।

यह घटनाक्रम उन रिपोर्टों के सामने आने के कुछ दिनों बाद आया है जिनमें कहा गया था कि भारती एंटरप्राइजेज बीटी में अपनी हिस्सेदारी को उस सीमा से थोड़ा नीचे तक बढ़ाने की संभावना तलाश रही है, जिससे कंपनी के लिए अनिवार्य अधिग्रहण प्रस्ताव शुरू हो जाएगा।

भारती एंटरप्राइजेज बीटी में हिस्सेदारी फिलहाल 24.95 प्रतिशत है। हालांकि, भारती के एक प्रवक्ता ने पहले कहा था कि कंपनी अपनी मौजूदा हिस्सेदारी से संतुष्ट है और फिलहाल अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोई योजना नहीं है।

पिछले साल सितंबर में, भारती एंटरप्राइजेज के फाउंडर और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल और भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और एमडी गोपाल विट्टल, गैर-स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में बीटी बोर्ड में शामिल हुए थे।

इस महीने की शुरुआत में, मित्तल ने कहा था कि उनका इरादा अगले दशक में धीरे-धीरे नेतृत्व की जिम्मेदारियां अगली पीढ़ी को सौंपने का है, साथ ही उन्होंने भारती टेलीकॉम को बहुमत हिस्सेदारी हासिल करने को भी प्राथमिकता बताया था।

नतीजों के बाद कंपनी की कॉन्फ्रेंस कॉल में मित्तल ने कहा, 'जैसे-जैसे मैं उस मुकाम पर पहुंचता हूं जहां मैं अगली पीढ़ी और शेयरधारकों को बागडोर सौंपता हूं, भारती टेलीकॉम को 51 प्रतिशत या 50 प्रतिशत से थोड़ी अधिक नियंत्रणकारी शेयरधारिता हासिल कर लेनी चाहिए।'

एनएचएआई ने मुद्रीकरण के लिए नौ राज्यों के 1692.5 किलोमीटर लंबाई के राजमार्गों का चयन किया

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान मुद्रीकरण के लिए नौ राज्यों के 1692.5 किलोमीटर लंबाई के राजमार्गों का चयन किया। यह जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को दी गई।

मंत्रालय ने बताया कि यह चयन 'टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर' (टीओटी) और 'इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट' (इनविट्स) माध्यमों के तहत मुद्रीकरण के लिए किया गया है। इन राजमार्गों की सूची में उन संपत्तियों को शामिल नहीं किया गया है, जिनका मुद्रीकरण वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 'राजमार्ग इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट' (आरआईआईटी) के माध्यम से किया जाना प्रस्तावित है।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि जिन राष्ट्रीय राजमार्ग संपत्तियों का चयन किया गया है, उनकी कुल लंबाई 1,692.5 किलोमीटर है, जिसमें नौ राज्यों—हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र—के विभिन्न खंड शामिल हैं। ये राजमार्ग संपत्तियां सामूहिक रूप से ऐसे आर्थिक और लॉजिस्टिक्स गलियारों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिनमें यातायात की अच्छी-खासी संभावना है और जो कनेक्टिविटी के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

मुद्रीकरण की यह प्रक्रिया टीओटी और इनविट्स फ्रेमवर्क के तहत पारदर्शी और व्यवस्थित तंत्रों के माध्यम से पूरी की जाएगी। ये फ्रेमवर्क राष्ट्रीय राजमार्गों के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए दीर्घकालिक संस्थागत निवेश आकर्षित करने में सफल मॉडल साबित हुए हैं। ये फ्रेमवर्क, सतत बुनियादी ढांचे के विकास के लिए नवीन वित्तपोषण तंत्रों को अपनाते हुए, परिसंपत्ति के कुशल प्रबंधन और परिचालन उत्कृष्टता को भी सुनिश्चित करते हैं।

मंत्रालय ने बताया कि यह पहल भारत सरकार की 'संपत्ति मुद्रीकरण रणनीति' का हिस्सा है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य संचालित राष्ट्रीय राजमार्ग संपत्तियों का लाभ उठाकर, भावी बुनियादी ढांचा विकास के लिए पूंजी जुटाना, निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना और राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विस्तार तथा आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को तेज करना है। इससे निवेशकों/बोलीदाताओं को अपने निवेश की योजना अधिक कुशल तरीके से बनाने में मदद मिलेगी।

भारत टैक्सी : 35 लाख यूजर्स और 6 लाख से ज्यादा सारथी के साथ बनी सबसे बड़ी मोबिलिटी कोऑपरेटिव

गांधीनगर। जब हम 'सहकारिता' शब्द सुनते हैं, तो अक्सर हमारे जेहन में अमूल की दूध क्रांति का चित्र उभरता है। लेकिन, आज गुजरात की सड़कों पर एक नई डिजिटल क्रांति दौड़ रही है, जिसका नाम है 'भारत टैक्सी'।

यह सिर्फ एक ऐप नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के सपने को सच करते उन हजारों सारथियों की कहानी है, जो अब किसी कंपनी के कर्मचारी नहीं, बल्कि इस मोबिलिटी प्लेटफॉर्म के खुद मालिक हैं। 5 फरवरी को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा लॉन्च की गई यह पहल, तकनीक और मानवीय गरिमा के संगम का दुनिया का सबसे बड़ा उदाहरण बन चुकी है।

भारत टैक्सी के चेयरमैन और अमूल के एमडी जयेन मेहता इस बदलाव को एक बड़ी क्रांति के रूप में देखते हैं। उनके अनुसार, 'भारत टैक्सी ने ड्राइवर-ओन्ड मॉडल को धरातल पर उतारकर यह सुनिश्चित किया है कि राइड की 100 प्रतिशत कमाई बिना किसी कटौती के सीधे ड्राइवर्स तक पहुंचे। आज यह दुनिया की सबसे बड़ी मोबिलिटी कोऑपरेटिव के रूप में उभरकर न केवल सारथियों की गरिमा बहाल कर रही है, बल्कि 'सहकार से समृद्धि' के विजन को वैश्विक स्तर पर एक नया बेंचमार्क दे रही है।'

मोबिलिटी सेक्टर में अब तक सारथियों की सबसे बड़ी त्रासदी भारी-भरकम कमीशन और अनिश्चित आय रही है। 'भारत टैक्सी' ने इस पुराने ढर्रे को ध्वस्त कर दिया है। यहां कोई बिचौलिया या कॉर्पोरेट नहीं है, बल्कि सारथी ही इस कोऑपरेटिव के स्टेकहोल्डर्स हैं। इसका सीधा इम्पैक्ट ग्राउंड जीरो पर दिख रहा है।

अगले पांच वर्षों में रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच सकता है वैश्विक तापमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली । विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) और ब्रिटेन के मौसम विभाग (मेट ऑफिस) की ओर से जारी एक नई रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगले पांच वर्षों के दौरान वैश्विक औसत तापमान रिकॉर्ड स्तर पर या उसके करीब बना रह सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आर्कटिक क्षेत्र में तापमान वृद्धि वैश्विक औसत की तुलना में अधिक रहने की संभावना है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2026 से 2030 के बीच वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक काल (1850-1900) के औसत स्तर से 1.3 डिग्री सेल्सियस से 1.9 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है। हालांकि, अगले पांच वर्षों का औसत तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने की संभावना है, लेकिन इसे पेरिस समझौते के उल्लंघन के रूप में नहीं देखा जाएगा, क्योंकि यह समझौता लगभग 20 वर्षों की दीर्घकालिक तापमान वृद्धि को आधार मानता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 से 2030 के बीच किसी एक वर्ष के 2024 को पीछे छोड़ते हुए अब तक का सबसे गर्म वर्ष बनने की संभावना 86 प्रतिशत है।

इसके अलावा, 91 प्रतिशत संभावना है कि इस अवधि के दौरान कम से कम एक वर्ष ऐसा होगा, जब वैश्विक औसत सतही तापमान अस्थायी रूप से पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक हो जाएगा। गौरतलब है कि वर्ष 2024 में भी वैश्विक औसत सतही तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से लगभग 1.55 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया था। रिपोर्ट के प्रमुख लेखक डॉ. लियोन हरमैनसन ने कहा, '2026 के अंत तक अल नीनो की स्थिति बनने का अनुमान है।

सिनेमा जगत की उम्दा कलाकार, सुपरस्टार की लाडली, जो 'बाबूजी' से मिली शिक्षा को मानती थीं जिंदगी का सार

मुंबई। सिनेमा जगत में फिल्मी परिवार से आने वाले हर कलाकार को सफलता नहीं मिल पाती, लेकिन कुछ एक्टर अपनी मेहनत और प्रतिभा से अलग पहचान बना लेते हैं। ऐसी ही एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री थीं प्रीति गांगुली। दिवंगत अभिनेता अशोक कुमार की लाडली बेटी प्रीति ने फिल्मी घराने की छत्रछाया में रहते हुए भी अपनी प्रतिभा के बल पर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई।

वह बाबूजी अशोक कुमार से मिली जिंदगी की सीख को हमेशा याद रखती थीं और उसे अपने जीवन का सार मानती थीं। प्रीति गांगुली का जन्म एक ऐसे फिल्मी परिवार में हुआ जहां उनकी हर तरफ प्रतिभा बिखरी हुई थी। उनके पिता सुपरस्टार अशोक कुमार थे, चाचा किशोर कुमार थे और जीजा थे अभिनेता देवेन वर्मा। इतने बड़े-बड़े नामों के बीच रहते हुए भी प्रीति ने अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कॉमेडी को चुना और 1970-80 के दशक में अपनी कमाल की कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। 17 मई को अभिनेत्री की जयंती है।

एक इंटरव्यू में प्रीति गांगुली ने अपने पिता अशोक कुमार की एक यादगार घटना का जिक्र करते हुए बताया था, 'मैं चौथी क्लास में पढ़ती थी। एक दिन बाबूजी मुझे स्कूल से लेने आए। बड़ी सी गाड़ी देखकर मैं बहुत खुश हुई और भागते हुए उनकी तरफ गई। लेकिन रास्ते में मैं गिर गई। उठकर शर्मिंदा होते हुए गाड़ी में बैठी तो बाबूजी मुस्कुराते हुए बोले -कभी भी हवा में मत उड़ो, वरना किसी छोटे-से कंकड़ से भी ठोकर खाकर गिर सकती हो।

प्रीति कहती थीं कि बाबूजी की यह सीख उन्होंने जिंदगी भर नहीं भुलाई। अशोक कुमार को 'दाला मुनि' भी कहा जाता था। वे बेहद सरल, सादा और नम्र स्वभाव के इंसान थे। उनके अंदर कोई बड़प्पन या अहंकार नहीं था। प्रीति अपने पिता की इसी सादगी को अपना आदर्श मानती थीं। वहीं, फिल्मी परिवार से होने के बावजूद प्रीति गांगुली ने कभी अपनी सफलता को लेकर घमंड नहीं किया। वे हमेशा जमीन से जुड़ी रहीं और अपनी प्रतिभा के दम पर दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुईं। उनकी कॉमिक भूमिकाएं आज भी लोगों को हंसाती हैं।

प्रीति गांगुली को आज भी बसु चटर्जी की 1978 में आई क्लासिक फिल्म खट्टा मीठा में अमिताभ बच्चन की दीवानी फ्रेनी सेठना की भूमिका के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है। उनकी हास्य भरी अदाकारी आज भी फिल्म प्रेमियों के बीच चर्चा में रहती है।

यूं कोई बेवफा नहीं होता कहा और दुनिया को अलविदा कह पाठकों संग 'बेवफाई' कर गए बशीर बद्र

नई दिल्ली। उर्दू अदब का एक नरम लहजा हमेशा के लिए खामोश हो गया। अपनी सादगी भरी शायरी से करोड़ों दिलों में जगह बनाने वाले शायर बशीर बद्र अब इस दुनिया में नहीं रहे। पद्मश्री से सम्मानित बशीर बद्र ने गुरुवार को भोपाल स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन के साथ ही उर्दू शायरी का एक ऐसा खूबसूरत और नरम लहजा खामोश हो गया, जिसने आम आदमी की भावनाओं को बेहद आसान शब्दों में दुनिया के सामने रखा। उनके निधन से प्रशंसक कसक के साथ बस इतना ही कह पाए 'फिर से खुदा बनाएगा कोई नया जहां, दुनिया को यूं मिटाएगी इक्कीसवीं सदी...।

उनके जाने के साथ ही उर्दू शायरी का वह दौर भी जैसे थम गया, जिसने रिश्तों, तन्हाई, मोहब्बत और जिंदगी की सच्चाइयों को बेहद आसान शब्दों में लोगों तक पहुंचाया। उनके शब्दों में ऐसा जादू था कि आज भी पाठक कहने को विवश हैं 'न जी भर के देखा, न कुछ बात की... बड़ी आरजू थी मुलाकात की...। 91 वर्षीय बशीर बद्र लंबे समय से डिमेंशिया के साथ ही उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। पिछले कुछ सालों से उनकी याददाश्त कमजोर हो गई थी। जानकारी के अनुसार, वह लोगों को पहचान भी नहीं पा रहे थे। बशीर बद्र का जन्म 15 फरवरी 1935 को अयोध्या में हुआ था। उनका असली नाम सैयद मोहम्मद बशीर था। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से पढ़ाई की और बाद में मेरठ कॉलेज में उर्दू के प्रोफेसर बने। अध्यापन के साथ-साथ उनकी शायरी भी लोगों के दिलों तक पहुंचती गई। 1970 और 80 के दशक में उनकी गजलों ने देश-दुनिया में खास छाप छोड़ी।

बद्र की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि उन्होंने उर्दू शायरी को मुश्किल अल्फाज से निकालकर आम बोलचाल की भाषा में ढाल दिया। उनकी गजलों में जिंदगी की सच्चाई, रिश्तों की नर्मी और उलझन, मोहब्बत का रस, दर्द और इंसानी एहसास साफ दिखाई देते थे। यही वजह रही कि उनके एक-एक शब्द आम लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गए।

उनके मशहूर शेर पर नजर डालें तो कई हैं, यहां कुछ चुनिंद शेर हैं- 'कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं कोई बेवफा नहीं होता...' आज भी अधूरी मोहब्बत और टूटे रिश्तों का सबसे सादा और गहरा बयान माना जाता है। वहीं, बदलते समाज और रिश्तों में बढ़ती दूरियों को बेहद खूबसूरती से बयां करती है 'कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से, ये नए मिजाज का शहर है, जरा फासले से मिला करो...।

उनकी शायरी सिर्फ प्रेम तक सीमित नहीं थी। शेर 'लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में, तुम तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में...' समाज की बेरुखी पर गहरी चोट करती है। बशीर बद्र ने जिंदगी की तन्हाई और उसकी सच्चाइयों को भी अपने अंदाज में पेश किया, 'उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए...' और 'जिंदगी तू ने मुझे कब्र से कम दी है जमीं, पांव फैलाऊं तो दीवार में सर लगता है...।' ऐसे शेर आम लोगों से आसानी जुड़ जाते हैं और कहते हैं कि ये तो हमारी ही कहानी है। रिश्तों में नरमी और इंसानियत का संदेश देने वाले उनके शेर आज भी लोगों को खासा भाते हैं जैसे 'दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिंदा न हों...।

साल 1999 में उन्हें पद्मश्री से नवाजा गया। लेकिन उनकी सबसे बड़ी पहचान यह रही कि उन्होंने उर्दू शायरी को आम लोगों तक पहुंचाया। उनके निधन से साहित्य जगत में शोक की लहर है। लोग यही कह रहे हैं कि आज उर्दू थोड़ी गरीब हो गई है।

पृथ्वी के अस्तित्व के लिए जरूरी है सूर्य, जानें सूरज की रोशनी से कैसे बनती है बिजली? कैसे काम करता है 'सोलर पावर'

नई दिल्ली। पृथ्वी पर जीवन का सबसे बड़ा स्रोत है सूर्य। अनाज से लेकर जलवायु, मौसम नियंत्रण तक में इसकी भागीदारी है। पूरी मानव जाति एक साल में जितनी ऊर्जा इस्तेमाल करती है, उतनी ऊर्जा सूर्य सिर्फ एक घंटे में पृथ्वी को दे देता है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में जब दुनिया ऊर्जा संकट और प्रदूषण से जूझ रही है, तब सूर्य की रोशनी से बिजली बनाने वाली सौर ऊर्जा सबसे सस्ता, साफ और अनलिमिटेड विकल्प बनकर उभरी है। 3 मई को हर साल अंतरराष्ट्रीय सूर्य दिवस मनाया जा रहा है, जो सौर ऊर्जा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

सौर ऊर्जा को बिजली में बदलने की प्रक्रिया को 'सोलर पावर' कहते हैं। यह तकनीक लगभग 200 साल पुरानी है, लेकिन आज यह घरों से लेकर अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। सोलर पावर न सिर्फ बिजली पैदा करती है बल्कि पर्यावरण को भी बचाती है क्योंकि इसमें कोई धुआं, प्रदूषण या आवाज नहीं होती। सिर्फ सूरज की रोशनी काफी है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार, सोलर पावर का मतलब है सूरज की रोशनी को बिजली में बदलना। यह प्रक्रिया 'फोटोवोल्टिक इफेक्ट' पर आधारित है। सन 1839 में फ्रांसीसी वैज्ञानिक अलेक्जेंडर एडमंड बेकरेल (उस समय सिर्फ 19 साल के थे) ने सबसे पहले इस प्रभाव की खोज की। वे अपने

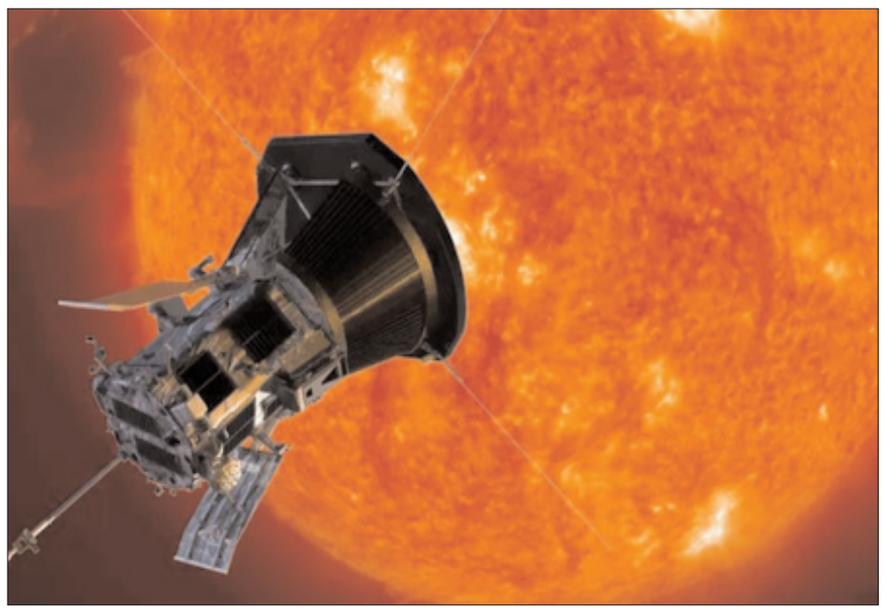

पिता की लैब में प्रयोग कर रहे थे। जब उन्होंने रोशनी पर काम किया तो बिजली का करंट पैदा हुआ। यही घटना सोलर पावर की नींव बनी।

वैज्ञानिक बताते हैं कि सोलर पैनल मुख्य रूप से सिलिकॉन नामक सामग्री से बनाए जाते हैं। सिलिकॉन एक सेमीकंडक्टर है, यानी यह बिजली को आसानी से कंट्रोल कर सकता है। एक सामान्य सोलर सेल में सिलिकॉन की तीन पतली परतें होती हैं। बीच वाली परत प्योर सिलिकॉन की होती है। ऊपरी और निचली परतों में थोड़े अलग तत्व मिलाए जाते हैं जैसे एक तरफ फास्फोरस और दूसरी तरफ बोरॉन। जब सूरज की रोशनी इन परतों पर पड़ती है तो सिलिकॉन के अंदर मौजूद इलेक्ट्रॉन उत्तेजित हो जाते हैं और घूमने लगते हैं। ये इलेक्ट्रॉन एक परत से दूसरी परत की ओर खिंचते हैं। इससे एक तरफ नेगेटिव चार्ज और दूसरी तरफ पॉजिटिव चार्ज जमा होता है। दोनों तरफ तार लगाकर सर्किट बनाया जाता है। इलेक्ट्रॉन इस सर्किट से बहते हुए बिजली पैदा करते हैं जो हम इस्तेमाल कर सकते हैं।

खास बात है कि इस पूरी प्रक्रिया में कोई धुआं, प्रदूषण या आवाज नहीं होती। सिर्फ सूरज की रोशनी चाहिए होती है और बीजली पैदा हो जाती है। सोलर पैनल इतने उपयोगी हैं कि स्पेस एजेंसी इन्हें अंतरिक्ष यानों में भी इस्तेमाल करते हैं। नासा के अनुसार, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप भी सोलर पैनल से ही बिजली प्राप्त करता है।

नासा लगातार सोलर टेक्नोलॉजी को बेहतर बनाने का काम कर रहा है। अंतरिक्ष में सोलर पावर की शुरुआत की बात करें तो सोलर सेल का पहला सफल इस्तेमाल 1958 में हुआ था। अमेरिका ने मार्च 1958 में वैंगार्ड-1 नाम का पहला सोलर पावर से चलने वाला सैटेलाइट लॉन्च किया। इससे पहले स्पुतनिक और एक्सप्लोरर-1 जैसे सैटेलाइट सिर्फ बैटरी पर चलते थे और कुछ हफ्तों में बंद हो जाते थे, लेकिन वैंगार्ड-1 ने छह साल तक डाटा भेजा। आज सोलर पावर घरेलू बिजली, स्ट्रीट लाइट, पानी के पंप और बड़े-बड़े सोलर पार्क में इस्तेमाल हो रहा है।

सूंघने की क्षमता में गिरावट भी अल्जाइमर्स का शुरुआती संकेत

नई दिल्ली। अल्जाइमर एक ऐसी अवस्था है जिसमें ढलती उम्र के साथ याददाश्त कमजोर होती चली जाती है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, अल्जाइमर डिमेंशिया (मस्तिष्क क्षीणता) का एक प्रकार है। इसमें याददाश्त के साथ-साथ सोचने-समझने, निर्णय लेने, और पहचानने व बोलने और समझने की क्षमता में गिरावट आती है। कुछ ऐसे लक्षण होते हैं जिन पर गौर किया जाए तो इसको काबू में किया जा सकता है। इसमें से एक सूंघने की क्षमता भी है।

एक नए शोध में संकेत मिला है कि सूंघने की क्षमता में कमी अल्जाइमर्स के शुरुआती संकेत हो सकते हैं, जो याददाश्त में गिरावट के स्पष्ट लक्षणों से पहले ही दिखाई दे सकती है।

यह निष्कर्ष प्रतिष्ठित जर्नल नेचर कम्युनिकेशन्स में प्रकाशित हुआ है, जिसमें बताया गया कि दिमाग में होने वाले शुरुआती बदलाव इंद्रियों, विशेष रूप से सूंघने की क्षमता पर असर डालते हैं।

जर्मनी के डीजेडएनई और लुडविंग-मैक्सिमिलियंस-यूनिवर्सिटी म्यूनिख के वैज्ञानिकों ने पाया कि दिमाग की प्रतिरक्षा प्रणाली इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। शोध के अनुसार, माइक्रोग्लिया नामक प्रतिरक्षा कोशिकाएं गलती से उन तंत्रिका रेशों पर हमला कर सकती हैं, जो सूंघने की क्षमता के लिए जरूरी होते हैं।

अध्ययन में बताया गया कि सूंघने से जुड़ी समस्या तब उत्पन्न होती है, जब दिमाग के दो अहम हिस्सों के बीच संचार बाधित हो जाता है। इनमें ओलफैक्ट्री बल्ब, जो नाक से आने वाले गंध संकेतों को प्रोसेस करता है, और लोकस कोरुलियस शामिल हैं, जो इस प्रक्रिया को तंत्रिका कनेक्शनों के जरिए नियंत्रित करता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जब माइक्रोग्लिया इन दोनों हिस्सों के बीच संपर्क को प्रभावित करती हैं, तो गंध पहचानने की क्षमता कमजोर पड़ने लगती है। यही बदलाव आगे चलकर अल्जाइमर के अन्य लक्षणों का संकेत बन सकते हैं।

इस अध्ययन में चूहों और इंसानों, दोनों पर आधारित साक्ष्य शामिल किए गए। शोधकर्ताओं ने दिमाग के ऊतकों के विश्लेषण और पीईटी स्कैनिंग के जरिए यह समझने की कोशिश की कि बीमारी के शुरुआती चरणों में ये परिवर्तन कैसे होते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सूंघने की क्षमता में कमी को समय रहते पहचाना जाए, तो यह अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारी के शुरुआती निदान में मददगार साबित हो सकता है, जिससे इलाज और देखभाल के बेहतर विकल्प विकसित किए जा सकते हैं।

बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर इजरायली हमला, आईडीएफ का दावा 135 ठिकानों को बनाया निशाना

बेरूत। सीजफायर के बावजूद लेबनान के खिलाफ इजरायली हमले जारी हैं। इजरायल डिफेंस फोर्सेस ने दावा किया है कि उन्होंने दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के 135 ठिकानों को निशाना बनाया है।

सेना के मुताबिक, बेक्का और दक्षिणी लेबनान में मौजूद लगभग 10 लॉन्च साइट्स, जिनका इस्तेमाल इजरायल पर हमलों के लिए किया जा रहा था, उन्हें नष्ट किया गया। इसके अलावा एक प्रशिक्षण शिविर और टायर क्षेत्र में 15 अन्य बुनियादी ढांचे से जुड़े ठिकानों पर भी कार्रवाई की गई।

इजरायली सेना ने दावा किया कि उसने एक कथित 'आतंकी सेल' को भी निशाना बनाया, जो कथित तौर पर हिज्बुल्लाह के लॉन्च बेस से बाहर निकल रहा था।

हालांकि, इन हमलों में कितने लोग हताहत हुए हैं, इसकी आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। लगातार बढ़ते हमलों के कारण पूरे क्षेत्र में तनाव और गहराता जा रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला चुएइफात इलाके के पास एक रिहायशी इमारत को निशाना बनाकर किया गया। सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में सामने आई तस्वीरों में इमारतों के ऊपर घना धुआं उठता दिखाई दिया। इस हमले के निशाने पर हिज्बुल्लाह की मिसाइल यूनिट के प्रमुख अली अल-हुसैनी थे।

इजरायल ने इससे पहले 6 मई को भी बेरूत के दक्षिणी उपनगरों, जिन्हें दहियाह के नाम से जाना जाता है, पर हमला किया था। इस बीच, लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इजरायली बलों ने सीमा से लगे कई कस्बों में नई जमीनी घुसपैठ की है।

रिपोर्ट के अनुसार, जिन इलाकों को निशाना बनाया गया उनमें तबनीन, कलैला, कफरदूनिन, शाकरा, अर-रामादियाह और दीर आमेस शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि इजरायली सेना ने इन इलाकों में सैन्य अभियान के तहत तलाशी और लक्षित कार्रवाई की। हालांकि, इन अभियानों के दौरान हुए नुकसान या हताहतों को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल के दिनों में सीमा पार हमलों, हवाई कार्रवाई और मिसाइल हमलों में तेजी देखी गई है।

सख्त खाल और धीमी गति से चलने वाला कछुआ, इकोसिस्टम का खास दोस्त

नई दिल्ली। प्रकृति में संतुलन बनाए रखने में कई जीव-जंतुओं का अहम योगदान होता है। यदि ये न हों तो पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बिगड़ सकता है। ऐसा ही इकोसिस्टम का एक खास साथी है सख्त खोल और धीमी गति से चलने वाला कछुआ यानी टर्टल, जो पानी और जमीन दोनों जगह पाए जाने वाला शांत स्वभाव का जीव है।

वास्तव में कछुए पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके संरक्षण से नदी और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र स्वस्थ रहता है। हर साल 23 मई को विश्व कछुआ दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य कछुओं के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है। साल 2000 में अमेरिकन टॉरटॉइस रेस्क्यू द्वारा शुरू किए गए इस दिवस के माध्यम से कछुओं के लुप्त होते आवासों की रक्षा और उनके संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है। भारत में कछुओं की सुरक्षा को लेकर सरकार काफी गंभीर है। इंडियन टेंट टर्टल को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-द्ध में शामिल किया गया है। इसे उच्चतम स्तर का संरक्षण प्राप्त है। नदियों में अवैध खनन के कारण इस प्रजाति के अस्तित्व पर खतरा बना रहता है। वहीं, अवैध व्यापार और पर्यावास का क्षरण भी इन प्रजातियों के लिए प्रमुख खतरे हैं। भारत में कछुओं की स्थिति देखें तो देश में मीठे पानी के कछुओं की लगभग 30 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से 26 प्रजातियों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची-द्ध में संरक्षित किया गया

है। असम, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में कछुओं की विविधता सबसे अधिक है। जानकारी के अनुसार, भारत में समुद्री कछुओं की पांच प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ऑलिव रिडले, ग्रीन टर्टल, लॉगरहेड, हॉक्सबिल और लेदरबैक शामिल हैं। इन सभी को भी अनुसूची-द्ध के तहत सुरक्षा प्राप्त है।

इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट के अनुसार कई प्रजातियां संकटग्रस्त हैं। हॉक्सबिल टर्टल को घोर संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है। कछुओं के सामने मुख्य चुनौतियों में आवास का नष्ट होना, जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण और अवैध व्यापार शामिल हैं।

सरकार ने इनके संरक्षण और उनके आवासों की सुरक्षा के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। देशभर में राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य और संरक्षण क्षेत्र बनाए गए हैं। 'वन्यजीव आवासों का एकीकृत विकास' योजना के तहत राज्यों को वित्तीय सहायता दी जाती है। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत अपराधों पर कठोर सजा और जुर्माने का प्रावधान है। वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो अवैध शिकार और व्यापार पर नजर रखता है। उत्तर प्रदेश में कुकरैल (लखनऊ), सारनाथ (वाराणसी) और चंबल (इटावा) में कछुआ संरक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रयागराज में 30 किलोमीटर लंबा कछुआ अभयारण्य भी बनाया गया है।

'कृष्णावतारम' में पौराणिक कथा नहीं, इतिहास दिखाया गया: अभिनेत्री संस्कृति जयना

मुंबई। अभिनेत्री संस्कृति जयना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कृष्णावतारम' को लेकर लगातार सुर्खियों बटोर रही हैं। पौराणिक-ऐतिहासिक फिल्म में उन्होंने 'सत्यभामा' का किरदार निभाया है। फिल्म को लेकर अभिनेत्री ने बताया कि इसकी कहानी को सत्यभामा के नजरिए से बनाया गया है।

अभिनेत्री संस्कृति जयना ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, 'फिल्म में कई ऐसी कहानियां और प्रसंग शामिल किए गए हैं, जिनके बारे में शायद आम लोगों को भगवान कृष्ण के संदर्भ में जानकारी न हो। सत्यभामा भी भगवान श्री कृष्ण के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं।'

अभिनेत्री संस्कृति जयना ने छोटी दिवाली के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा, 'आज बहुत से कम लोग जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण और सत्यभामा ने मिलकर अत्याचारी असुर नरकासुर का वध किया था, जिसकी खुशी में आज हम सभी लोग हर साल 'छोटी दिवाली' (नरक चतुर्दशी) मनाते हैं। ये ऐसी अनसुनी कहानियां हैं जो आज की पीढ़ी को शायद नहीं पता। इस फिल्म के माध्यम से वे अपनी समृद्ध विरासत के इन सुनहरे पन्नों से रूबरू हो सकेंगे।' जब अभिनेत्री संस्कृति जयना से आईएएनएस ने पूछा कि क्या आज का सिनेमा अपनी जड़ों और आध्यात्मिकता से दूर हो रहा है तो अभिनेत्री ने कहा, 'मैं पूरी फिल्म इंडस्ट्री पर टिप्पणी नहीं कर सकती, लेकिन हम अपनी फिल्म के जरिए लोगों को संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से फिर से जोड़ने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से मुझे इन कहानियों को 'पौराणिक कथाएं' कहना पसंद नहीं है, क्योंकि हमारे लिए यह इतिहास है। हमारे पास द्वारका जैसी जगहों के सबूत मौजूद हैं और हमारी विरासत से जुड़े ऐसे कई और भी पहलू हैं।'

संस्कृति जयना ने अपने किरदार के बारे में विस्तार से बात करते हुए बताया कि सत्यभामा की इस यात्रा के जरिए दर्शक न केवल उनके चरित्र को समझेंगे, बल्कि भगवान कृष्ण, राधा रानी और रुक्मिणी जी के बीच गहरे रिश्तों को भी एक नजरिए से देख पाएंगे। उन्होंने कहा, 'मैं सत्यभामा से बहुत ज्यादा जुड़ाव महसूस करती हूं। वह बहुत ही सरल स्वभाव की थीं और अपनी भावनाओं को जाहिर करने से कभी नहीं डरती थीं। वह बहुत साहसी थीं और हमेशा सच के साथ खड़ी रहती थीं। असल में, इसी वजह से उन्हें 'सत्यभामा' नाम मिला था।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आज की महिलाएं उनके इस सफर से बहुत मजबूती से जुड़ पाएंगी, क्योंकि वे भी अपनी हिम्मत और अपनी आवाज को ढूंढ़ने की कोशिश कर रही हैं। सत्यभामा उसी ताकत और हिम्मत की प्रतीक थीं। मैं भी उनके इसी भावनात्मक सफर से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हूं।

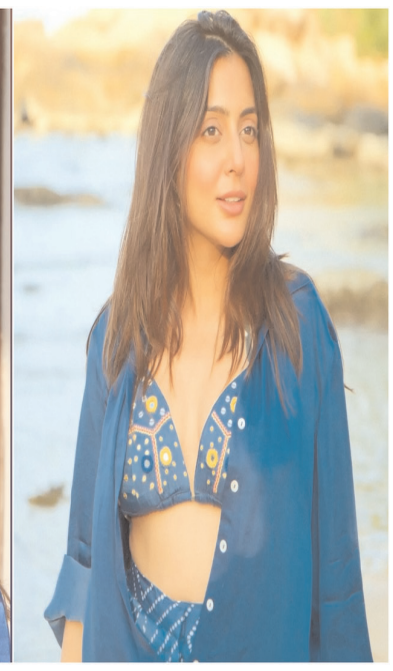

बकरीद पर मां को याद कर सुजैन खान का छलका दर्द, अली फजल ने चाहने वालों के लिए की बेहतर कल की कामना

मुंबई। बकरीद का त्योहार हमेशा खुशियों, परिवार और अपनों के साथ बिताए खूबसूरत पलों के लिए जाना जाता है। इस खास मौके पर एक तरफ बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी और इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान ने अपनी दिवंगत मां जरीन खान को याद करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। दूसरी तरफ अभिनेता अली फजल ने भी तस्वीरें पोस्ट कर लोगों को बधाई दी।

सुजैन खान ने इंस्टाग्राम पर मां जरीन खान की याद में कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में जरीन खान परिवार के साथ मुस्कुराती दिखाई दे रही है। कुछ तस्वीरों में मां-बेटी का खूबसूरत बॉन्ड भी देखने को मिल रहा है। एक तस्वीर में सुजैन अपनी मां के साथ बाहर लंच करती हुई नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में दोनों किसी पार्टी में दिख रही हैं। पोस्ट में कुछ पुरानी ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें भी थीं, जिनमें बचपन की यादें कैद थीं।

इन तस्वीरों के साथ सुजैन ने कैप्शन में अपनी मां को 'सुपर ट्रूपर' बताते हुए ईद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, ''मेरी मां अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन परिवार उन्हें हर पल महसूस करता है। मां ने जिंदगी में जो सीख दी, वह हमेशा हमारे दिल में जिंदा रहेगी। सोशल मीडिया पर लोगों ने सुजैन की पोस्ट पर ढेर सारे कमेंट्स किए। कई लोगों ने उनकी मां को श्रद्धांजलि दी, तो कई फैंस ने दिल और दुआ वाले इमोजी के जरिए अपना प्यार जताया।

दूसरी ओर, अभिनेता अली फजल ने भी ईद के मौके पर अपनी एक तस्वीर साझा की। पोस्ट में अली बेहद सादगी भरे अंदाज में नजर आए। उन्होंने परिवार और अपने करीबियों के साथ बिताए पलों को फैंस के साथ शेयर किया।

अली फजल ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में ईद की शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''मैं अपने परिवार के साथ हूं और दुनिया भर के उन सभी परिवारों का शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे इतना प्यार दिया कि मैं जहां भी जाता हूं, हर जगह अपनापन महसूस करता हूं।''

उन्होंने आगे लिखा, ''यह संदेश उन लोगों के लिए भी है, जो दुनिया में प्यार और इंसानियत को वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। मेरी दुआ है कि हर इंसान तक रोशनी पहुंचे और दुनिया आने वाले कल में और बेहतर बने। मैं यहां हूं और कहीं जाने वाला नहीं हूं।

दवाइयां हुईं फेल तो टीवी एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री के काम आया योग, रात का अनुभव किया शेयर

मुंबई, 28 मई (आईएएनएस)। टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री नारायणी शास्त्री ने गुरुवार को अपनी सेहत से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया कि रात को उतनी तबीयत अचानक इतनी खराब हो गई थी, जिससे उन्हें आधी रात में अस्पताल जाना पड़ा।

वीडियो में अभिनेत्री बताती हैं कि रात करीब 2 बजे उनके पेट में असहनीय दर्द शुरू हो गया। शुरू में, तो उन्हें लगा कि यह सिर्फ गैस की सामान्य समस्या है, लेकिन दिक्कत ज्यादा बढ़ी, तो उन्हें अस्पताल जाना पड़ा। वीडियो में नारायणी शास्त्री कहती हैं, 'पिछली रात मेरे लिए बहुत भयावह थी। रात करीब 2 बजे मेरे 'एब्डोमेन' में बहुत तेज दर्द शुरू हो गया था। पहले तो मुझे लगा कि ये मामूली-सा गैस का दर्द है, लेकिन दर्द किसी एक खास जगह पर नहीं था, बल्कि पूरे पेट के हिस्से में हो रहा था, इसलिए मैंने पुदीना, अजवाइन और जो कुछ भी मेरे पास था, सब आजमाकर देखा, लेकिन दर्द बढ़ता ही जा रहा था। फिर मेरे पति टोनी मुझे तुरंत अस्पताल ले गए।'

उन्होंने बताया, 'दर्द इतना हो रहा था कि मैं लोट-पोट हो रही थी। मुझे चक्कर भी आ रहा था। डॉक्टर ने तुरंत मुझे पेनकिलर दी। मेरे सीटी स्कैन और ब्लड टेस्ट की सभी रिपोर्ट सामान्य आईं, किसी तरह की कोई समस्या नहीं मिली। इसके बाद जब मैं घर लौटी, तो सोचने लगी कि आखिर परेशानी की वजह क्या हो सकती है।

पंडवानी गायिका तीजन बाई की तबीयत बिगड़ी, एम्स रायपुर में चल रहा इलाज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी लोक गायिका और पद्मविभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई की तबीयत अचानक बिगड़ जाने के बाद उन्हें रायपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसके बाद उन्हें तुरंत इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में स्थानांतरित किया गया।

तीजन बाई की बहू वेणु देशमुख ने बताया कि बुधवार देर रात उन्हें एमआईसीयू में शिफ्ट किया गया। अस्पताल लाते समय उनकी स्थिति काफी गंभीर थी। डॉक्टरों द्वारा किए गए पूरे मेडिकल चेकअप और रिपोर्ट्स में पता चला कि उनके फेफड़ों में पानी भर गया है। साथ ही उन्हें निमोनिया भी है और ब्लड प्रेशर काफी कम दर्ज किया गया है।

गायिका की बहू वेणु देशमुख ने कहा कि एम्बुलेंस से तुरंत एम्स लाए जाने और डॉक्टरों द्वारा दिए गए त्वरित इलाज के बाद तीजन बाई की स्थिति अब पहले से काफी बेहतर है। उन्होंने कहा कि वे खतरे से बाहर हैं। परिवार के सदस्यों और उनके लाखों प्रशंसकों को इस खबर से बड़ी राहत मिली है। परिवार के साथ ही उनके अनगिनत प्रशंसक जल्द स्वस्थ होकर घर लौटने की प्रार्थना कर रहे हैं। डॉक्टर्स की स्पेशल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। तीजन बाई की उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए डॉक्टर सावधानी बरत रहे हैं।

तीजन बाई छत्तीसगढ़ का गौरव मानी जाती हैं। पंडवानी गायिका तीजन बाई ने पूरे देश और विदेश में इस लोक कला को पहचान दिलाई है। उनकी आवाज और महाभारत की कथाओं को अपनी अनोखी शैली में प्रस्तुत करने की शैली दुनिया भर के संगीत प्रेमियों के बीच खासा लोकप्रिय है।

तीजन बाई ने पंडवानी लोककला को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। 1980 में तीजन बाई ने सांस्कृतिक राजदूत के रूप में इंग्लैंड, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, टर्की, माल्टा, साइप्रस, रोमानिया और मॉरीशस की यात्रा की थी और उन्हें 1988 में पद्मश्री सम्मान मिला था। इसके साथ ही 1995 में उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। साल 2019 में पद्म विभूषण सहित कई सम्मान से उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।

गोवा में समीरा रेड्डी के बगीचे से अर्चना पूरन सिंह ने तोड़े काजू, पति और बेटों संग लिया अनोखे फल का मजा

मुंबई। अभिनेत्री समीरा रेड्डी मुंबई की चकाचौंध से दूर गोवा में रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह अपने परिवार के साथ समीरा रेड्डी के घर घूमने पहुंचीं। इस दौरान अर्चना ने पहली बार काजू के फल का स्वाद चखा।

अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अर्चना अपने परिवार के साथ पहली बार काजू का फल चख रही हैं। शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि अर्चना पूरन सिंह पूरे परिवार के साथ समीरा के बगीचे में काजू का फल तोड़ती हैं जबकि समीरा उन्हें इस मज़ेदार अनुभव के बारे में बताती हैं।

वहीं, अर्चना कहती हैं कि ये फल उनकी जिंदगी की खास यादों में एक है। अर्चना के पति परमीत सेठी और उनके बेटे आर्यमन सेठी और आयुष्मान सेठी भी इस पल का एक साथ आनंद लेते हुए दिखाई दिए। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए, समीरा ने लिखा, 'हमारे घर पर अर्चना पूरन सिंह ने पहली बार काजू के फल का स्वाद चखा।'

बता दें कि अभिनेत्री समीरा रेड्डी कोविड-19 महामारी के दौरान मुंबई से गोवा शिफ्ट हो गई थीं, ताकि वे शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी से दूर एक शांत जीवन जी सकें। समीरा रेड्डी गोवा में अपने परिवार के साथ एक शांत और प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली जी रही हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए गोवा में बिताए पलों को शेयर करती हैं। हालांकि, अभिनेत्री अपने काम के सिलसिले में मुंबई आती-जाती रही हैं।अभिनेत्री हाल ही में फिल्म आखिरी सवाल में नजर आई थी, जो 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी करते हुए समीरा ने 'प्रोफेसर पल्लवी मेनन' का किरदार निभाया है, जो एक वामपंथी विचारक हैं।

इस राजनीतिक ड्रामा फिल्म का निर्देशन अभिजीत मोहन वारंग ने किया है और इसमें समीरा रेड्डी ने एक महत्वपूर्ण नेगेटिव भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, नमाशी चक्रवर्ती और अमित साध भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

डायरेक्टर और एक्टर की दोहरी भूमिका निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण था: पीटर विल्सन

मुंबई। अभिनेता-निर्देशक पीटर विल्सन आगामी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म का नाम 'ऑब्सेस' में नजर आएंगे। खास बात यह है कि पीटर ने फिल्म में निर्देशक की कमान संभालने के साथ-साथ पीटर इसमें एक मुख्य भूमिका भी अदा की है, जिसे लेकर अभिनेता का कहना है कि एक ही समय पर दो रोल निभाना वाकई मुश्किल काम है।

अभिनेता-निर्देशक पीटर विल्सन ने आईएएनएस के साथ बातचीत में फिल्म से जुड़े अनुभवों और चुनौतियों पर बात की। उन्होंने बताया, 'यह बहुत ज्यादा मुश्किल काम था क्योंकि एक्टिंग और निर्देशन पूरी तरह से अलग-अलग काम हैं। आप इन दोनों को आपस में मिला नहीं सकते। एक निर्देशक के तौर पर आपको लगातार यह सोचना पड़ता है कि पूरी फिल्म को किस चीज की जरूरत है, जबकि एक्टर के

तौर पर आपका पूरा ध्यान सिर्फ अपने किरदार पर होता है। कहानी के हिसाब से दोनों ही जिम्मेदारियों में बड़ी चुनौतियां थीं, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि दर्शकों को हमारा काम पसंद आएगा। मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म चुनने को लेकर उन्होंने बताया कि वे हमेशा से अलग करने का चाह रखते हैं। उन्होंने कहा, ''ओब्सेस' मेरे लिए एक एक्सपेरिमेंटल सिनेमा है, जो दर्शकों को नया अनुभव देगा। यह एक ऐसी थ्रिलर फिल्म है, जिसमें इंसानी भावनाओं को बहुत ही अनोखे अंदाज में पर्दे पर उतारा गया है।' अपनी सह-कलाकार के बारे में बात करते हुए पीटर विल्सन ने बताया कि कहानी के साथ किरदारों का बदलना जरूरी था। इस फिल्म के लिए, मुझे एक ऐसे कलाकार की जरूरत थी, जिसे थिएटर की अच्छी-खासी समझ हो, साथ ही, वह किरदार को स्वाभाविक रूप से निभा सके, तो ईशा जी ने यह काम बहुत ही खूबसूरती से किया।

बीजिंग में डब्ल्यूएमसीसी की 35वीं बैठक

बीजिंग। नई दिल्ली और बीजिंग ने भारत-चीन सीमा मामलों पर सलाह और समन्वय के लिए बने वर्किंग मैकेनिज्म (डब्ल्यूएमसीसी) की 35वीं बैठक की। इस दौरान दोनों देशों ने सीमा निर्धारण, सीमा प्रबंधन, अलग-अलग तंत्रों के निर्माण और सीमा पार सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बुधवार को बीजिंग में हुई इस बैठक में भारतीय पक्ष ने सीमा पार नदियों से जुड़े एक्सपर्ट लेवल मैकेनिज्म की अगली बैठक जल्द कराने पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय (एमईए) की ओर से जारी बयान के मुताबिक, दोनों देशों ने यह भी तय किया कि वे राजनयिक और सैन्य स्तर पर नियमित बातचीत और संपर्क बनाए रखेंगे। इसके लिए उन तंत्रों का भी इस्तेमाल किया जाएगा जिन पर 24वीं स्पेशल रिप्रजेंटेटिव (एसआर) वार्ता के दौरान सहमति बनी थी। एमईएने अपने बयान में कहा, 'बातचीत सकारात्मक रही और भविष्य को ध्यान में रखकर की गई। दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने में हुई प्रगति पर संतोष जताया, जिससे दोनों देशों के रिश्तों को धीरे-धीरे सामान्य बनाने में मदद मिली है।'

इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) सुजीत घोष ने की, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय के सीमा और समुद्री मामलों विभाग की महानिदेशक होउ यानकी ने किया।

दोनों देशों के अधिकारियों ने इस बात पर भी सहमति जताई कि वे चीन में होने वाली अगली स्पेशल रिप्रजेंटेटिव (एसआर) बैठक की मजबूत तैयारी के लिए मिलकर काम करेंगे। इस यात्रा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख ने चीन के विदेश मंत्रालय के एशियाई मामलों के विभाग के महानिदेशक लियू जिनसोंग और चीन के सहायक विदेश मंत्री होंग लेई से मुलाकात की। इससे पहले अप्रैल में भारत और चीन ने नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की द्विपक्षीय वार्ता की थी। इस दौरान एससीओ नेताओं के फैसलों को लागू करने और संगठन की आगे की दिशा पर चर्चा हुई थी। एमईए के बयान के मुताबिक, दोनों देशों ने एससीओ से जुड़े मामलों में आपसी सहयोग और बातचीत को आगे भी जारी रखने और मजबूत करने पर सहमति जताई। 16-17 अप्रैल को नई दिल्ली में हुई इस बैठक में भारत की ओर से एससीओ के नेशनल कोऑर्डिनेटर राजदूत आलोक ए. डिमरी और चीन की ओर से राजदूत यान वेनबिन ने अपने-अपने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व किया।

एमईए के बयान में कहा गया, 'दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने संयुक्त रूप से सचिव (पश्चिम) सीबी जॉर्ज से मुलाकात की और एससीओ ढांचे के तहत सुरक्षा, व्यापार, कनेक्टिविटी और लोगों के बीच संबंधों जैसे क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। दोनों पक्षों ने भविष्य में भी आपसी बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई।'

किर्गिस्तान के पास 2025-2026 के लिए एससीओ की अध्यक्षता है। किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सादिर जापारोव ने इस कार्यकाल की थीम घोषित की 'एससीओ के 25 साल: टिकाऊ शांति, विकास और समृद्धि की ओर मिलकर आगे बढ़ना।'

साइप्रस में एस जयशंकर : ईयू विदेश मंत्रियों की बैठक में हुए शामिल

निकोसिया। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर साइप्रस में यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक- जिम्निच में भाग लेने के लिए पहुंचे। गुरुवार को उन्होंने अपने फ्रांसीसी, स्पेनिश, पोलिश, रोमानियाई और डच समकक्षों से मुलाकात की।

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। कुछ तस्वीरें साझा की। इनमें स्पेनिश विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस से खास मुलाकात और द्विपक्षीय संबंधों को लेकर चर्चा का भी जिक्र था। उन्होंने कहा, स्पेन के विदेश मंत्री स्पेन के विदेश मंत्री के साथ साइप्रस में आयोजित जिम्निच बैठक के बीच मुलाकात सुखद रही।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर दोनों के बीच व्यापार, तकनीक, रक्षा और पीपल टू पीपल (पीटूपी) संबंधों को और मजबूत करने के अगले कदमों पर चर्चा हुई। साथ ही, मौजूदा वैश्विक और क्षेत्रीय परिस्थितियों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

इसके साथ ही उन्होंने साइप्रस में कई यूरोपीय नेताओं से भी मुलाकात की। इनमें फ्रांसीसी विदेश मंत्री नोएल बैरोट, पोलैंड के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की, रोमानिया की विदेश मंत्री ओआना त्सोयू और नीदरलैंड के विदेश मंत्री टॉम बेरेन्डसन शामिल रहे। इन मुलाकातों को द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

ये बैठक साइप्रस के लिमासोल में आयोजित हो रही है। दूसरी एक्स पोस्ट में ग्रुप फोटो से लेकर अलग-अलग देशों के समकक्षों संग मुलाकात की तस्वीरें हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि इस बैठक में ईयू और क्षेत्रीय साझेदारों के साथ भारत का रिश्ता लगातार विभिन्न क्षेत्रों व्यापार, तकनीक, रक्षा और पीपल टू पीपल संबंधों में और गहरा हो रहा है।

संक्षिप्त खबर

चीन के हेनान में सेमी ट्रेलर ट्रक से टकराई वैन, हादसे में 13 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के मध्य हेनान प्रांत में गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। एक्सप्रेसवे पर एक यात्री वैन सेमी-ट्रेलर ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, यह दुर्घटना गुरुवार सुबह करीब 2:40 बजे नानयांग शहर के एक्सप्रेसवे सेक्शन पर हुई। नौ सीट वाली यात्री वैन में उस समय 16 लोग सवार थे, यानी गाड़ी में जरूरत से ज्यादा लोग बैठे थे। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने जांच और राहत कार्य की निगरानी के लिए एक टीम नानयांग भेजी है। यह हादसा हाल की एक और बड़ी त्रासदी के बाद हुआ है। काउंटी के आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो के अनुसार, उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में हुए कोयला खदान हादसे में अब तक 82 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि नौ लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं।

होर्मुज में तनावः अमेरिका का दावा 'ईरानी ड्रोन को मार गिराया,' एक और सैन्य कार्रवाई की पुष्टि

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने ईरान के ड्रोन मार गिराने और एक और सैन्य कार्रवाई की पुष्टि की है। सोमवार को भी ईरानी बोट्स को निशाना बनाया गया था। दूसरी ओर ईरान ने भी अज्ञात अमेरिकी एयरबेस पर हमले का दावा किया है। सेंटकाम ने दावा किया है कि उसने ईरान के चार ड्रोन को मार गिराया है और साथ ही एक सैन्य ठिकाने पर भी हमला किया है, जहां एक और ड्रोन लॉन्च की तैयारी चल रही थी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई उस समय की गई जब ये ड्रोन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास अमेरिकी और वाणिज्यिक जहाजों के लिए खतरा बन रहे थे। इस ऑपरेशन में जिस ठिकाने को निशाना बनाया गया, वह दक्षिणी ईरान के बंदर अब्बास क्षेत्र में स्थित एक ड्रोन नियंत्रण केंद्र बताया जा रहा है। यह एक हफ्ते के भीतर ईरान पर अमेरिका की दूसरी बड़ी सैन्य कार्रवाई है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। सेंटकाम ने इस कार्रवाई को एक बार फिर 'सेल्फ-डिफेंसिव,' यानी आत्म-रक्षा के तहत उठाया गया कदम करार दिया है और कहा कि इसका उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ते खतरों को रोकना और शिपिंग मार्गों की सुरक्षा बनाए रखना है। वहीं, ईरान ने इन हमलों की कड़ी निंदा की है और कहा है कि यह कदम मौजूदा संघर्षविराम का सीधा उल्लंघन है। तेहरान का आरोप है कि अमेरिका लगातार क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहा है और उसकी सैन्य कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ हैं।

हंतावायरस का खौफ : ऑस्ट्रेलिया ने 6 क्रूज यात्रियों का क्वारंटीन पीरियड बढ़ाया

कैनबरा। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में रह रहे और एमवी होंडियस में यात्रा कर चुके छह क्रूज यात्रियों की क्वारंटीन अवधि जून तक के लिए बढ़ा दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार ऐसा ऐहतियातन किया गया। जानकारी के मुताबिक, इसी जहाज से जुड़े कुछ यात्रियों में हंता वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है, जिसके बाद सावधानी के तौर पर निगरानी अवधि को जून तक बढ़ाया गया है। चार ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, एक स्थायी निवासी और एक न्यूजीलैंड का नागरिक 15 मई से पर्थ के पास एक राष्ट्रीय क्वारंटीन केंद्र में हैं। अब इनकी आइसोलेशन अवधि 23 जून तक बढ़ा दी गई है, ताकि वायरस के संभावित 42-दिवसीय इनक्यूबेशन पीरियड को पूरी तरह कवर किया जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने कहा कि यह निर्णय सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सलाह के आधार पर लिया गया है। अब तक सभी छह यात्रियों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है और उनमें किसी तरह के लक्षण नहीं पाए गए हैं, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि देर से लक्षण सामने आने की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। यह मामला डच-फ्लैग वाले क्रूज जहाज एमवी होंडियस से जुड़ा है, जहां पहले भी संक्रमण के कई मामले सामने आ चुके हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, इस प्रकोप से जुड़े मामलों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। हालांकि 2 मई के बाद से इसके संक्रमण से मौत की पुष्टि नहीं हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक ट्रेड्रोस अधानोम घेब्रियेसस ने बताया कि अब तक इस संक्रमण से तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि बाकी मरीजों का इलाज चल रहा है और स्थिति फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

हंतावायरस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर बीमारी है, जो आमतौर पर संक्रमित रोडेन्ट्स या चूहों के संपर्क में आने से फैलती है। मानव से मानव में इसका प्रसार बहुत कम मामलों में देखा गया है।

अमेरिका ने तिब्बती नेता पेन्पा त्सेरिंग को दी बधाई

वाशिंगटन। अमेरिका ने केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के लोकतांत्रिक चुनावों और उसके नए कार्यकाल के लिए बधाई दी है।

अमेरिकी विदेश विभाग के लोकतंत्र, मानवाधिकार और श्रम मामलों के सहायक सचिव राइली बार्न्स ने पेन्पा त्सेरिंग को दोबारा सिकीओंग (सीटीए अध्यक्ष) चुने जाने पर बधाई दी।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) और दुनिया भर में रह रहे तिब्बती लोगों और पेन्पा त्सेरिंग को चुनाव जीतने की बधाई। अमेरिका तिब्बती नेतृत्व के साथ लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए प्रतिनिधियों के साथ जुड़ा रहेगा और दुनिया भर के तिब्बतियों के लिए काम करता रहेगा।' पेंन्पा त्सेरिंग ने बुधवार को सीटीए के सिक्योंग के तौर पर अपने दूसरे पंच वर्षीय कार्यकाल की शपथ ली। ये समारोह बेहद खास था। शपथ ग्रहण समारोह में 90 वर्ष के तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा भी मौजूद थे। समारोह हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में संपन्न हुआ। शपथ ग्रहण समारोह को तिब्बती समुदाय के लिए केवल औपचारिक नहीं बल्कि राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अपने संबोधन में त्सेरिंग ने कहा कि वो धर्म गुरु दलाई लामा के दिशा-निर्देश में, उनके विचारों के तहत आगे बढ़ने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'काशाग (मंत्रिमंडल) राजनीतिक और सामाजिक कल्याण से जुड़ी पहलों को आगे बढ़ाते हुए तिब्बत संघर्ष की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने पर काम करेगा।

स्विट्जरलैंड के रेलवे स्टेशन पर चाकू से हमला, तीन घायल; संदिग्ध गिरफ्तार

ज्यूरिख। स्विट्जरलैंड स्थित एक रेलवे स्टेशन पर शख्स ने धारदार चाकू से कई लोगों पर ताबड़तोड़ हमला किया। पुलिस के अनुसार इस हमले में तीन लोग घायल हैं जिसमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

ज्यूरिख के पास स्थित विंटरथुर शहर के एक रेलवे स्टेशन पर चाकू से ये हमला हुआ। घटना सुबह (स्थानीय समयानुसार) हुई और संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किया गया व्यक्ति 31 वर्षीय स्विस नागरिक है। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। स्थानीय पुलिस ने कहा कि घटना के बाद इलाके में बड़े पैमाने पर सुरक्षा अभियान चलाया गया और स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया। स्विस अखबार ब्लिक ने एक वीडियो के हवाले से बताया कि हमले के वक्त एक व्यक्ति स्टेशन परिसर से भागते हुए धर्म विशेष के नारे लगा रहा था। हालांकि, पुलिस ने इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है। अखबार ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से बताया कि हमलावर के हाथ में चाकू था और आसपास मौजूद लोग डरकर भागने लगे। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि हमले के पीछे का मकसद अभी जांच के अधीन है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। स्थानीय समाचार पत्रों के अनुसार, रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा पुलिस ऑपरेशन चला। पुलिस काफी तादाद में वहां मौजूद रही। अंडरपास की ओर जाने वाली लिफ्ट भी बंद कर दी गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वारदात के पांच मिनट बाद दस से पंद्रह पुलिस गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

ओमान को ट्रंप ने धमकाया, ईरान बोला 'हम आपके साथ खड़े हैं'

तेहरान/मस्कट। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित धमकी के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। इस बयान के बाद ईरान ने ओमान के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखने की बात कही है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान, अमेरिकी अधिकारियों की धमकियों के खिलाफ ओमान के साथ खड़ा है।

यह प्रतिक्रिया तब आई जब डोनाल्ड ट्रंप ने कथित तौर पर कहा कि यदि ओमान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण के मुद्दे पर 'बाकी देशों की तरह व्यवहार' नहीं किया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

बाघेई ने इस बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की धमकियां क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि किसी ऐसे देश को धमकाना, जो क्षेत्रीय शांति और स्थिरता में लगातार रचनात्मक और जिम्मेदार भूमिका निभाता रहा है, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में 'कानून की धज्जियां उड़ाने और दबाव की राजनीति' को सामान्य बनाने का खतरनाक संकेत है।

उन्होंने कहा कि संबंधित देश वर्षों से क्षेत्रीय शांति प्रक्रियाओं में मध्यस्थ की भूमिका निभाता आया है और स्थिरता बनाए रखने के प्रयासों में सक्रिय रहा है। ऐसे में उसे सैन्य धमकी देना न केवल बल प्रयोग पर प्रतिबंध के सिद्धांत का उल्लंघन है, बल्कि वैश्विक कूटनीति के मूल ढांचे को भी कमजोर करता है।

बाघेई ने इसे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में 'धौंस जमाने और अव्यवस्था के सामान्यीकरण' की प्रवृत्ति बताया और कहा कि ऐसे कदम वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

ईरान का कहना है कि बाहरी दबाव और सैन्य कार्रवाई से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बजाय और बढ़ रहा है, जिससे पूरी क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ट्रंप ने उस कथित प्रस्ताव को सख्ती से खारिज कर दिया, जिसमें ओमान और ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क या टोल व्यवस्था को लेकर चर्चा किए जाने की बात सामने आई थी।

पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण की बरसी पर बलूच संगठन का विरोध प्रदर्शन, दुनिया भर में अभियान

सोल। बलूच नेशनल मूवमेंट ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित चागाई जिले में 1998 में किए गए परमाणु परीक्षणों की 28वीं बरसी पर दुनिया के कई देशों में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन और जागरूकता अभियान चलाए।

रिपोर्ट के अनुसार, इसी अभियान के तहत दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में भी एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किया गया, जहां परमाणु परीक्षणों के पर्यावरणीय और मानवीय प्रभावों को लेकर लोगों को जागरूक किया गया।

संगठन ने प्रदर्शनकारियों को अंग्रेजी और कोरियाई भाषा में संबोधित किया। उन्होंने चागाई क्षेत्र में कथित रूप से लंबे समय से झेली जा रही स्वास्थ्य और पर्यावरणीय समस्याओं पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों ने परमाणु परीक्षणों से प्रभावित समुदायों के लिए न्याय, पर्यावरणीय पुनर्वास और जवाबदेही की मांग की।

उन्होंने कहा, 'अभियान के तहत ब्रिटेन के लंदन, मैनचेस्टर और कैंब्रिज सहित कई शहरों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन कार्यक्रमों में पर्चे बांटकर यह संदेश दिया गया कि 1998 में किए गए परमाणु परीक्षणों का स्थानीय आबादी पर दीर्घकालिक असर पड़ा है। लोगों ने इसके खिलाफ नारे भी लगाए।'

ईरान पर अमेरिका का नया प्रतिबंध, पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी को किया ब्लैकलिस्ट

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान पर दबाव बढ़ाते हुए एक नई पाबंदी लगाई है। अमेरिकी वित्त विभाग ने ईरान के 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी' को स्पेशली डिजिग्नेटेड नेशनल्स (एसडीएन) सूची में शामिल कर लिया है। यह प्राधिकरण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में समुद्री यातायात की निगरानी के लिए बनाया गया है।

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफएसी) ने बुधवार को वेबसाइट पर जारी बयान में आरोप लगाया कि यह प्राधिकरण व्यावसायिक जहाजों से 'अवैध शुल्क' वसूलने और सुरक्षित मार्ग देने के बदले उन्हें ईरानी निर्देशों का पालन करने के लिए मजबूर कर रहा था।

अमेरिका ने चेतावनी दी है कि इस संस्था के साथ सहयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति या कंपनी पर भी प्रतिबंध लग सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, 'वैश्विक समुद्री व्यापार से वसूली करने की ईरानी सेना की यह नई कोशिश दिखाती है कि 'इकोनॉमिक फ्यूरी' अभियान ने ईरानी शासन को आर्थिक रूप से हताश कर दिया है।' ईरान ने 18 मई को 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी' की स्थापना की थी। 20 मई को एक्स पर जारी बयान में कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा और अनुमति लेनी होगी।

इस बीच, व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान को उम्मीद थी कि अमेरिका में होने वाले मध्यावधि चुनावों के कारण उन पर राजनीतिक दबाव बढ़ेगा, लेकिन ऐसा नहीं होगा। ट्रंप ने कहा, 'उन्हें लगा कि वे मेरा इंतजार कर लेंगे। मुझे मध्यावधि चुनावों की परवाह नहीं है।' ईरान के साथ चल रही वार्ताओं पर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अभी मौजूदा शर्तों से संतुष्ट नहीं है और जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई फिर शुरू करने के लिए तैयार है।

छह नागा नागरिकों के अपहरण के मामले में चार संदिग्ध गिरफ्तार : मणिपुर सीएम

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने गुरुवार को कहा कि छह नागा नागरिकों के अपहरण मामले में सुरक्षा बलों ने चार संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया है। राज्य सरकार इस पूरे मामले को बेहद गंभीरता से देख रही है और अपहृत लोगों को सुरक्षित छुड़ाने के लिए लगातार बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां अलग-अलग इलाकों में समन्वय के साथ अभियान चला रही हैं। अपहृत लोगों का जल्द से जल्द पता लगाने और उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए तलाशी और कॉम्बिंग ऑपरेशन तेज कर दिए गए हैं। कांगपोकपी जिले के माखन नागा गांव के दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, '13 मई को हुई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में शामिल अपराधियों को पकड़ने के लिए जांच जारी है। सरकार बंधक बनाए गए लोगों को लेकर जनता की भावनाओं को समझती है और जल्द ही उन्हें खोज निकाला जाएगा।' माखन नागा गांव में जातीय हिंसा से प्रभावित आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) के लिए राहत शिविर बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने यहां माखेन बैपटिस्ट चर्च में रह रहे लोगों से मुलाकात की। इनमें कोंसाखुल गांव की नागा महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, जिन्हें हाल ही में हथियारबंद उग्रवादियों ने बंधक बना लिया था और बाद में रिहा कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने राहत शिविर में रह रहे लोगों को चावल, दाल, आलू, प्याज, खाद्य तेल, चीनी, चायपत्ती और बिस्कुट जैसी जरूरी राहत सामग्री भी वितरित की। वर्तमान में इस राहत शिविर में करीब 35 लोग रह रहे हैं।

उन्होंने गांव के सामुदायिक भवन का भी निरीक्षण किया और गांव के मुखिया तथा जिला अधिकारियों से अधिक विस्थापित लोगों को ठहराने की संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कांगपोकपी के डिप्टी कमिश्नर को निर्देश दिए कि राहत शिविर में गद्दे, मच्छरदानी और अन्य जरूरी सामान तुरंत उपलब्ध कराए जाएं। गांव के मुखिया ने मुख्यमंत्री को बताया कि कांगपोकपी जिले में कई नागा परिवार डर के कारण अपने गांव छोड़ चुके हैं।

गौतमबुद्धनगर में आंधी-तूफान और वज्रपात को लेकर प्रशासन का अलर्ट, लोगों से सतर्क रहने की अपील

गौतमबुद्धनगर। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के बाद जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर ने जिले के लोगों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए आगामी दिनों में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन के अनुसार 28 मई से 31 मई 2026 तक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इस दौरान तेज आंधी, तूफान, बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात की संभावना जताई गई है।

जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी ने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार 29 मई को मौसम का असर सबसे अधिक देखने को मिल सकता है। इस दिन कई क्षेत्रों में 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जबकि हवा के झोंके 100 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकते हैं। मौसम विभाग ने गौतमबुद्धनगर को ऑरेंज ज़ोन में रखा है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के दौरान जनहानि, पशुहानि और संपत्ति के नुकसान से बचने के लिए सभी लोगों को सतर्क रहना बेहद जरूरी है। जिला प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि वे मौसम संबंधी अलर्ट और चेतावनी प्राप्त करने के लिए अपने मोबाइल फोन में 'दामिनी ऐप' और 'सचेत ऐप' अवश्य डाउनलोड करें। इन ऐप्स के माध्यम से आंधी, तूफान, वज्रपात और खराब मौसम की पूर्व सूचना समय रहते प्राप्त की जा सकती है।

प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि खराब मौसम के दौरान पेड़ों के नीचे, मोबाइल टावरों और ऊंची इमारतों के पास खड़े होने से बचें। बच्चों को खुले मैदान में खेलने न भेजें और बिजली के उपकरणों, लोहे की खिड़कियों, दरवाजों तथा हैंडपंप को छूने से परहेज करें।

संक्षिप्त खबर

शायर बशीर बद्र का 91 साल की उम्र में निधन

भोपाल। उर्दू ग़ज़ल के शहंशाह डॉ. बशीर बद्र (91) नहीं रहे। उन्होंने गुरुवार दोपहर 12:15 बजे भोपाल में फानी दुनिया को अलविदा कहा। उर्दू अदब की रूह में समाए बशीर बद्र तक़रीबन 14 बरस डिमेंशिया की गिरफ़्त में रहे, जिससे उनकी याददाश्त कमजोर होती चली गई, मगर उनके शेर आज भी दिलों में धड़कते हैं। उनको आज शाम 7:30 बजे भोपाल टॉकीज के पास कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया जाएगा।

उनकी पत्नी, डॉ. राहत बद्र, जब उनके शेर गुनगुनातीं, तो बशीर साहब के चेहरे पर शादाबी की हल्की सी झलक उभर आती थी। कभी-कभी वे खुद भी मिसरा पूरा करने लगते। एक वक़्त था, जब उनके बिना मुशायरे अधूरे माने जाते थे। उनकी मौजूदगी महफ़िल की कामयाबी की ज़मानत हुआ करती थी। जब भी उन्हें मुशायरे की याद आती थी तो इरशाद, इरशाद कहने लगते थे।

शायरी में दर्द, मोहब्बत और ज़िंदगी की सच्चाई

डॉ. बद्र की शायरी में मोहब्बत का खुलूस, ज़िंदगी की तल्ख़ी, शहरी भाग-दौड़ की बेचैनी और हिंदुस्तानी मिट्टी की खुशबू मिलती है। उनके शेर सड़क से लेकर संसद तक गूंजते रहे हैं। उनकी ग़ज़लों ने देश-दुनिया में लोगों के दिलों को छुआ और ज़ुबानों पर चस्पा हो गए।

शादी से इनकार पर नाबालिग बेटी की हत्या कर फरार हो गया था पिता, गढ़वा पुलिस ने किया गिरफ्तार

गढ़वा। झारखंड के गढ़वा जिले में एक पिता ने अपनी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी की रस्सी से गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी और कमरे का दरवाजा बंद कर फरार हो गया। पुलिस ने लड़की का शव बरामद होने के 10 दिन बाद आरोपी पिता निर्मल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। गढ़वा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सत्येंद्र नारायण सिंह ने गुरुवार को एक प्रेस वार्ता में पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 19 मई को पुलिस को सूचना मिली थी कि परती कुशवानी गांव स्थित निर्मल सिंह के घर से तेज दुर्गंध आ रही थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मृतका के भाई अविनाश कुमार सिंह की मौजूदगी में घर का ताला तोड़ा गया। कमरे के अंदर आकृति कुमारी का शव पड़ा मिला। घटना के बाद मृतका के भाई के बयान पर केतार थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्य और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस को पता चला कि आरोपी घटना के बाद राजस्थान भाग गया था और जमानत की कोशिश में वापस गढ़वा आने वाला है।

नौसैनिक स्टेशन में अत्याधुनिक 64-स्लाइस सीटी स्कैन, 'गोल्डन ऑवर' में मिलेगा त्वरित इलाज

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने स्वास्थ्य सेवाओं को और आधुनिक एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके तहत अत्याधुनिक 64-स्लाइस सीटी स्कैन केंद्र की शुरुआत की गई है। दिल्ली में शुरू किए गए इस केंद्र व परियोजना से प्रतिवर्ष लगभग 8,000 लाभार्थियों को फायदा मिलने की उम्मीद है। साथ ही दुर्घटना और मस्तिष्काघात जैसे गंभीर मामलों में 'गोल्डन ऑवर' के दौरान त्वरित चिकित्सा प्रबंधन को भी मजबूती मिलेगी। यह जटिल समय में मरीज की जान बचाने में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

इस चिकित्सा सुविधा का उद्घाटन नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने किया। नौसेना के अनुसार, यह 64-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया और रोग निदान क्षमता को काफी मजबूत करेगी। विशेष रूप से ट्रॉमा, बाल चिकित्सा और न्यूरोलॉजिकल मामलों में यह सुविधा तेजी से और सटीक जांच सुनिश्चित करेगी। मशीन के माध्यम से सिर, छाती, पेट, हड्डियों, आघात संबंधी मामलों तथा कॉन्ट्रास्ट आधारित जांच सहित विभिन्न प्रकार की उन्नत रेडियोलॉजिकल इमेजिंग की जा सकेगी। इससे समय पर बीमारी की पहचान और उपचार में सहायता मिलेगी। नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित नेवल स्टेशन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर 'स्वस्तिका' में गुरुवार को यह अत्याधुनिक 64-स्लाइस सीटी स्कैन केंद्र का शुरू किया गया। यह केंद्र भारतीय नौसेना और पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के सहयोग से स्थापित किया गया है। इस दौरान वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारियों तथा पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्रतिनिधि भी उपस्थिति रहे। नेवल स्टेशन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर 'स्वस्तिका' दिल्ली स्थित नौसैनिक स्टेशन की प्रमुख स्वास्थ्य सुविधा है। यह लगभग 5,500 सेवारत नौसैनिक कर्मियों, 15,000 आश्रितों तथा 2,500 पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। नौसेना के मुताबिक, नए सीटी स्कैन केंद्र के शुरू होने से हजारों नौसैनिक कर्मियों और उनके परिवारों को उन्नत डायग्नोस्टिक सेवाओं तक तेज और बेहतर पहुंच उपलब्ध हो सकेगी। भारतीय नौसेना ने कहा कि यह पहल देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में तैनात नौसैनिक कर्मियों और उनके परिवारों के लिए मजबूत एवं आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने युवाओं में बढ़ते नशे की लत के खिलाफ जन आंदोलन का किया आह्वान

शिलांग। युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, रक्षा खडसे ने गुरुवार को शिलांग के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में युवा मामले विभाग के तहत 'मेरा युवा भारत' द्वारा आयोजित 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत - पूर्वोत्तर' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, युवाओं में बढ़ते नशे की लत की चुनौती से निपटने के लिए एक सामूहिक और मिशन-मोड दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में 24 आध्यात्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, युवा अधिकारियों, नागरिक समाज के हितधारकों और संस्थागत नेताओं को एक मंच पर लाया गया, ताकि पूर्वोत्तर क्षेत्र में नशा-विरोधी जागरूकता और युवाओं को जोड़ने की पहलों को मजबूत करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया जा सके। इस कार्यक्रम में युवा मामले विभाग की सचिव पल्लवी जैन गोविल, 'मेरा युवा भारत' की सीईओ डॉ. प्रियंका शुक्ला, और आईआईएम शिलांग की निदेशक प्रो. नलिनी प्रभा त्रिपाठी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए, रक्षा खडसे ने कहा कि भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है। 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं को सही दिशा दिखाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'हमें सामूहिक रूप से 'नशा मुक्त अभियान' को मिशन-मोड में आगे बढ़ाना चाहिए।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करे केंद्र सरकार : मोहम्मद कारी सोहैब

मुजफ्फरपुर। ईद-उल-अजहा के मौके पर राजद के नेता और विधान परिषद सदस्य मोहम्मद कारी सोहैब ने एक बार फिर गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि आज की कुर्बानी का मतलब है कि अपने जज्बात, अहंकार, गुस्से, घमंड की कुर्बानी देनी है। जब हम भाईचारा, मोहब्बत के साथ रहते हैं तो मुल्क भी अच्छा होगा और समाज भी अच्छा होगा।

मुजफ्फरपुर में मीडिया से बातचीत में उन्होंने भाजपा पर गाय के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश में बीफ निर्यात में लगातार वृद्धि हुई है और आज भारत दुनिया में बीफ निर्यात के मामले में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा खुद को गौभक्त बताती है, लेकिन उसके शासनकाल में सबसे अधिक बीफ निर्यात हो रहा है।

सोहैब ने आरोप लगाया कि सीमावर्ती क्षेत्रों से खुलेआम तस्करी की घटनाओं के वीडियो सामने आते रहे हैं। उन्होंने कहा कि सच्चा सनातनी और भगवान राम का अनुयायी कभी नफरत, हिंसा या मॉब लिंचिंग का समर्थन नहीं कर सकता। भगवान राम ने हमेशा मर्यादा, प्रेम और त्याग का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग गाय के नाम पर राजनीति करते हैं, वही लोग बीफ कारोबारियों से चंदा लेकर समाज में नफरत फैलाने का काम करते हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं पर दोहरा चरित्र अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर गौ रक्षा की बात की जाती है, वहीं दूसरी ओर बीफ फैक्ट्रियों को संरक्षण दिया जाता है। राजद एमएलसी ने कहा कि देश में गाय के नाम पर हिंसा और नफरत की राजनीति को समाप्त करने का एकमात्र रास्ता यह है कि गाय को तत्काल राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए।

29 से 31 मई तक तीन राज्यों के दौरे पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 29 से 31 मई तक कर्नाटक, गोवा और केरल का तीन दिवसीय दौरा करेंगे। इस दौरान वे कई शैक्षणिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 29 मई को उपराष्ट्रपति बेंगलुरु (कर्नाटक) में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन की 45वीं वर्षगांठ के वैश्विक समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद वे दावणगेरे स्थित यूनिवर्सिटी बीडीटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्लेटिनम जुबली समारोह में भी भाग लेंगे।

30 मई को वे गोवा के पणजी में राज्य स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वे गोवा स्थित सीएसआईआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी का दौरा करेंगे। 31 मई को उपराष्ट्रपति कर्नाटक के धर्मस्थल स्थित श्री क्षेत्र धर्मस्थला मंजनाथ स्वामी मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद वे बेलथंगडी में एसआईआरआई इंडस्ट्रियल पार्क का उद्घाटन करेंगे।

उपराष्ट्रपति 31 मई को ही केरल जाएंगे, जहां वे कोट्टायम में दीपिका मलयालम दैनिक के 140वें स्थापना वर्ष समारोह का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वे कन्नूर में एक निजी कार्यक्रम में भी शामिल होंगे, जिसका आयोजन राज्यसभा सांसद सी. सदानंद मास्टर द्वारा किया गया है। यह दौरा शिक्षा, संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों को कवर करेगा। इससे पहले उपराष्ट्रपति 3 से 4 नवंबर, 2025 तक दो दिवसीय केरल यात्रा पर गए थे। पदभार ग्रहण करने के बाद यह उपराष्ट्रपति की पहली केरल यात्रा थी। इस यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति कोल्लम स्थित फातिमा माता राष्ट्रीय महाविद्यालय के हीरक जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। फातिमा माता राष्ट्रीय महाविद्यालय इस क्षेत्र के अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक है। महाविद्यालय के 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने हिस्सा लिया था। इसी महीने 21 मई को उपराष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश के स्कूली बच्चों से मुलाकात की थी। ये बच्चे आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले से दिल्ली आए थे और उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मिले थे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बोले, 'हम गाय की रक्षा के लिए वोट देंगे'

फतेहपुर। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ-रक्षा को लेकर कहा कि हम सभी विधानसभा क्षेत्रों में जाकर लोगों को प्रेरित कर रहे हैं कि गाय को पशु कहने वाली सरकार को हटाओ और गाय को माता कहने वाली सरकार लाओ।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गाय की सुरक्षा को लेकर बात तो की जा रही है लेकिन उनकी गौ-भक्ति केवल मंचों और वक्तव्यों तक सीमित है। धरातल पर विपरीत स्थिति है। आश्रय स्थलों में गायों की हालत बहुत बुरी है। गौ तस्करों पर आज तक अंकुश नहीं लग पाया है। गायों के लिए कागजी काम हो रहा है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि जनता इनके प्रचार में आ जाती है। वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं जाती। जो लोग गाय के बारे में सच्चाई बोल रहे हैं, उनके मुंह को बंद करने की कोशिश की जा रही है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि पक्ष-विपक्ष राजनीति के लिए होता है। हमारे लिए कौन पक्ष है और कौन विपक्ष है? हमारे लिए जो सरकार बन गई, वही सरकार है। जनसंख्या को लेकर उन्होंने कहा कि नेता इतने नाकाबिल हैं कि वे जनसंख्या के लिए काम नहीं ढूंढ पा रहे हैं। इसलिए जनसंख्या उनको भार लग रही है। अगर वे काम ढूंढ पाते तो उनको बहुत अच्छा लगता कि हमारे पास काम करने वाले इतने लोग हैं।

इबोला संदिग्ध की रिपोर्ट नेगेटिव, सरकार की अफवाहों से बचने की अपील

अहमदाबाद। गुजरात के स्वास्थ्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रफुल पंशेरिया ने गुरुवार को बताया कि कांगो से आए एक संदिग्ध इबोला वायरस संक्रमित मरीज की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उन्होंने नागरिकों से किसी भी प्रकार की अफवाह या घबराहट से दूर रहने की अपील की है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने लिखा, 'कांगो से आए इबोला वायरस के एक संदिग्ध मरीज की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे किसी भी प्रकार के डर या घबराहट में न पड़ें, अफवाहों से दूर रहें और केवल स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।' एक अन्य पोस्ट में प्रफुल्ल पंशेरिया ने लिखा, 'गुजरात सरकार और स्वास्थ्य विभाग जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क, सुसज्जित और प्रतिबद्ध हैं।' इससे पहले, स्वास्थ्य अधिकारियों ने अफ्रीका से हाल ही में लौटे एक व्यवसायी सहित चार लोगों को क्वारंटाइन किया था। गुजरात के शिक्षा मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने बुधवार को यह जानकारी दी थी। मंत्री के अनुसार, 37 वर्षीय व्यवसायी अमोरी लोकोला लगभग पांच से सात दिन पहले मुंबई पहुंचे और फिर वडोदरा चले गए। वडोदरा पहुंचने पर व्यवसायी को बुखार आने पर बैंकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। राज्य के स्वास्थ्य विभाग को मिली सूचना के आधार पर उन्हें अहमदाबाद सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां इबोला के लिए एक अलग आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है।

बता दें कि इबोला को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के बाद कई राज्यों ने निगरानी तेज कर दी है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए डब्ल्यूएचओ की ओर से दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप की वजह से युगांडा और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

मंगल से 1761 नमूनों की जांच कर 3943 रिपोर्ट भेज चुका है एपीएक्सएस, जानें कैसे काम करता है यह हाईटेक सेंसर

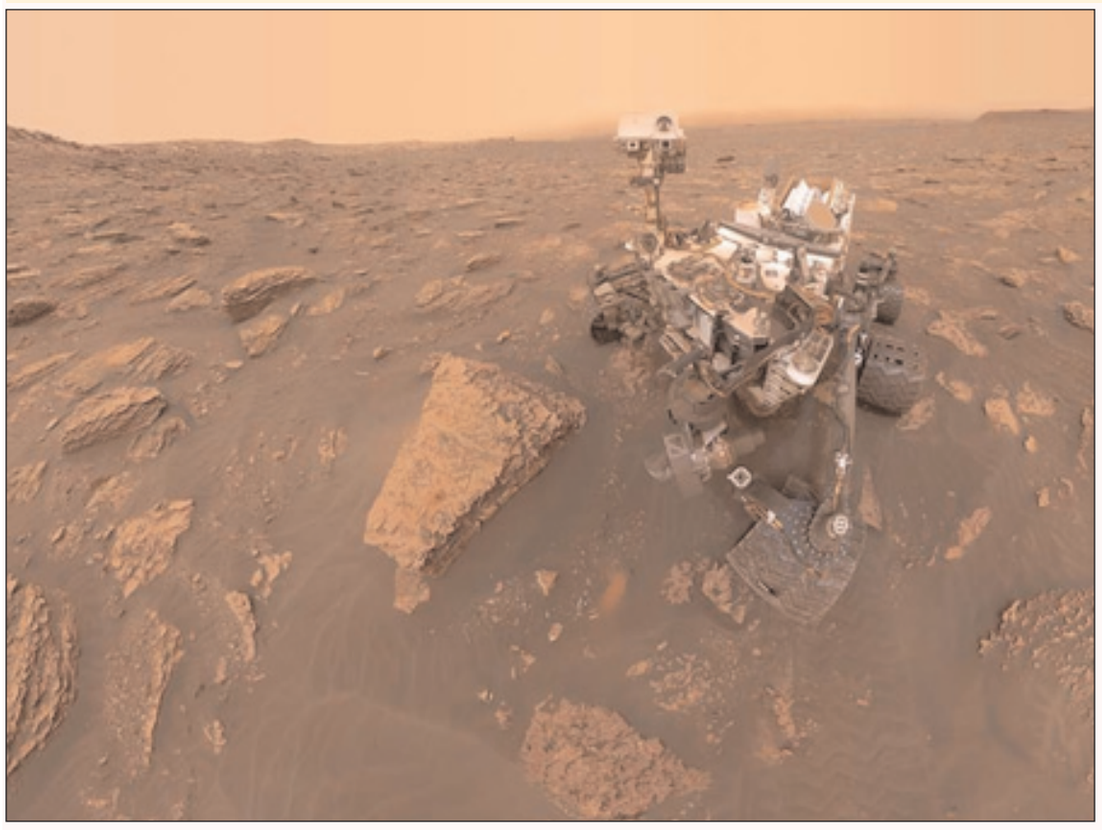

नई दिल्ली। मंगल ग्रह की सतह पर लगातार काम कर रहा कनाडा का अत्याधुनिक अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एपीएक्सएस) अब तक 1761 नमूनों का विश्लेषण कर 3943 परिणाम पृथ्वी तक भेज चुका है। यह उपकरण अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के क्यूरियोसिटी रोवर पर लगाया गया है, जो पिछले कई सालों से लाल ग्रह की मिट्टी और चट्टानों की जांच में जुटा है।

कनाडाई स्पेस एजेंसी ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर एपीएक्सएस से जुड़े अपडेट साझा किए, एजेंसी के मुताबिक, एपीएक्सएस वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद कर रहा है कि मंगल ग्रह की सतह किन तत्वों से बनी है और क्या वहां कभी जीवन के अनुकूल परिस्थितियां मौजूद थीं।

अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर आकार में लगभग रूबिक क्यूब (3डी पजल) जैसा दिखता है। यह क्यूरियोसिटी रोवर की रोबोटिक भुजा के सिरे पर लगा हुआ है। जब रोवर किसी चट्टान या मिट्टी के नमूने के पास पहुंचता है, तब यह उपकरण उस नमूने के करीब जाकर उस पर एक्स-रे और अल्फा कणों की बौछार करता है। इसके बाद नमूने से निकलने वाली एनर्जी का अध्ययन कर वैज्ञानिक उसकी रासायनिक संरचना का पता लगाते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, एपीएक्सएस किसी नमूने में मौजूद सूक्ष्म से सूक्ष्म तत्व की पहचान करने में सक्षम है। किसी नमूने का विस्तृत विश्लेषण करने में इसे करीब दो से तीन घंटे लगते हैं, जबकि त्वरित जांच लगभग 10 मिनट में पूरी हो जाती है। यही कारण है कि यह उपकरण मंगल ग्रह की सतह पर लगातार महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी जुटा रहा है।

साल 2024 में एपीएक्सएस ने एक बड़ी खोज में अहम भूमिका निभाई थी। क्यूरियोसिटी रोवर के एक चट्टान के ऊपर से गुजरने पर वह टूट गई थी, जिसके अंदर वैज्ञानिकों को शुद्ध सल्फर के क्रिस्टल मिले। मंगल ग्रह पर पहली बार इस तरह के क्रिस्टल मिलने से वैज्ञानिक काफी उत्साहित हुए थे। माना जा रहा है कि इस खोज से मंगल के पुराने वातावरण और वहां मौजूद प्राकृतिक परिस्थितियों को समझने में मदद मिलेगी।

कनाडाई स्पेस एजेंसी ने बताया कि एपीएक्सएस दिन और रात दोनों समय लगातार काम कर सकता है। यह उपकरण एक थर्मोइलेक्ट्रिक जनरेटर से संचालित होता है, जो एनर्जी पैदा करता है। इसी वजह से क्यूरियोसिटी रोवर को सौर ऊर्जा पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और वह मंगल की कड़ाके की सर्दियों में भी सक्रिय रहता है।

भारत का इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात अप्रैल में करीब 9 प्रतिशत बढ़कर 10.4 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली । भारत के इंजीनियरिंग गुड्स के निर्यात में वित्त वर्ष 2026-27 के अप्रैल में सालाना आधार पर करीब 9 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। यह जानकारी गुरुवार को हुए इंडस्ट्री डेटा में दी गई।

भारत में इंजीनियरिंग गुड्स के निर्यात में वृद्धि ऐसे समय पर देखी गई है, जब पश्चिम एशिया में तनाव के कारण लॉजिस्टिक्स और उत्पादन करना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। ईईपीसी इंडिया के मुताबिक, इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात अप्रैल में सालाना आधार पर 8.78 प्रतिशत बढ़कर 10.35 अरब डॉलर हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 9.52 अरब डॉलर था।

यह वृद्धि मुख्य रूप से एल्युमीनियम और संबंधित उत्पादों सहित प्रमुख उत्पाद सेगमेंट के मजबूत प्रदर्शन के कारण थी, जिनमें 38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तांबा और संबंधित उत्पादों में महीने के दौरान 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

विद्युत मशीनरी और उपकरणों के निर्यात में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि दोपहिया और तिपहिया वाहनों के निर्यात में 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ऑटो कंपोनेंट्स और पार्ट्स के निर्यात में भी 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

34 इंजीनियरिंग गुड्स पैनलों में से 28 ने अप्रैल माह के दौरान वार्षिक आधार पर निर्यात वृद्धि दर्ज की। इंजीनियरिंग गुड्स के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा कि मध्य पूर्व में तनाव के बावजूद अधिकांश सेक्टर और रीजन में निर्यात वृद्धि दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय संघर्षों के चलते पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका (वाना) क्षेत्र को होने वाले निर्यात पर दबाव बना हुआ है, हालांकि हाल ही में हस्ताक्षरित भारत-ओमान द्विपक्षीय व्यापार समझौते के कारण ओमान को निर्यात में वृद्धि हुई है।

चड्ढा के अनुसार, भारत ने प्रमुख साझेदारों के साथ कई मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, लेकिन उद्योग और नीति निर्माताओं को इन समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए बाजार पहुंच संबंधी चुनौतियों का समाधान करना होगा।

भारत के इंजीनियरिंग गुड्स के लिए अप्रैल में यूएस, यूके और जर्मनी प्रमुख बाजार थे। हालांकि, यूएई, सिंगापुर और सऊदी अरब को निर्यात में कमी देखी गई।

अप्रैल में चीन को इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात सालाना आधार पर 81.7 प्रतिशत बढ़कर 301.08 मिलियन डॉलर हो गया है।

क्षेत्रीय आधार पर उत्तरी अमेरिका और यूरोपीय संघ में क्रमश: 7.1 प्रतिशत और 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

हालांकि, कम मांग और ऑटोमोबाइल एवं कंपोनेंट शिपमेंट में कमजोरी के कारण वाना और आसियान बाजारों में निर्यात कमजोर बना रहा।

'नींद' की कमी से बिगड़ सकती है मानसिक और शारीरिक सेहत, कहीं आप भी तो खुद से नहीं कर रहे खिलवाड़

नई दिल्ली । आज की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग काम और तनाव के बीच अपनी नींद से समझौता कर रहे हैं। कई लोग कम नींद को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह आदत सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से शरीर और दिमाग दोनों पर बुरा असर पड़ता है। इससे थकान, चिड़चिड़ापन, तनाव, मोटापा और कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छी और पूरी नींद स्वस्थ जीवनशैली का अहम हिस्सा है। इसलिए रोजाना पर्याप्त नींद लेना उतना ही जरूरी है, जितना सही खानपान और व्यायाम। नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, लगातार कम नींद लेना कम तन मन दोनों की सेहत पर बुरा असर डालता है।

सवाल है कि पर्याप्त नींद क्यों जरूरी है? तो हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं, नींद सिर्फ आराम नहीं है, बल्कि

यह एक स्वस्थ जीवन का आधार है। अच्छी नींद से शरीर की कोशिकाएं रिपेयर होती हैं, इम्युनिटी मजबूत होती है, दिमाग तरोताजा रहता है और पूरे दिन एनर्जी बनी रहती है। रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए।

नींद की कमी सेहत पर सीधा असर डालती है। सबसे पहले तो दिनभर थकान और सुस्ती बनी रहती है। इससे काम करने की क्षमता घटती है और तनाव बढ़ता है। लंबे समय तक कम नींद लेने से वजन अनियंत्रित रूप से बढ़ सकता है क्योंकि इससे भूख नियंत्रित करने वाले हार्मोन प्रभावित होते हैं।

एनएचएम के अनुसार, कम नींद हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ा देती है। ब्लड प्रेशर अनियंत्रित हो सकता है और दिल की धड़कन प्रभावित होती है। डायबिटीज का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। कम नींद से त्वचा पर भी असर पड़ता है, चेहरे पर झुर्रियां, कालापन और सुस्ती नजर आने लगती है। इसके अलावा, मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन, चिंता और याददाश्त कमजोर होना जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। अच्छी नींद के लिए रोजाना तय समय पर सोएं और उठें, रात को स्क्रीन (मोबाइल, टीवी) से दूर रहें। हल्का व्यायाम करें, लेकिन सोने से ठीक पहले नहीं, रात का भोजन हल्का रखें, शांत और अंधेरे वाले कमरे में सोएं। अगर आपको लगातार नींद न आने या थकान महसूस हो रही है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

गुजरात में इबोला संदिग्ध की रिपोर्ट नेगेटिव, सरकार की अफवाहों से बचने की अपील

अहमदाबाद। गुजरात के स्वास्थ्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रफुल पंशेरिया ने गुरुवार को बताया कि कांगो से आए एक संदिग्ध इबोला वायरस संक्रमित मरीज की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उन्होंने नागरिकों से किसी भी प्रकार की अफवाह या घबराहट से दूर रहने की अपील की है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने लिखा, 'कांगो से आए इबोला वायरस के एक संदिग्ध मरीज की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे किसी भी प्रकार के डर या घबराहट में न पड़ें, अफवाहों से दूर रहें और केवल स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।' एक अन्य पोस्ट में प्रफुल्ल पंशेरिया ने लिखा, 'गुजरात सरकार और स्वास्थ्य विभाग जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क, सुसज्जित और प्रतिबद्ध हैं।'

इससे पहले, स्वास्थ्य अधिकारियों ने अफ्रीका से हाल ही में लौटे एक व्यवसायी सहित चार लोगों को क्वारंटाइन किया था। गुजरात के शिक्षा मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने बुधवार को यह जानकारी दी थी। मंत्री के अनुसार, 37 वर्षीय व्यवसायी अमोरी लोकोला लगभग पांच से सात दिन पहले मुंबई पहुंचे और फिर वडोदरा चले गए। वडोदरा पहुंचने पर व्यवसायी को बुखार आने पर बैंकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। राज्य के स्वास्थ्य विभाग को मिली सूचना

के आधार पर उन्हें अहमदाबाद सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां इबोला के लिए एक अलग आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। बता दें कि इबोला को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के बाद कई राज्यों ने निगरानी तेज कर दी है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए डब्ल्यूएचओ की ओर से दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप की वजह से युगांडा और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

सही जानकारी की कमी और भ्रांतियों के कारण लोग नहीं कर पाते 'रक्तदान', जानिए क्या कहते हैं विशेषज्ञ

नई दिल्ली । रक्तदान को महादान कहा जाता है क्योंकि एक व्यक्ति द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है। इसके बावजूद आज भी बड़ी संख्या में लोग रक्तदान से बचते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह इससे जुड़ी गलतफहमियां और सही जानकारी की कमी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लोग रक्तदान से जुड़ी गलत धारणाओं को छोड़ दें, तो देश में रक्त की कमी की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है। एक यूनिट रक्त कई लोगों की जिंदगी बचाने में मदद कर सकता है। इसलिए हर स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

ऐसे में नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) लोगों से अपील करते हुए कहता है कि वे भ्रांतियों को दूर कर स्वैच्छिक रक्तदान को अपनाएं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, कई लोग यह मानते हैं कि रक्तदान करने से शरीर कमजोर हो जाता है या लंबे समय तक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है जबकि यह पूरी तरह गलत

धारणा है। डॉक्टर्स का कहना है कि स्वस्थ व्यक्ति के लिए रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है। शरीर कुछ ही समय में रक्त की कमी को पूरा कर लेता है और नियमित स्वास्थ्य जांच के बाद ही रक्तदान कराया जाता है। एनएचएम के मुताबिक, 18 से 65 वर्ष की आयु का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने वाले व्यक्ति के शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर कम से कम 12.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर होना चाहिए। इसके साथ ही ब्लड प्रेशर सामान्य होना जरूरी है। यदि किसी व्यक्ति को मौसमी संक्रमण, टीबी, कैंसर या कोई गंभीर बीमारी है, तो उसे रक्तदान नहीं करना चाहिए।

विशेषज्ञ बताते हैं कि रक्तदान से पहले डोनर की पूरी हेल्थ चेकअप की जाती है। इससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि रक्तदान करने वाला व्यक्ति पूरी तरह स्वस्थ है या नहीं। रक्तदान की प्रक्रिया में केवल कुछ मिनट लगते हैं और इससे शरीर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। पुरुष हर तीन महीने पर और महिलाएं चार महीने पर रक्तदान कर सकते हैं। देश में हर साल बड़ी संख्या में मरीजों को रक्त की जरूरत पड़ती है। दुर्घटनाओं, सर्जरी, प्रसव और गंभीर बीमारियों के दौरान मरीजों को समय पर रक्त मिलना बेहद जरूरी होता है।

स्वाद ही नहीं, ठंडक भी ऐसे बनाएं सेहत से भरपूर दही-बूंदी रायता

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडा और हल्का भोजन देना बेहद जरूरी होता है। तेज गर्मी में तला-भुना और भारी खाना न केवल पाचन पर असर डालता है, बल्कि शरीर में सुस्ती और थकान भी बढ़ा सकता है। ऐसे मौसम में दही बूंदी रायता एक स्वादिष्ट और सेहतमंद विकल्प है। ठंडी दही, हल्की मसालेदार बूंदी और ताजगी से भरपूर स्वाद वाला यह रायता शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ पाचन को भी बेहतर बनाता है। यही वजह है कि गर्मियों में दही बूंदी रायता खाने की थाली का खास हिस्सा माना जाता है। खास बात है कि इसे बनाने की विधि भी बहुत आसान है। राजस्थान पर्यटन विभाग ने गर्मियों में बूंदी रायता को सबसे अच्छा विकल्प बताया है। यह स्वादिष्ट और ताजगी भरा व्यंजन गर्मी में शरीर को ठंडक पहुंचाता है और स्वाद की भी पूरी तृप्ति देता है। बूंदी रायता राजस्थान की पारंपरिक और लोकप्रिय डिश है। इसमें दही के साथ बूंदी मिलाई जाती है और हल्के मसालों, जीरा, पुदीना और धनिया से स्वाद बढ़ाया जाता है। एक ठंडा गिलास बूंदी रायता पीने के बाद गर्मी की थकान पूरी तरह उतर जाती है।यह राजस्थान की संस्कृति और परंपरा का स्वाद भी है, जो रेगिस्तानी गर्मी में स्थानीय लोगों का पसंदीदा पेय-व्यंजन रहा है। बूंदी रायता शरीर को ठंडक देता है, दही प्राकृतिक रूप से ठंडा होता है, जो गर्मी में शरीर का तापमान नियंत्रित रखता है। यह हल्का होता है, आसानी से पचता है और भारीपन नहीं देता। वहीं, गर्मी में पसीना ज्यादा आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। बूंदी रायता तरल रूप में होने से शरीर को नमी और एनर्जी दोनों देता है।

पोषक तत्वों से भरपूर दही-बूंदी रायता राजस्थान के साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में लोग बड़े चाव के साथ खाते हैं।

भद्रासन मानसिक शांति और शारीरिक संतुलन के लिए कारगर, अभ्यास के कई फायदे

नई दिल्ली । विश्व योग दिवस (21 जून) अब सिर्फ कुछ हफ्तों की दूरी पर है। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय रोजाना नए-नए योगासन और उसके फायदों की जानकारी साझा कर आम लोगों को योग की ओर प्रेरित कर रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय ने भद्रासन के अभ्यास और इसके लाभों पर विस्तार से जानकारी दी है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, शांति में अपना सुकून और ताकत खोजनी चाहिए। भद्रासन ठीक यही संदेश देता है। यह आसान और प्रभावी योगासन उन लोगों के लिए खासतौर पर फायदेमंद है जिन्हें मानसिक अस्थिरता, मासिक धर्म की परेशानी या गर्भावस्था के दौरान हल्के सहारे की जरूरत महसूस होती है।

आयुष मंत्रालय का कहना है कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवनशैली है। रोजाना कुछ समय भद्रासन जैसे आसान आसनों को दिनचर्या में शामिल कर तन-मन दोनों को सेहतमंद रख सकते हैं। इससे न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहेगा, बल्कि मन भी प्रसन्न और स्थिर रहेगा।

मंत्रालय बताता है कि भद्रासन का नियमित अभ्यास मानसिक स्थिरता लाने में मदद करता है। यह मन को शांत रखता है और रोजमर्रा की भागदौड़ में होने वाली बेचैनी को कम करने में सहायक होता है। गर्भावस्था के दौरान महिलाएं अगर डॉक्टर की सलाह से हल्के सहारे के साथ इसका अभ्यास करें तो इससे शरीर को संतुलन मिलता है और थकान कम होती है। साथ ही मासिक धर्म से जुड़ी तकलीफों जैसे दर्द, ऐंठन और मूड स्विंग्स को भी काफी हद तक कम किया जा सकता है।

यूनिटी कपः जमैका ने सेमीफाइनल में भारत को 2-0 से हराया, तीसरे स्थान के लिए होगी जिम्बाब्वे से भिड़ंत

लंदन। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को द वैली में यूनिटी कप के दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। आठवें मिनट में कर्टनी क्लार्क के शानदार शुरुआती स्ट्राइक और 78वें मिनट में काहेम डिक्सन के गोल ने जमैका को फाइनल का टिकट दिलाया।

इंग्लैंड की धरती पर साल 2002 के बाद अपना पहला मैच खेल रही भारतीय टीम अब 30 मई को तीसरे स्थान के प्लेऑफ में जिम्बाब्वे का सामना करेगी। जिम्बाब्वे को पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी। खिताबी मुकाबले में नाइजीरिया की भिड़ंत पिछले साल की तरह ही जमैका से होगी।

इस मैच में कई महत्वपूर्ण व्यक्तिगत पल देखने को मिले। नौफल पीएन और रिकी शाबोंग ने सीनियर नेशनल टीम में डेब्यू किया, जबकि एडमंड लालरिंडिका को भारत के लिए अपना पहला स्टार्ट मिला। जमैका

सेमीफाइनल मुकाबले में पूरी तरह से भारत पर हावी रहा और टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

आठवें मिनट में जमैका ने तेज काउंटर अटैक किया और भारतीय डिफेंस को मुश्किल में डाल दिया। इस दौरान गुरप्रीत सिंह संधू को एक टाइट एंगल से शानदार बचाव करना पड़ा और उन्होंने गोल होने से बचा लिया। हालांकि, खतरा पूरी तरह टला नहीं था। भारत अपनी डिफेंसिव लाइन से गेंद को ठीक से क्लियर नहीं कर पाया, और क्लार्क गलत पास को रोककर हाथ आए मौके को भुनाने में सफल रहे। उन्होंने बॉल को अपने दाहिने पैर पर कंट्रोल किया और फिर गुरप्रीत के डाइव करने के बावजूद गेंद को टॉप-राइट कॉर्नर में मारकर शानदार गोल किया।

जमैका ने आत्मविश्वास के साथ अटैक करना जारी रखा, विंग्स से भातरीय डिफेंस को भेदते हुए और बड़ी आसानी से स्पेस का फायदा उठाया। डिक्सन ने मैच के 17वें मिनट में जमैका की बढ़त को लगभग दोगुना कर ही दिया था, लेकिन ग्रुरपीत ने बेहतरीन बचाव करते हुए भारत को मुकाबले में जिंदा रखा।

जैसे-जैसे पहला हाफ आगे बढ़ा, भारत ने धीरे-धीरे अपने खेल पर पकड़ बनानी शुरू की। टीम ने कुछ अच्छे पास और बेहतर गेंद नियंत्रण दिखाया। हालांकि, आखिरी तीसरे हिस्से में टीम की आक्रमण क्षमता कमजोर रही और मौके बनाने में रचनात्मकता की कमी दिखी।

दर्शकों के बर्ताव से नाखुश दिखे जोकोविच, कहा- 'उम्मीद है अब किसी फ्रांसीसी खिलाड़ी के खिलाफ नहीं खेलूंगा'

पेरिस । सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन 2026 में दर्शकों के बर्ताव से काफी नाखुश हैं। जोकोविच ने कहा कि उम्मीद है कि टूर्नामेंट में उन्हें अब फ्रांस के किसी भी खिलाड़ी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जोकोविच वैलेंटिन रॉयर के खिलाफ हुए मैच में दर्शकों द्वारा की गई लगातार हूटिंग से गुस्से में नजर आए।

जोकोविच ने दूसरे राउंड में रॉयर पर चार सेट में 6-3, 6-2, 6-7(9), 6-3 से जीत हासिल करके अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तरफ कदम बढ़ाया। टूर्नामेंट के लगातार दूसरे मुकाबले में जोकोविच का सामना फ्रांस के खिलाड़ी से हुआ। पहले राउंड में जोकोविच ने जियोवानी मपेट्शी पेरीकार्ड को हराया था।

मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब जोकोविच ने भीड़ की हूटिंग के बाद ताली बजाई और अंपायर ने शांत रहने को कहा। अंपायर ने कहा, 'लेडीज एंड जेंटलमैन, कृपा दोनों खिलाड़ियों की थोड़ी इज्जत करें।' जोकोविच ने तुरंत कहा, 'उनमें कोई इज्जत नहीं है।' सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैं बाकी टूर्नामेंट में किसी और फ्रेंच खिलाड़ी के साथ नहीं खेलूंगा। शुरुआती दो सेट में जोकोविच का ज़बरदस्त खेल देखने को मिला। तीन बार के रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन) विजेता रॉयर के पैटर्न को समझ रहे थे और कई लेज़र-फोकस्ड शॉट मार रहे थे।

हालांकि, रॉयर पीछे हटने को तैयार नहीं थे और उन्हें लगातार अच्छे खेल का इनाम तीसरे सेट में मिला। उन्होंने तीसरे सेट में अपना हुक्ड फोरहैंड मारकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने किया घरेलू सीजन के शेड्यूल का ऐलान, कैरेबियाई टीम करेगी श्रीलंका, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की मेजबानी

सेंट जॉन्स (एंटीगुआ)। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने साल 2026 के घरेलू सीजन के शेड्यूल का ऐलान कर दिया है। कैरेबियाई टीम श्रीलंका, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की मेजबानी करेगी।

घरेलू सीजन का मुख्य आकर्षण श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो-दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज होगी, जो आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल का हिस्सा होगी। घरेलू सीजन की शुरुआत जमैका में 3-14 जून तक श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के साथ होगी, जिसमें तीन वनडे और इतने ही टी20 इंटरनेशनल मैच होंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 25-29 जून तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 3-7 जुलाई तक खेला जाना है। टेस्ट सीरीज के दोनों मुकाबलों की मेजबानी एंटीगुआ करेगा।

इसके बाद कैरेबियाई टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलेगी। 11, 13 और 16 जुलाई को शुरुआती तीन वनडे मुकाबलों की मेजबानी गुयाना

करेगा, जबकि 19 और 21 जुलाई को होने वाले आखिरी दो वनडे मुकाबले बारबाडोस में खेले जाएंगे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक रिलीज में कहा, 'फाइनल शेड्यूल के हिस्से के तौर पर बारबाडोस को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल सीरीज के लिए होस्ट वेन्यू के तौर पर जोड़ा गया है, और अब आखिरी दो मैच वहीं खेले जाएंगे।'

वेस्टइंडीज घरेलू सीजन की आखिरी सीरीज पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। दोनों टीमों के बीच दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला मुकाबला 25-29 जुलाई और दूसरा टेस्ट 2-6 अगस्त तक खेला जाना है। इस टेस्ट सीरीज की मेजबानी त्रिनिदाद और टोबैगो करेगा। ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी के लिए यह सीरीज ऐतिहासिक साबित होगी और यह मैदान पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। वेस्टइंडीज अभी भी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की रैंकिंग में 9वें स्थान पर है और टीम ने अब तक कुल 8 मुकाबले खेले हैं।

श्रीलंका सीरीज का शेड्यूल:

पहला वनडे- 3 जून, सबीना पार्क, जमैका

दूसरा वनडे- 6 जून, सबीना पार्क, जमैका

तीसरा वनडे - 8 जून, सबीना पार्क, जमैका

पहला टी20 इंटरनेशनल - 11 जून, सबीना पार्क, जमैका

दूसरा टी20 इंटरनेशनल - 13 जून, सबीना पार्क, जमैका

तीसरा टी20 इंटरनेशल - 14 जून, सबीना पार्क, जमैका

पहला टेस्ट - 25-29 जून, सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम, एंटीगुआ और बारबुडा

दूसरा टेस्ट - 3-7 जुलाई, सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम, एंटीगुआ और बारबुडा

न्यूजीलैंड सीरीज का शेड्यूल:

पहला वनडे - 11 जुलाई, गुयाना नेशनल स्टेडियम, गुयाना

दूसरा वनडे - 13 जुलाई, गुयाना नेशनल स्टेडियम, गुयाना

तीसरा वनडे - 16 जुलाई, गुयाना नेशनल स्टेडियम, गुयाना

चौथा वनडे - 19 जुलाई, केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस

पांचवां वनडे - 21 जुलाई, केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस

पाकिस्तान सीरीज का शेड्यूल:

पहला टेस्ट - 25-29 जुलाई, ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी, त्रिनिदाद एंड टोबैगो

हमारे पास भी कई वैभव सूर्यवंशी हैं, अपनी ताकत पर करेंगे फोकस : सिद्धेश लाड

मुंबई । टी20 मुंबई लीग के चौथे सीजन के लिए डिफेंडिंग चैंपियन मराठा रॉयल्स ने अपनी नई जर्सी लॉन्च की। कप्तान सिद्धेश लाड ने उम्मीद जताई कि टीम पिछले साल के प्रदर्शन को इस बार भी दोहराना में सफल रहेगी। उन्होंने कहा कि मराठा रॉयल्स के पास भी वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज मौजूद हैं, जो अकेले दम पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं।

मराठा रॉयल्स के कप्तान ने 'आईएएनएस' के साथ बातचीत करते हुए कहा, 'इस साल यकीनन हमारे ऊपर दबाव होगा, क्योंकि पिछले सीजन हम चैंपियन थे। हम जब पिछले साल टूर्नामेंट में आए थे, तो किसी को उम्मीद नहीं थी कि हम खिताब जीतेंगे। कोई भी टीम अगर चैंपियन बनती है, तो बाकी टीमों की नजर में उस टीम के लिए सम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही सभी टीमें हमारे खिलाफ पूरी तैयारी के साथ भी आएंगी। हालांकि, हम अपनी ताकत पर फोकस करेंगे और पिछले सीजन की तरह ही तैयारी करेंगे।'

सिद्धेश ने कहा कि उनकी टीम के पास भी कई वैभव सूर्यवंशी मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास भी कई वैभव सूर्यवंशी मौजूद हैं। पिछले सीजन हमने देखा कि साहिल जाधव ने हमारे लिए कई प्रभावशाली पारी खेली थी। हम काफी खुश हैं कि उनको रिटेन कर सके हैं। इसके साथ ही टीम में नए चेहरे भी हैं। इस साल हमारी टीम काफी संतुलित नजर आ रही है।'

सिद्धेश ने वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए कहा कि कभी नहीं सोचा था कि कोई भारतीय बल्लेबाज क्रिस गेल का एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ेगा।

कप्तान ने कहा कि आईपीएल 2026 के मौजूदा सीजन से भी टीम ने काफी कुछ सीखा है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में बल्लेबाजों का माइंडसेट कमाल का दिख रहा है और वह पहली ही गेंद से गेंदबाजों पर हावी होने की कोशिश कर रहे हैं।

नॉर्वे चेसः प्रग्गनानंदा ने रोमांचक मुकाबले में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन को हराया

ओस्लो । नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट के राउंड तीन में एक और रोमांचक मुकाबला खेला गया। भारतीय स्टार खिलाड़ी प्रग्गनानंदा रमेशबाबू ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लासिकल चेस में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया।

प्रग्गनानंदा ने धीरे-धीरे एक लंबे गेम में कार्लसन को पीछे छोड़ दिया और ज्यादातर समय तक कंट्रोल में दिखे। हालांकि, समय की भारी कमी के कारण मैच का रुख बदल गया और कार्लसन ने इसका फायदा उठाते हुए बढ़त हासिल कर ली। कुछ देर बाद, नॉर्वे के स्टार ने दबाव में आकर एक बड़ी गलती कर दी, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश डोमराजू और टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरौजा ने एक तनावपूर्ण मुकाबले के बाद एक कड़ा क्लासिकल ड्रॉ खेला। फिरौजा ने बाद में आर्मागेडन गेम में जीत हासिल की और अतिरिक्त पॉइंट हासिल किए और टूर्नामेंट में अपनी मजबूत शुरुआत बनाए रखी।विन्सेंट कीमर और वेस्ली सो के बीच बचा हुआ क्लासिकल गेम भी एक संतुलित संघर्ष के बाद ड्रॉ पर खत्म हुआ। वेस्ली सो ने अतिरिक्त पॉइंट्स इकट्ठा करके आर्मागेडन गेम को अपने नाम कर लिया। तीसरे राउंड के बाद, फिरोजा एक और शानदार प्रदर्शन के बाद तालिका में पहले स्थान पर बनी हुई हैं।

नॉर्वे चेस विमेंस में एक बार फिर करीबी मुकाबले देखने को मिले। तीन क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए और फिर मैच के नतीजे का फैसला आर्मागेडन से हुआ। मौजूदा विमेंस वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन और झू जिनर ने एक तनावपूर्ण मुकाबला खेला जो आखिर में ड्रॉ पर खत्म हुआ। झू जिनर ने एक समय अच्छी बढ़त बनाई हुई थी, लेकिन वह इसे जीत में नहीं बदल पाईं। झू ने बाद में आर्मागेडन गेम में जीत हासिल करके अतिरिक्त पॉइंट्स हासिल किए।

एना मुजीचुक और हंपी कोनेरू ने भी एक संतुलित संघर्ष के बाद अपना क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म किया। मुजीचुक ने बाद में आर्मागेडन गेम में जीत हासिल करके अतिरिक्त पॉइंट्स हासिल किए। क्लासिकल चेस में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही और अंत में खेल ड्रॉ पर खत्म हुआ।

इसके बाद आर्मागेडन टाईब्रेकर खेला गया, जहां दिव्या ने आर्मागेडन गेम जीतकर अतिरिक्त पॉइंट्स हासिल किए। तीसरे राउंड के बाद, दिव्या और झू जिनर ने आर्मागेडन में अहम जीत हासिल करके अंतर को थोड़ा कम किया। इसके बावजूद अस्सौबायेवा नॉर्वे चेस विमेंस में अभी भी बढ़त बनाए हुए हैं।

15 साल की उम्र में वैभव की खेल के प्रति जागरूकता कमाल की है: एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि 15 साल की उम्र में वैभव की खेल के प्रति जागरूकता कमाल की है। आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ 29 गेंदों में 97 रनों की दमदार पारी खेली।

वैभव सूर्यवंशी की शानदार पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कोरबोर्ड पर 8 विकेट खोकर 243 रन बनाने में सफल रही। इसके जवाब में एसआरएच की पूरी टीम 196 रन बनाकर ढेर हो गई। वैभव ने अपनी पारी के दौरान 5 चौके और 12 छक्के लगाए।

डिविलियर्स ने कहा कि वह वैभव के शॉट खेलने के तरीके से ज्यादा प्रभावित दबाव से भरे नॉकआउट मुकाबले में उनकी परिपक्वता और मैदान पर शांत रहने की काबिलियत से हुए। डिविलियर्स ने 'जियोस्टार' से बात करते हुए कहा, 'वैभव सूर्यवंशी की पारी की सबसे खास बात यह थी कि दबाव में भी उनका शांत और साफ रवैया। पैट कमिंस और सनराइजर्स हैदराबाद अलग-अलग प्लान आजमाते रहे, लगातार फील्ड बदलते रहे और उनकी लय बिगाड़ने के लिए अपनी लेंथ बदलते रहे, लेकिन वह पूरी पारी के दौरान पूरी तरह से अपने ही दायरे में रहे।

फ्रेंच ओपन 2026: नोवाक जोकोविच ने बनाई तीसरे राउंड में जगह, कड़े मुकाबले में वैलेंटिन रॉयर को हराया

पेरिस । तीन बार के चैंपियन और पूर्व वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन 2026 के मेंस सिंगल्स के तीसरे राउंड में पहुंच गए हैं। जोकोविच ने कड़े मुकाबले में फ्रांस के वैलेंटिन रॉयर को हराया।

तीसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच ने रॉयर के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-3, 6-2, 6-7(9), 6-3 से जीत दर्ज की। सर्बियाई खिलाड़ी ने तीसरे सेट के टाई-ब्रेक में 6/5 पर एक मैच पॉइंट गंवा दिया, लेकिन इसके तुरंत बाद बेहतरीन वापसी करते हुए तीन घंटे और 28 मिनट तक चले मुकाबले में रॉयर को मात दी।

अपने करियर में रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके चैंपियन खिलाड़ी ने इस साल क्ले कोर्ट पर सिर्फ एक मैच खेलकर फ्रेंच ओपन में हिस्सा

लिया। मार्च में अमेरिका के इंडियन वेल्स ओपन के दौरान लगी चोट के कारण वह छह हफ्तों से ज्यादा समय तक नहीं खेल पाए थे। फ्रेंच ओपन में शुरुआती दो मुकाबलों में उन्हें फ्रांस के खिलाड़ियों से कड़ी चुनौती मिली। रविवार को उन्होंने अपने पहले मैच में जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को चार सेटों तक चले मुकाबले में हराया था। इसके बाद बुधवार को कोर्ट फिलिप-चैटियर में बेहद गर्म मौसम के बीच उन्होंने रॉयर को हराकर इस सीजन में अपना रिकॉर्ड 9 जीत और 3 हार का कर लिया।

'इन्फोसिस स्टैट्स' के अनुसार, जोकोविच ने फ्रांस के खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार 30वीं जीत हासिल की। रॉयर के खिलाफ मिले 9 ब्रेक पॉइंट में से उन्होंने 6 का फायदा उठाया। 39 साल के जोकोविच ने दोनों खिलाड़ियों के बीच खेले गए इस पहले बड़े मुकाबले में शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा, हालांकि तीसरे सेट के बीच मैच थोड़ा रोमांचक हो गया, जब लगातार चार बार सर्विस ब्रेक हुई। जोकोविच 3-2 और 4-3 की बढ़त पर थे, लेकिन हर बार रॉयर ने तुरंत वापसी की और मैच को चौथे राउंड में पहुंचा दिया। पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में 74वें नंबर के खिलाड़ी रॉयर चौथे सेट में फीके नजर आए। जोकोविच ने चौथे गेम में निर्णायक रूप से सर्विस तोड़ी और रिकॉर्ड 21वीं बार फ्रेंच ओपन के तीसरे राउंड में अपनी जगह बनाई।

विनेश फोगाट पर दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में चयन के लिए होने वाले ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए पहलवान विनेश फोगाट को इजाजत देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। रेसलिंग फेडरेशन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी।

मामले की सुनवाई जस्टिस पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की बेंच करेगी।

22 मई को दिल्ली हाईकोर्ट ने एशियन गेम्स के आने वाले ट्रायल में फोगट के हिस्सा लेने को मंजूरी देते हुए कहा था कि डब्ल्यूएफआई की चयन नीति में उनके जैसी आइकॉनिक खिलाड़ी पर विचार करने का अधिकार नहीं है, जो मातृत्व अवकाश से लौट रही हैं।

हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि

30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग डब्ल्यूएफआई करेगी और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) का एक-एक इंडिपेंडेंट ऑब्जर्वर भी मौजूद रहेगा।

हाईकोर्ट ने विनेश फोगाट को नोटिस भेजने के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को भी कड़ी फटकार लगाई थी। दरअसल डब्ल्यूएफआई ने विनेश को नोटिस भेजकर कहा था कि पेरिस ओलंपिक में वजन ज्यादा होने के कारण उनका बाहर होना देश के लिए शर्म का विषय था।

पूर्व में डब्ल्यूएफआई के सूत्रों ने आईएएनएस से ??कहा था, 'हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं और संघ इस फैसले को चुनौती नहीं देगा।

विनेश फोगाट को ट्रायल्स में हिस्सा लेने दिया जाएगा। 'महासंघ ने संकेत दिया था कि अगर फोगाट ट्रायल्स के जरिए क्वालीफाई भी कर लेती हैं, तो भी लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं, क्योंकि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस महीने की शुरुआत में ही जापान भेजी जा चुकी है।

संघ की तरफ से यह भी कहा गया था कि अगर किसी तरह हम उन्हें एक 'आइकॉनिक खिलाड़ी' के तौर पर टीम में शामिल कर भी लेते हैं, तो उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग में ही मुकाबला करना होगा। अब देखना होगा कि शुक्रवार को विनेश फोगाट के मामले में सुप्रीम कोर्ट क्या फैसला लेती है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415